रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, रविवार 28 अप्रैल 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-08, अंक-245 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

कुकी उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ के दो जवान शहीद, चार घायल

इंफाल। मणिपुर के नारानसेना इलाके में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के हमले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो जवान शहीद हो गए और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरंग पुलिस थाना क्षेत्र में नारायणसेना के एक गांव में कथित तौर पर सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलीबारी करते हुए आधी रात को हमला किया। कुकी आतंकवादियों ने नारायणसेना में सीआरपीएफ के बी/128 बीएन शिविर की ओर बम फेंके और गोलीबारी की।

शरद, लालू और पप्पू के रंग में रंगे मधेपुरा की सियासी जंग इस बार हुई बेरंग

पटना। बिहार की हाईप्रोफाइल सीटों में शुमार मधेपुरा संसदीय सीट कभी दिग्गज राजनेता शरद यादव, लालू प्रसाद यादव और पप्पू यादव के रंग में रंगी नजर आती थी, लेकिन इस बार के चुनाव में इन तीन राजनेताओं में किसी के भी नहीं होने पर यहां की सियासी जंग 'बेरंग' हो गयी है। मधेपुरा संसदीय क्षेत्र समाजवाद वाली राजनीति के जरिए जनता के बीच अलग पहचान बनाने वाले दिग्गज राजनेता शरद यादव का गढ़ रहा है।

हरियाणा में कार-ट्रक की टक्कर से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

कैथल। हरियाणा के कैथल में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार हादसा शुक्रवार देर रात तब हुई , जब परिवार के तीन सदस्य पति ,पत्नी और पुत्री खाटू श्याम धाम से वापस पंचकुला जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार खड़े ट्रक से टकरा गयी। घटना में कार में सवार तीनों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गयी।

सुबह से लेकर रात तक हाय पैसा-हाय पैसा करते थे कांग्रेसी : विष्णु देव साय

जनता की मांग का मोदी ने रखा ख्याल, बनाया पहला आदिवासी मुख्यमंत्री

पायनियर संवाददाता ◂ वाड्रफनगर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलरामपुर के वाड्रफनगर में चुनावी सभा ली। जहाँ उन्होंने कांग्रेस और भूपेश बघेल की बखिया उधेड़ दी। कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए कितनी दुर्भाग्य की बात है कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमारे बेटे-बेटियों को जुआ-सट्टा का लत लगाया। महादेव सट्टा एप को निर्बाध रूप से चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप उन पर लगा और एफआईआर भी दर्ज हुआ। पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को अत्याचार, भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बना दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में वादे तो बड़े-बड़े किये थे पर एक भी पूरा नहीं किया। इसके उलट पूरी कांग्रेस को लगा कि अभी सरकार में बैठे हैं तो कहीं से बस पैसा मिल जाए। सिर्फहाय पैसा-हाय पैसा यही किया। दारु के दूकान में दो कैश काउंटर बना दिये, एक कैश काउंटर का हिसाब सरकार के पास था और एक कैश काउंटर का हिसाब सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के पास था। कांग्रेस सरकार ने न केवल रेत और डीएमएफ घोटाला किया, बल्कि अपनी महत्वाकांक्षी योजना नरवा गरवा घुरवा बाड़ी का गोबर भी खा गए। विष्णु देव साय ने कहा कि कितने ही कांग्रेसी नेताओं के ऊपर न केवल एफआईआर है बल्कि बहुत से जेल की चक्की पीस रहे हैं। बड़े-बड़े अधिकारी जिन्होंने भ्रष्टाचार में सरकार का सहयोग किया उन्हें डेढ़-डेढ़ साल से जमानत नहीं मिल रही है। ऐसी कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में खाता भी नहीं खोलने देना है। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता की मांग थी कि प्रदेश में एक आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह मांग भी पूरी कर दी है। एक आदिवासी के बेटे को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा है। इसलिए हम सबका भी फर्ज है कि आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में अपना महती सहयोग प्रदान करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए सीएम साय ने कहा कि ये चुनाव देश के देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया।

सीबीआई ने बिरनपुर मामले में 12 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

सीबीआई ने बेमेतरा जिले के बिरनपुर में भुवनेश्वर साहू की हत्या से संबंधित मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 25 अप्रैल को प्राप्त छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध और डीओपीटी, भारत सरकार द्वारा 26 अप्रैल को आगे की अधिसूचना पर इस मामले में 12 आरोपियों के खिलाफ फिर से मामला दर्ज किया है। इसके साथ, सीबीआई ने एफआईआर संख्या 87/2023 08.04.2023 के तहत पहले दर्ज मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। 12 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 336, 307, 302 और 120-बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि, एक गांव के कक्षा 07-08 में पढ़ने वाले बच्चे स्कूल से लौट रहे थे, तभी कबाड़ी की दुकान पर काम करने वाले एक समुदाय के लड़कों ने उनकी पिटाई कर दी, जिस पर बैठक हुई। यह भी आरोप लगाया गया कि जब पीड़ित अपने दोस्तों के साथ दोपहर में उक्त समुदाय के इलाके में गया, तो समुदाय के सदस्यों ने छत से पथराव करना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित नीचे गिर गया और उसके सिर में चोटें आईं। इसके बाद, उक्त 12 आरोपियों और अन्य लोगों ने कथित तौर पर तेज चाकू/घातक हथियारों से पीड़ित की हत्या कर दी। अपनी जांच के दौरान, स्थानीय पुलिस को उपरोक्त 12 एफआईआर नामित आरोपियों के खिलाफआपराधिक सबूत मिले और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद, स्थानीय पुलिस ने सक्षम अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया। वर्तमान में, सभी आरोपपत्रित आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। सीआरपीसी की धारा 173(8) के तहत मामले को आगे की जांच के लिए खुला रखा गया था और अब इसे जांच के लिए सीबीआई ने अपने कब्जे में ले लिया है।

सीबीआई जांच से न्याय की उम्मीद : ईश्वर साहू

बिरनपुर कांड में मृत भुवनेश्वर साहू के पिता साजा विधायक ईश्वर साहू ने मीडिया से चर्चा में सीबीआई जांच पर भरोषा जताया है। उन्होंने कहा कि घटना की जो जानकारी है, वो सीबीआई को देंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीबीआई जांच से जल्दी ही न्याय मिलेगा, और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

दो चरणों से स्पष्ट यह चुनाव, बदलाव का चुनाव है : दीपक बैज

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

10 सालों में मोदी की गारंटी फेल साबित हुई एक भी वादा पूरा नहीं किया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश भर मे मोदी सरकार के खिलाफ माहौल है। दो चरण के मतदान से स्पष्ट हो गया कि यह चुनाव, बदलाव का चुनाव है। दोनों ही चरणों में इंडिया गठबंधन 80 प्रतिशत सीटें जीत रहा है। हार की सम्भावना से भाजपा के नेताओं के बोल बदल गए है। प्रधानमंत्री, कांग्रेस के खिलाफ स्तरहीन बयानबाजी पर उतर आये है। मोदी की बौखलाहट बता रही कि भाजपा चुनाव हार रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 10 सालों में मोदी की गारंटी फेल साबित हुई एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में 20 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था। 2023 में, केंद्र सरकार ने माना कि 2014 के बाद से केवल 1.2 करोड़ नौकरियां निर्मित हुई हैं। यह मूल गारंटी का बीसवां हिस्सा भी नहीं है। वर्तमान में 25 से कम आयु के दस में से चार स्नातक बेरोजगार हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल बेरोजगारों में से 83 परसेंट बेरोजगार युवा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी ने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी। इस लक्ष्य को 2022 तक प्राप्त करने के लिए 2015 से किसानों की आय में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता थी। वास्तविक वृद्धि 3.5 प्रतिशत ही रही है। इस गति से गारंटी 2035 में ही पूरी हो सकेगी। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार की नोटबंदी योजना नासूर साबित हुई। काले धन की वापसी, जालसाजी पर अंकुश, आतंकवाद पर लगाम, भ्रष्टाचार का अंत-सभी गारंटी फेल। बंद हुई 99 प्रतिशत करेंसी सिस्टम में लौट आई है। नोटबंदी आर्थिक-आतंकवाद से कम न थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी राज की प्रमुख योजना आयुष्मान भारत ने दम तोड़ दिया। कैग की रिपोर्ट से पता चला कि योजना के 7.5 लाख से अधिक लाभार्थी अमान्य थे। मध्य प्रदेश में, 'मृत' घोषित किए जा चुके 400 मरीजों को भी एक करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि उज्जवला में भी मोदी सरकार ने महिलाओ को ठगा।

छत्तीसगढ़ में ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में चार लोगों की मौत

पायनियर संवाददाता ◂ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र में शनिवार को ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार हादसे में पिता-पुत्र और मां-बेटी की जान गई है। पूरा मामला मुलमुला थाना क्षेत्र के अरसमेटा मोड़ का है। मुलमुला थाना के अनुसार गंभीर रूप से घायल महिला को बिलासपुर के सिम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने और पीड़ितों के परिजन और ग्रामीण ने मौके पर पहुंचकर चक्का जाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रामकुमार कश्यप (47), पत्नी शतरूपा बाई (42), बेटा चंद्र प्रकाश कश्यप (19) और तीन साल की छोटी बेटी के रूप में हुई है। सभी पीड़ित कोनारगढ गांव से जन्मदिन मानने के लिए परसदा गांव जा रहे थे। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम करने के लिए पामगढ़ अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीसरे चरण की चार सीट पर इंडिया गठबंधन के नवोदित प्रत्याशी राजग के सांसदों को देंगे चुनौती

एजेंसी ◂ पटना
www.dailypioneer.com

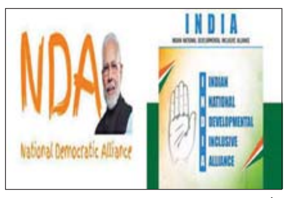

बिहार लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण में पांच सीट झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया में इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) के टिकट पर पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के वर्तमान सांसदों को चुनौती देंगे। बिहार लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण का मतदान 07 मई को झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया में होने जा रहा है। इनमें से चार सीट झंझारपुर, सुपौल, अररिया और मधेपुरा पर इंडिया गठबंधन के बैनर तले पहली बार लोकसभा के रण में उतरे प्रत्याशी, राजग के वर्तमान सांसदों को चुनौती देंगे। झंझारपुर संसदीय सीट पर इंडिया गठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार सुमन महासेठ पहली बार लोकसभा के रण में उतरे हैं। महासेठ इस सीट पर वर्तमान सांसद रामप्रीत मंडल से मुकाबला करने के लिये तैयार हैं।सुमन कुमार उर्फ सुमन कुमार महासेठ इससे पूर्व वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मधुबनी विधानसभा सीट से वीआईपी के प्रत्याशी रह चुके हैं, तब, उन्हें राष्ट्रीय जनता दल उम्मीदवार समीर कुमार महासेठ ने हराया था। सुपौल संसदीय सीट पर इंडिया गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी, सिंहेश्वर विधानसभा के विधायक चंद्रहास चौपाल पहली बार लोकसभा में अपनी किस्मत आजमाने के लिये तैयार है। चौपाल की चुनावी टक्कर इस सीट पर जदयू के वर्तमान सांसद दिलकेश्वर कामत से है। अररिया से पूर्व केंद्रीय गृहराज्य मंत्री तस्लीमुद्दीन के पुत्र और जोकीहाट के विधायक शाहनवाज आलम इंडिया गठबंधन में शामिल राजद के बैनर तले पहली बार लोकसभा के चुनावी मैदान में उतरे हैं। आलम का मुकाबला इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रदीप कुमार सिंह से होगा। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में अररिया संसदीय सीट से प्रदीप कुमार सिंह ने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस सीट पर सिंह की टक्कर राजद प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री तस्लीमुद्दीन से हुयी। तस्लीमुद्दीन ने सिंह को चुनावी मैदान में मात दी। तस्लीमुद्दीन के निधन के बाद अररिया लोकसभा सीट पर वर्ष 2018 में उप चुनाव हुआ। उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी प्रदीप सिंह का मुकाबला तस्लीमुद्दीन के बड़े पुत्र राजद प्रत्याशी सरफराज आलम से हुआ। भाजपा के सिंह को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार प्रदीप सिंह ने राजद प्रत्याशी सरफराज आलम को पराजित कर बाजी अपने नाम कर ली।

10 साल में देश को काफी आगे ले जाने का काम किया

विकसित भारत के लिए मोदी जरूरी है : योगी

पायनियर संवाददाता ◂ फिरोजाबाद
www.dailypioneer.com

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिरोजाबाद में एक चुनावी सभा में कहा कि भारत के भविष्य को सुरक्षित करने और विकसित करने के लिए तीसरी बार भी मोदी सरकार जरूरी है। यहां तिलक इंटर कॉलेज में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और सपा पर प्रहार किया और कहा कि विपक्ष को गरीबों से नहीं माफियाओं से और आतंकवादियों से हमदर्दी है। यह लोकसभा का चुनाव देश के भविष्य को बनाने वाला चुनाव है ,अभी तक के दो चरणों के मतदान के रुझान से लोगों में काफी उत्साह है । सब एक स्वर से कह रहे हैं अबकी बार फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में देश को काफी आगे ले जाने का काम किया है। विदेश में देश को बहुत सम्मान मिला है, करोड़ों लोगों को बिना जाति भेदभाव के मकान दिए गए, शौचालय का निर्माण कराया, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर दिए गए और आयुष्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। लोगों के घर-घर नल से जल पहुंचाया जा रहा है। मोदी ने बिना रुके, बिना झुके और बिना थके देश को आगे बढ़ने का काम किया है, मोदी? के नेतृत्व में एक विकसित भारत का निर्माण होगा। हम राम मंदिर ही नहीं बनाते हम आतंकवादियों और माफिया का राम नाम सत्य भी करना जानते हैं। अब अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा की? बारी है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि इनकी यूपीए सरकार के समय में आतंकवादियों माफियाओं को संरक्षण मिलता था। इनके मंसूबे सही नहीं है, इन्हें गरीब किसानों से कोई सहानुभूति नहीं यह माफियाओं के साथ हैं। माफियाओं की कब्र पर मर्सिया पढ़ने जाते हैं। समाजवादी पार्टी के शासन में आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेने की? पैरवी सरकार द्वारा की गई थी। कांग्रेस की सरकार में सीमाओं पर विस्फोट होते थे किंतु सरकार कोई जवाब नहीं देती। आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं किसी भी दुश्मन की हिम्मत नहीं जो पटाखा भी फोड़ सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र खतरनाक मंसूबे वाला है। कांग्रेस हर व्यक्ति की संपत्ति का सर्वे कराकर संपत्ति का विभाजन करने की तैयारी कर रही है साथ ही पिछडी जाति के आरक्षण पर डकैती डालने का भी काम करने जा रही है उसमें से 6 प्रतिशत अल्पसंख्यकों के नाम पर आरक्षण मे हिस्सेदारी करने की तैयारी है। रुचि भोजन के नाम पर गोकशी करने की भी छूट देने की बात कही गई है। अल्पसंख्यकों के कानून लागू करने की भी बात कहीं जा रही है।

विपक्षियों के मंसूबे अप संस्कृति को हमारी संस्कृति पर जबरदस्ती थोपने का प्रयास करने की तैयारी है। हमे उनके मंसूबे पूरे नहीं होने देने हैं। एक देश दो विधान नही चलेगे। देश में समान नागरिक कानून लागू होगा। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी केवल परिवारवाद की ही सोच तक सीमित है पार्टी ने जितने भी यादव जाति को टिकट दिए हैं वह केवल आपने परिवार में ही दिए जबकि मोदी जी का नारा है सबका साथ सबका विकास, यही रामराज की अवधारणा है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि भारत को आत्मनिर्भर सशक्त और उज्जवल विकसित भारत बनाने के लिए भाजपा की मोदी सरकार का समर्थन जरूरी है।

हाईकोर्ट ने रेप मामलों की 26.41 करोड़ राशि जारी करने दिए आदेश

एजेंसी ◂ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

तीन साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को मुआवजा नहीं मिलने की हाईकोर्ट ने पड़ताल कराई तो पता चला कि प्रदेश में करोड़ों रुपए का भुगतान रुका हुआ है। अब हाईकोर्ट में सरकार की ओर से बताया गया है कि प्रदेश के 753 प्रकरणों में भुगतान के लिए 26.41 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं। ज्ञात हो कि बिलासपुर के सिरगिट्टी इलाके में 16 साल के एक नाबालिग ने 3 साल की बच्ची के साथ बाथरूम का दरवाजा बंद कर रेप किया था। बच्ची की दम घुटने और चोट आने के चलते कुछ घंटे बाद मौत हो गई थी। इसे लेकर प्रदर्शन किया गया था। पुलिस ने आरोपी व सहयोगी उसके चाचा को गिरफ्तार कर लिया, वहीं प्रशासन की ओर से आश्वस्त किया गया था कि पीड़ित परिवार को ढाई लाख रुपए तत्काल तथा 7.50 लाख रुपए मुकदमे की सुनवाई के बाद दिया जाएगा। मगर 15 दिन बाद मीडिया में खबर आई कि पीड़ित परिवार को कोई मुआवजा नहीं मिला है। इसे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान याचिका दर्ज की। राज्य विधिक सहायता प्राधिकरण और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर उन्होंने 72 घंटे के भीतर भुगतान का आदेश दिया गया। उक्त पीड़िता के परिवार को राशि का भुगतान कर दिया गया लेकिन हाई कोर्ट ने प्रदेश भर में ऐसे लंबित मामलों के बारे में राज्य विधिक सहायता प्राधिकरण और प्रदेश सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अपने जवाब में प्राधिकरण के सदस्य सचिव ने बताया कि प्रदेश के 23 जिलों के 753 मामलों में फरवरी 2024 की स्थिति तक 26 करोड़ 41 लाख 200 रुपए का भुगतान बाकी है। कोर्ट ने रेप मामलों की राशि को जारी करने का निर्देश दिया।

पहले चरण के मतदान के बाद कांग्रेस के घोषणा पत्र को मिला नया स्तर : चिदंबरम

पायनियर संवाददाता ◂ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के नेता पी. चिदंबरम ने पार्टी के घोषणा पत्र की लगातार आलोचना करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा और कहा कि पहले चरण के मतदान में अपनी हार सुनिश्चित देखते हुए मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को महत्व देना शुरू किया है। चिदंबरम ने कहा कि मोदी द्वारा लगातार की जा रही आलोचना से कांग्रेस के घोषणा पत्र को नया स्तर मिला है और इसको लेकर जनता में जो चर्चा शुरू हुई है उससे कांग्रेस की बात लोगों के बीच पहुंची है और इसके लिए वह मोदी का धन्यवाद करते हैं। कांग्रेस के वरिष्ट नेता ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'गौर करने वाली बात यह है कि गत 05 अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच मोदी कांग्रेस के घोषणापत्र को बराबर नजरअंदाज करते रहे लेकिन 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान की बाद वह लगातार कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कड़ी प्रतिक्रिया कर रहे हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के बाद अपनी हार सुनिश्चित देखी हुई है उन्होंने जो आलोचना शुरू की है उससे घोषणापत्र को एक नया कद मिला है। उन्होंने तंज करते हुए कहा मोदी सरकार चली गयी। कुछ दिनों के लिए बीजेपी सरकार थी, क्या आपने 19 अप्रैल के बाद से हुए नाटकीय बदलाव पर ध्यान दिया है। पहले चरण के मतदान के बाद 19 अप्रैल से घोषणापत्र को एक नया कद मिल गया है। धन्यवाद, प्रधान मंत्री। उन्होंने आगे कहा जिन राज्यों में 26 अप्रैल को मतदान हुआ, वहां से खबरें कांग्रेस के लिए बेहद उत्साहजनक हैं। केरल में यूडीएफके 2019 का शानदार प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है।

विरासत टैक्स को लेकर शर्मा ने कांग्रेस को घेरा

वार्ता < पन्ना
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने विरासत टैक्स और ईवीएम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस के इन खतरनाक इरादों और देश की जनता के बीच मोदी सरकार एक दीवार बनकर खड़ी है। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान खजुराहो-पन्ना लोकसभा क्षेत्र की जनता का मतदान के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता देश के गरीब हैं, लेकिन कांग्रेस की प्राथमिकता एक विशेष समुदाय है। 'इटालियन' कांग्रेस 'अमेरिकन' टैक्स को भारत में लागू करना चाहती है, कांग्रेस के इन खतरनाक इरादों और देश की जनता के बीच मोदी सरकार एक दीवार बनकर खड़ी है। जनता के धन को लूटना, देश की संपत्ति को लूटने, कांग्रेस अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझती है। विरासत टैक्स के बहाने अपने पूर्वजों की संपत्तियां, घुसपैठियों को कांग्रेस सौंपना चाहती है।

सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस का मकसद साफ और स्पष्ट कर दिया है कि वह बहुसंख्यकों की संपत्ति को जब्त कर इसे अल्पसंख्यकों के बीच वितरित करने का इरादा रखती है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के चेहरे से पूरी तरह नकाब उतर गया है। कांग्रेस के प्रथम परिवार के सलाहकार सैम पित्रोदा जैसे 'छोटे-छोटे टाईम बाम्ब' कांग्रेस में बैठे हैं जो देश के बाहर जाकर भारत में 'षड्यंत्र के धमाके' कर रहे हैं। भारत में कांग्रेस आम आदमियों को जेब खाली करने के लिए 45 से 55 प्रतिशत विरासत टैक्स लगाने की बात कर रही है, सैम पित्रोदा जिस अमेरिकन टैक्स की बात कर रहे हैं, वहां (अमेरिका में) भी इस टैक्स पर विवाद है। अमेरिका के सिर्फ6 राज्यों में इस टैक्स को वसूलने की व्यवस्था है। यह टैक्स लादकर आम जनता को तबाह करेंगे। जनता की संपत्तियों को जबरन कब्जे में लेंगे, फिर घुसपैठियों को देंगे, जिनका भारत से कोई संबंध नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के समय कांग्रेस ने धर्म के नाम पर देश का विभाजन किया था, अब पार्टी फिर से धार्मिक तुष्टीकरण को मोहरा बना रही है। मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए कहा था कि 'देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों' का है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नजर अब जनता की कमाई और संपत्ति पर है। कांग्रेस सत्ता में आने पर मध्यप्रदेश के कुशवाहा, यादव, गुर्जर, गड़रिया और धाकड़ प्रजापति समाज के आरक्षण को छीन कर अपने चहेते वोट बैंक को देने का मन बना कर बैठी है। कांग्रेस की यह सोच माओवादी सोच है। ऐसा ही करके पहले न जाने कितने ही देश बर्बाद हो चुके हैं और अब यही नीति कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन भारत में लागू कर जनता की मेहनत की कमाई पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है।

लोकसभा मिशन, ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे सैनी: खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर लोकसभा मिशन 2024 को फतह करने के लिये राज्य में ताबड़तोड़ रैलियां करके

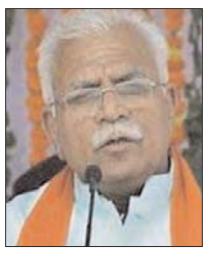

चुनाव को अपने पक्ष में करने में जुटे हैं। भारतीय जनता पार्टी के दोनों दिग्गज नेताओं का लक्ष्य जल्दी से जल्दी सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियां करना है। प्रेस विज्ञप्ति जारी करके प्रदेश मीडिया सह-प्रमुख शमशेर खरक ने बताया कि सैनी और खट्टर 40 के लगभग रैलियां कर चुके हैं। भाजपा ने अभी दो मई तक का कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें दोनों नेता हर रोज चार से पांच रैलियां करेंगे। उन्होंने बताया कि सैनी 28 अप्रैल पूर्वाह्न 10 बजे रादौर और सायं पांच बजे पंचकूला विधानसभा में विजय संकल्प रैली, 29 अप्रैल को पूर्वाह्न 10 बजे गुरुग्राम में लोकसभा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह यादव का नामांकन करायेंगे और एक मई पूर्वाह्न 10 बजे अंबाला में बन्तो कटारिया का नामांकन करायेंगे। इसके साथ ही दो बजे पुण्डरी विधानसभा में विजय संकल्प रैली करेंगे। दो मई को 10 बजे थानेसर में कुरुक्षेत्र लोकसभा उम्मीदवार नवीन जिंदल का नामांकन करायेंगे। इसके अलावा खट्टर 28 अप्रैल को पूर्वाह्न 10 बजे गढ़ी-सांपला किलोई, तीन बजे राई विधानसभा में रैलियां करेंगे।

कांग्रेस सरकार चार जून के बाद और मजबूत होगी: नेगी

एजेंसी < शिमला
www.dailypioneer.com

हिमाचल प्रदेश के बागवानी एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया है कि वह मातृ श्राप से बचने के लिये अब झूठ बोल रही है कि उन्होंने महिला सम्मान निधि का विरोध नही किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अपने नेताओं के साथ चुनाव अधिकारी के पास गए और उन्हें लिखित तौर पर इस प्रक्रिया को रोकने का दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने में माहिर है। नेगी ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश सरकार ने महिलाओं को 1500 रुपए देने की योजना को फरवरी 2024 को काजा में प्रथम चरण में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पीति की महिलाओं को इसे जारी किया था। उन्होंने कहा कि शेष हिमाचल में पात्र महिलाओं से इसके फॉर्म भरने की प्रक्रिया को भाजपा ने रोकने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने चुनाव आयोग से इस बारे अपनी स्थिति स्पष्ट की तो चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति सरकार को दी है। इसलिए प्रदेश की सभी पात्र महिलाएं अपने फार्म कल्याण अधिकारी के पास जमा करवा सकती है। नेगी ने कहा कि भाजपा मुद्दों पर कोई बात नही करती। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भाजपा लोगों को गुमराह करने का असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कभी कोई भी लोगों पर अनाधिकृत टेक्स नही थोपा। उन्होंने कहा कि 1985 में विरासत टेक्स को निरस्त किया गया था क्योंकि इस टेक्स से आमदनी कम और खर्चा अधिक था। उन्होंने कहा कि 2016 में केंद्र की भाजपा सरकार ने अपने धना सेठों को लाभ देने के लिये वेल्थ टेक्स, संपति कर निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा टेक्स के नाम पर भी लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने भाजपा पर राजनीति का स्तर गिराने का आरोप लगाते हुए इस पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के भाजपा नेताओं ने प्रदेश की स्वछ राजनीति को शर्मसार किया है इसे अब उसे इसका फल चुनावों में भुगतान पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश की चारों लोकसभा व छह विधानसभा उप चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार पूरी तरह स्थिर और मजबूत है और चार जून के बाद और भी मजबूत होगी।

मुरैना क्षेत्र के विकास के लिए सांसद बनना चाहता हूं : गर्ग

एजेंसी < मुरैना
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी रमेश चन्द्र गर्ग ने कहा कि वे इस अंचल के विकास के लिए चुनावी मैदान में हैं। गर्ग ने यहां मीडिया से चर्चा में आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले चार दशकों से यहां भी जो व्यक्ति सांसद चुना गया, उसने इस क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया। उनका चुनाव लड़ने का उद्देश्य ही इस क्षेत्र के विकास को तवज्जो देना है और सांसद चुने जाने की स्थिति में वह क्षेत्र का विकास करके दिखाएंगे।

उन्होंने इस क्षेत्र से सांसद रह चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के संदर्भ में कहा कि वे भी दो बार यहां से सांसद रहे, लेकिन उन्होंने विकास कार्य ग्वालियर और भिंड जिले में कराए। बसपा प्रत्याशी ने यहां के एक व्यवसायी और उनके समर्थक माने जाने वाले अनिल गोयल के व्यवसायिक परिसरों में जीएसटी की हाल में की गयी कार्रवाई के संदर्भ में कहा कि इसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है। व्यवसाय के पुराने मामलों के चलते यह कार्रवाई हुयी है।

कश्मीर साइबर पुलिस ने गुम 30 स्मार्टफोन बरामद कर मालिकों को लौटाये

वार्ता < श्रीनगर
www.dailypioneer.com

कश्मीर क्षेत्र की साइबर पुलिस ने हाल ही में चोरी या गुम हुए 30 स्मार्ट मोबाइल फोन को बरामद कर उन्हें फोन मालिकों को सौंपा। श्रीनगर पुलिस ने जानकारी दी। कश्मीर जोन की साइबर पुलिस थाना ने लाखों रुपये के गुम स्मार्ट फोन को बरामद कर फोन मालिकों को सौंपा है। साइबर पुलिस कश्मीर जोन, श्रीनगर अब लापता सेल फोन के संबंध में आम जनता से आवेदन और रिपोर्ट मांग रही है। पुलिस ने कहा कि साइबर पुलिस कश्मीर जोन, श्रीनगर की एक समर्पित तकनीकी टीम ने लाखों रुपये के विभिन्न ब्रांडों और मॉडलों के 30 लापता स्मार्टफोन का पता लगाने के लिए अथक प्रयास किया और अंततः सेल फोन को बरामद करने में सफल रही। इन फोनों की कीमत लाखों में है। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन के मार्गदर्शन में साइबर पुलिस कश्मीर ने आधुनिक ऑनलाइन धोखाधड़ी और घोटालों के बारे में जनता को जानकारी देने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान और कार्यक्रम भी शुरू किये हैं। कश्मीर जोन साइबर पुलिस ने आम जनता को बैंक विवरण, खाता जानकारी, व्यक्तिगत विवरण, ओटीपी या फिर किसी भी तरह की संवेदनशील जानकारी को किसी के साथ साझा न करने की सलाह जारी की है।

हेलीकॉप्टर में फिसल जाने से ममता घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी दुर्गापुर में हेलीकॉप्टर के अंदर फिसलकर गिर जाने से मामूली चोटें आयीं। यह घटना तब हुई, जब बनर्जी चुनाव प्रचार के वास्ते आसनसोल जाने के लिये हेलीकॉप्टर के अंदर गयीं। उनके सुरक्षाकर्मियों ने हालांकि उनकी मदद की। इस घटना के बाद भी, वह चुनावी सभा के लिये निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आसनसोल रवाना हुईं। आसनसोल पहुंचने पर उनका स्वागत तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने किया। गौरतलब है कि प्रसिद्ध अभिनेता एवं सांसद सिन्हा आसनसोल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, एक घायल

सतना। मध्यप्रदेश के मैहर जिले में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार अमदरा थाना क्षेत्र के वोरी गांव के निकट काठमांडू जा रही एक कार आगे जा रहे ट्रक से टकरा गई। इस घटना में हरदा निवासी विष्णु ठाकुर, बैतूल निवासी नितिन व भोपाल निवासी जोहेब की मौत हो गई। बताया गया कि सभी चारों मित्र कार से काठमांडू घूमने जा रहे थे। एक व्यक्ति घायल है जिसे कटनी ले जाया गया है।

सोनीपत की मंडियों में 348027 टन गेहूं की खरीद

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत की मंडियों में शुक्रवार रात तक 348027 टन गेहूं की आवक हो चुकी है। उपायुक्त मनोज कुमार ने बताया कि मंडियों में पहुंचे 348027 टन गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 85394 टन, हैफेड 163796 टन, एचडब्ल्यूसी 82422 तथा एफसीआई ने 16415 टन गेहूं की खरीद की। उन्होंने बताया कि बरोदा खरीद केंद्र पर 3490 टन, भैंसवाल 2615 टन, बिचपड़ी 756 टन, दतौली 5086 टन, फरमाणा 9452 टन, गन्नौर अनाज मंडी में 28448 टन, गोहाना 126567 टन, कासंडी 9685 टन, कथूरा 7970 टन, खानपुर 7392 टन, खरखौदा 40326 टन, मुण्डलाना 7910 टन, मुरथल 9113 टन, नाहरा 7010 टन, पुगथला 17604 टन, पुरखास 10042 टन, रूखी 11600 टन, सनपेड़ा 8847 टन, सोनीपत साईलो पर 6963 टन तथा सोनीपत अनाज मण्डी में 27151 टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि 348027 टन गेहूं को 19153 किसान लेकर आये हैं और गेहूं की खरीद 2275 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गयी है।

हिमाचल में फिर दराट कांड, एक ही परिवार के चार लोग घायल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के उप मंडल पालमपुर में दराट से हमला करने का एक और मामला सामने आया है। मामला पालमपुर के सिहर का बताया जा रहा है, जहां पर बेटे और पिता ने परिवार के चार सदस्यों पर शनिवार सुबह दराट से हमाला किया जिसमें चारों गंभीर रूप से घायल हो गये। गम्भीर रुप से घायल चारों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि मामला जमीनी विवाद के चलते दूसरे पक्ष ने परिवार के चार सदस्यों पर दराट से हमला किया है। बताया जा रहा है कि पिछले काफी समय से कोर्ट में केस चला हुआ था। लेकिन बीते दिन उसका निर्णय जब सामने आया तो हमला करने वाला पक्ष हार गया। इस हमले में घायल हुए मदन भाटिया ने बताया कि जमीनी का केस जीतने पर विरोधी पार्टी जो की केस हार गई थी, उसने उनके परिवार पर दराट से हमला कर उन्हें लहूलुहान किया। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह जब आरोपी के पिता और पुत्र आए तो उनकी पत्नी और पिता पर दरार से हमला कर दिया। इस दौरान मदन भाटिया अपने पत्नी और पिता को बचाने गए तो वह भी घायल हुए हैं। दराट से हमला करने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए हैं और परिवार के चार सदस्यों को बुरी तरह से जख्मी किया हुआ है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर मौके की छानबीन कर रही है।

औजला की हैट्रिक के लिये पत्नी ने की वोट अपील

अमृतसर। कांग्रेस के अमृतसर सीट से लोकसभा प्रत्याशी गुरजीत सिंह औजला की पत्नी अंदलीब कौर ने पार्टी की स्थानीय महिला इकाई के साथ मिलकर यहां लोगों से वोट देने अपील की। कौर ने यहां नॉवेल्टी स्वीट्स से कांग्रेस की स्थानीय महिला इकाई की सदस्यों के साथ शुरुआत की। उन्होंने हर दुकानदार और राहगीर से अपील की कि अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल अवश्य करें और कांग्रेस का साथ दें। उन्होंने कहा कि अमृतसर और देश के विकास के लिये अब कांग्रेस का सत्ता में आना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि लोग गुरजीत सिंह औजला के साथ हैं। उन्हें लोगों का बहुत प्यार मिल रहा है और यही प्यार उन्हें गुरु नगरी की सेवा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठे वादों पर सरकार नहीं बनाना चाहती, बल्कि वह हर वादे को पूरा करेंगे और देश को विकास की राह पर ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बेहद सोच-समझकर घोषणापत्र तैयार किया है और उसके हिसाब से हर वर्ग को फायदा दिया जायेगा। किसी को भी जाति, धर्म और मजहब के नाम पर बांटा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि गुरु नगरी के लोग तीसरी बार भी गुरजीत सिंह औजला को भारी वोटों से जितायेंगे और हैट्रिक करेंगे।

तीसरे चरण के सभी 9 संसदीय क्षेत्रों में मतदान की तैयारी पूर्ण: राजन

पायनियर संवाददाता < भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश में लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत तीसरे चरण के सभी 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के अनुसार सभी मतदान केन्द्रों पर पेयजल, जरूरी दवाइयाँ और टेन्ट की व्यवस्था की जा रही है। मतदाता सूचना पर्ची का वितरण कराया जा रहा है। मुरैना में जरूरत अनुसार फोर्स उपलब्ध कराया जायेगा। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के भी प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। राजन ने बताया कि प्रदेश में कुल 871 नाके बनाये गये हैं, जहां पर सतत् निगरानी की जा रही है। लगातार जब्ती की कार्यवाही की जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त अजय भादू ने मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ और बैतूल संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षक से अलग-अलग चर्चा कर निर्वाचन तैयारियों की जानकारी ली। प्रेक्षकों ने जिलों की टीम द्वारा की जा रही निर्वाचन तैयारियों की जानकारी दी।

मेरे सिंदूर और मंगल सूत्र पर खतरा मंडरा रहा है : श्रीकला धनंजय सिंह

जौनपुर। जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को बरेली जेल भेजने पर उनकी पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जौनपुर लोकसभा से बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी श्रीकला सिंह ने कहा कि यह धर्म युद्ध है, एक बहू के सिन्दूर को बचाने का समय है। मेरे सिंदूर और मंगलसूत्र पर खतरा मंडरा रहा है। पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी श्रीकला सिंह आज जौनपुर में एक होटल में पत्रकारों से वार्ता कर रही थी। उन्होंने अभय सिंह का नाम लिए बगैर कहा मेरे पति के ऊपर जिन लोगों ने जानलेवा हमला किया था, वो लोग भी बदले घटनाक्रम में सत्ता के पाले में हैं और यह सब देखकर मुझे डर है कि ये लोग मेरे पति की हत्या का प्रयास कर सकते हैं, या उनको किसी और फर्जी मुकदमो में फंसाने का कुचक्र कर सकते हैं। उन्होंने कहा मेरे पति का गुनाह सिर्फइतना है कि वो निर्भीक हैं, आपकी लड़ाई में उन्होंने कभी समझौते नहीं किये। उन्होने बिना रुके, बिना थके जौनपुर के लोगों की सेवा की है और जब जनता आवाज को सदन तक पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया तो उनके ऊपर फर्जी मुकादमे कायम कराये गए। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई को और रूप दिया गया। उन्होंने कहा कि अभी जब उच्च न्यायालय ने बहस के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा था तो भी ये लोग बौखलाहट में उनकी जेल बदल दी। इन लोगो के अंदर उच्च न्यायालय के फैसले का भी इंतजार करने का या उसका सम्मान करने का साहस नहीं। उन्होंने उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत प्रार्थना पत्र को स्वीकार किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि मुझे और मेरे पति को न्यायालय पर पूरा भरोसा है। अंत मे उन्होंने कहा कि आज वक्त है कि हम सब साथ मिलकर वोट के सौदागरों को जवाब दें, पैसे और ताकत से लड़ाइयां नहीं जीतीं जाती उसके लिए लोगों का साथ और आशीर्वाद की जरुरत होती है।

बिकाऊ राजनीति से भाजपा ने हिमाचल की संस्कृति को किया क्लंकित: पठानिया

वार्ता < शिमला
www.dailypioneer.com

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को यहां कहा कि आने वाले चुनावों में प्रदेश के मतदाता खरीद फरोख्त की राजनीति को करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने एक चुनी हुई सरकार को धनबल से गिराने की साजिश रची जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। पठानिया ने कहा कि जनता भाजपा को हिमाचल प्रदेश की संस्कृति को क्लंकित करने के कुकृत्य को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटें के चुनाव और छह विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनावों में कांग्रेस पार्टी भारी मतों से विजय हासिल करेगी। पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू एक आम परिवार से निकलकर कड़ी मेहनत के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे हैं, इसीलिए वे जन समस्याओं से भलीभांति परिचित हैं। उनके नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार ने जन कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं तैयार की और उन्हें धरातल पर उतारा। मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद सुक्खू सीधे बालिका आश्रम गए और उनकी मुश्किलों को समझते हुए अनाथ बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना शुरू की। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने देश के इतिहास में पहली बार अनाथ बच्चों के लिए कानून बनाकर उन्हें चिल्ड्रन ऑफद स्टेट के रूप में अपनाया।

कलियुगी बेटे ने अपने पिता पर पेट्रोल डाल लगा दी आग

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में शराब के नशे में धुत्त कलियुगी बेटे ने मामूली कहासुनी के बाद अपने पिता पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रघुवीर सिंह (66) पुत्र टीटो राम निवासी गांव घलेड़ा डाकघर टिक्कर खतरियां की अपने छोटे बेटे पम्मी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, बहसबाजी के दौरान पम्मी ने पेट्रोल की बोतल उठाकर पिता के ऊपर डालकर आग लगा दी। आग लगने से रघुवीर सिंह बुरी तरह से झुलस गया। परिजन उपचार के लिए रघुवीर सिंह को सिविल अस्पताल भोरंज ले आए,जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे डॉ.राधाकृष्णन मेडिकल कॉलेज हमीरपुर रेफर कर दिया लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए हमीरपुर से डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा को रेफर कर दिया है।

'सबको सम्मान-सबको अधिकार', सरकार का विकास मंत्र: सुक्खू

एजेंसी < शिमला
www.dailypioneer.com

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि लगभग डेढ़ वर्ष के छोटे से कार्यकाल में वर्तमान राज्य सरकार ने प्रदेश हित के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 'सबको सम्मान, सबको अधिकार' के मंत्र के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश का विकास हो, युवाओं को रोजगार मिले, बच्चों का बेहतर भविष्य बने, महिलाएं आत्मनिर्भर बनें तथा किसान व मजदूर आर्थिक रूप से सशक्त बनें, इसके लिए राज्य सरकार दिन-रात मेहनत कर रही है। सुक्खू ने कहा कि

हमने लैंड सीलिंग एक्ट में संशोधन कर बेटियों को बेटे के बराबर दर्जा प्रदान किया है। आम आदमी की राजस्व से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए नियमों में बदलाव किया और राजस्व लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन अदालतों के माध्यम से लंबित लाखों राजस्व मामलों का निपटारा किया गया है और लोगों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मात्र डेढ़ साल में ही राज्य सरकार ने 10 में से पांच प्रमुख चुनावी गारंटियों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने वर्तमान राज्य सरकार को पांच साल के लिए चुना है और हम अपने सभी वायदों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही वर्तमान राज्य सरकार की ताकत है। सुक्खू ने कहा कि भाजपा ने धनबल का इस्तेमाल कर वोट की ताकत का निरादर किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के छह विधायक धन बल के प्रभाव में आकर बिक गए और जनता के साथ विश्वासघात किया। उनके स्वार्थ ने प्रदेश की जनता पर छह उपचुनावों का अनावश्यक बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ किए गए विश्वासघात को सहन नहीं किया जा सकता तथा अब धनबल को जन बल से पराजित करने का वक्त आ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने भरसक प्रयास कर रही है और हमारा वर्ष 2032 तक राज्य को देश का सबसे समृद्ध प्रदेश बनाने का संकल्प है।

मुरैना में हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में कथित प्रेम प्रसंग के चलते युवक की गला घोंटकर की गई हत्या के आरोप में पुलिस ने

प्रेमिका के पिता सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार उमेश प्रजापति नामक एक युवक गत 17 अप्रैल को मुरैना में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया था। उसी दिन वह लापता हो गया था, परिजनों की रिपोर्ट पर से दूसरे दिन पुलिस ने उसकी गुमसुदी की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस के अनुसार युवक उमेश प्रजापति अम्बाह थाना क्षेत्र के ग्राम लँगड़िया निवासी रामहँस राठौर की पुत्री से मोबाईल फोन पर बातें किया करता था और लड़की के पिता ने उसे कई बार समझाया था कि बेटी से बात करना बंद कर दे लेकिन उसके बाद भी वह नहीं माना तब उसने अपने एक अन्य साथी संदीप राठौर के साथ मिलकर उसकी गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसके शव को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के ग्राम इमलिया के समीप एक कुएं में फेंक दिया था।

राठौर से गुरमीत ने की विभिन्न जनसुविधाओं पर चर्चा

एजेंसी < देहरादून
www.dailypioneer.com

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह से राजभवन में शनिवार को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) के स्टेट हेड हेमंत राठौर एवं अन्य उच्चाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे विभिन्न जन सुविधाओं के संदर्भ में बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आईओसी को छोटे एलपीजी सिलेंडर 'छोटू और मुन्ना' की उपलब्धता राज्य के रिमोट क्षेत्रों में बढ़ाने की ओर कार्य करना चाहिए। सिंह ने कहा कि भारतीय सेना के जो भी शहीद परिवार पेट्रोल पंप या एजेंसी प्राप्त करने से छूट गए हैं, उन्हें नियमानुसार लाभान्वित किया जाए। साथ ही, आईओसीएल को उत्तराखण्ड में रिसर्च और सेमिनार आयोजित कराने चाहिए। आईओसीएल के अधिकारियों ने राज्यपाल को अवगत कराया कि उन्होंने सितारगंज में 300 करोड़ की लागत से एलपीजी गैस सिलेंडर का बॉटलिंग प्लांट स्थापित किया है।

लोकसभा प्रत्याशी के प्रचार में मुख्यमंत्री लवन पहुंचे, भाजपा कार्यकर्ताओं का जोशीला स्वागत

पायनियर संवाददाता ✓ लवन
www.dailypioneer.com

कसडोल विधानसभा के नगर पंचायत लवन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आगमन हुआ। मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम विजय शर्मा,राजश्व मंत्री टंक राम वर्मा, लोकसभा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े, छाया विधायक धनीराम धीवर, जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े, योगेश कुमार चंद्राकर, नवीन मिश्रा,अशोक जैन, डॉ अजय राव, सुलोचना यादव, श्याम बाई साहू ,खुशबू बंजारे,मेला राम साहू, तेज राम वर्मा, मोनू यशवर्धन ,विजय यादव सहित तमाम भाजपा नेताओं की उपस्थिति मंच रहा।

रायपुर। श्रीमद् भागवत कथा परिवार के अभिनय सदस्य राजीव मुंदरा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का माना विमानतल पर स्वागत इन शब्दों के साथ उन्होंने किया सपनों में भी जिसने अपने मकान का सपना नहीं देखा था ऐसे व्यक्ति के आवास के सपने को पूरा करने वाले महामना आपका छत्तीसगढ़ की धरा पर स्वागत है।

गौरवपथ सौंदर्यीकरण के लिए लगी एलईडी लाइट डेढ़ वर्ष से पड़ी हैं बंद

पायनियर संवाददाता ✓ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौहनगरी किरन्दुल के प्रवेश द्वार रिंग रोड नम्बर 04 से बस स्टैंड तक गौरवपथ का निर्माण किया गया हैं।गौरवपथ की शोभा बढ़ाने एवं सौंदर्यीकरण हेतु नगर प्रशासन द्वारा स्ट्रीट लाईट के सभी पोल पर मल्टी कलर के एलईडी लाइट्स 12 लाख की लागत से लगाएं गए थे। बता दें 02 माह तक एलईडी लाइट्स प्रतिदिन शाम को जलती थीं लेकिन डेढ़ वर्षो से एलईडी लाइट्स बंद पड़ी हैं।जिसके कारण आम नागरिकों में भी नाराजगी देखी जा रहीं हैं। वहीं इस संदर्भ में किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष मृणाल राय ने बताया कि 02 महीने तक नगर में एलईडी लाइटस जलने से नगर में एक अलग चमक देखी जा रहीं थीं।

पीएम मोदी पर बैज की टिप्पणी कांग्रेसियों की असंतुलित मनोदशा का राजनीतिक प्रलाप : किरण देव

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की ताजा टिप्पणी को कांग्रेसियों की असंतुलित मनोदशा, हताशा और कांग्रेस टिकट कट जाने से उपजी कुंठा का राजनीतिक प्रलाप बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मानसिक स्थिति को खराब बताने वाले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बैज दरअसल कांग्रेस के तमाम लोगों की मनोदशा को रेखांकित कर रहे हैं, जिसके नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत अपने ही प्रत्याशियों को लठैत बताकर प्रधानमंत्री मोदी का सिर फोड़ने की बात करते हैं तो कभी कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा 'कवासी जीतेगा, मोदी मरेगा' कहकर अपने राजनीतिक चरित्र का प्रदर्शन करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हर तरीके के हथकण्डे अपनाने के बावजूद कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए सम्पन्न हुए दो चरणों मतदान में बुरी तरह पिछड़ चुकी है। अंतर्कलह से जूझते कांग्रेस नेताओं में कुछ टिकट काटे जाने की कुंठा और कुछ जबरिया टिकट थोपे जाने से क्षुब्ध होकर हार की हताशा में कब, कहाँ, क्या और क्यों बोल रहे हैं, उन्हें खुद इसका भान नहीं रह गया है। लोकसभा चुनाव हेतु मतदान के दो चरणों में देश, सहित छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली ऐतिहासिक बढ़त एवं कांग्रेस नेताओं द्वारा कांग्रेस छोड़े जाने से कांग्रेसी खुद अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। इस बार कांग्रेस का कोई हथकण्डा काम नहीं कर रहा है, इसलिए भी वे ऊलजलूल बयान देकर चुनावी वातावरण को विषाक्त करने में लगे हुए हैं। किरण देव ने कहा कि दरअसल कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति भी अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और जनता अब कांग्रेस से घृणा करने लगी है। कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में किए गए झूठे वादों की तो पोल कांग्रेसी खुद ही खोल रहे हैं। महिलाओं से फार्म भरवाए जाने को फर्जी बताते हुए बस्तर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष का लिखा पत्र इसका प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता-जनार्दन को अटूट विश्वास है, जो पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के रूप में व्यक्त हुआ और इस लोकसभा चुनाव में भारी संख्या में मतदान करके जनता-जनार्दन ने कांग्रेस के खिलाफअपने आक्रोश के रूप में ईवीएम में दर्ज कर दिया है।

अष्टम प्रहर हरिनाम संकीर्तन का हुआ शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ✓ किरंदुल
www.dailypioneer.com

बंगीय कल्चरल एसोसिएशन द्वारा बंगाली कैम्प दुर्गा मंदिर परिसर मे अष्टम प्रहर व्यापी हरिनाम लीला संकीर्तन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा हैं। शनिवार सुबह 6 बजे से हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ। जिसमें बीणापानी सम्प्रदाय, नदिया, भाई बुन सम्प्रदाय कोलकाता, श्यामसुंदर सम्प्रदाय उमरकोट, बाबा लोकनाथ सम्प्रदाय मलकानगिरी के कीर्तन दल हरिनाम भजन संकीर्तन किया जा रहा हैं तथा कीर्तन दलों द्वारा लगातार 24 घण्टों तक भजन गान किया जाएगा। इस आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु सम्मिलित हो रहें हैं।

अज्ञात चोरों ने सड़क पर खड़ी हाईवा से की बैटरी चोरी

पायनियर संवाददाता ✓ किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरन्दुल घड़ी चौक के पास मुख्य सड़क पर खड़ी हाईवा वाहन की बैटरी को अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली।बता दें घटना आज शनिवार रात 1 बजकर 55 मिनट की हैं। थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू ने बताया लिखित में शिकायत प्राप्त हुई हैं, सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई हैं फिलहाल जांच जारी हैं।

मौसम के तेवर बदलते ही शीतल पेय पदार्थों की मांग बढ़ी

पायनियर संवाददाता ✓ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले में लगातार गर्मी बढ़ती जा रही है। सुबह 9 बजे से लोगों को धूप चुभाने लगी है। इस वजह से दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम देखी जा रही है। वहीं लोग गर्मी से बचने के लिए शीतल पेय पदार्थों को उपयोग कर रहे है। जिसके चलते डिब्बा बंद पेय पदार्थ, गन्ना रस, दही से बने सामानो की बिक्री बढ़ने लगी है। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, यह सामान्य से 1 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, यह सामान्य से 1 डिग्री अधिक है। प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान राजनंदगांव का 42 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान बलरामपुर का 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम पारा 25 डिग्री पहुंच चुका है। इस वजह से लोगों को रात में भी गर्मी महसूस हो रही है। जिससे लोगो में चश्मा, टोपी, गमछा का चलन बढ गया है। लोगो को सन ग्लास चश्मा, पहली पसंद बन गई है, चश्मा दुकान के संचालक ने बतया कि चिलचिलाती धूप और रात्रि के समय वाहन चलाने वालो के लिए सन ग्लासेस का चश्मा अच्छा रहता है। जो 500 से शुरू होकर 5000 तक उपलब्ध है वही धूप के चश्मो की भरमार है जो 100 रू से लेकर कर हजारो में बिक रहा है। टोपी गमछा बेचने वाले दुकान ने बताया कि धूप से बचने के लिए लोग गमछा टोपी का सहारा ले रहे है, शहर की सड़कों पर सुबह और शाम के समय ही हा आवाजाही देखी जा रही है। लोग गर्मी से बचाव के लिए घर से निकलते समय टोपी और गमछा का उपयोग कर रहे है। मौसम के तेवर बदलते ही शीतल पेय पदार्थों की मांग बढ़ गई है। मार्केट में गन्ना रस की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही है।

पूर्व सैनिक युवक-युवतियों को अग्निवीर बनने के लिए दे रहे निःशुल्क प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ✓ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

भारतीय थल सेना के राष्ट्रीय राइफल में पदस्थ सिपाही हरीश कोर्राम निवासी जैतपुरी और आर्टिलरी में पदस्थ सिपाही कलिंनदर पोयाम निवासी बड़े भीरावंड छुट्टियों के दौरान अपने गृहग्राम आये हुए थे इस दौरान अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव द्वारा संचालित निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण में पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर प्रतिदिन बच्चों को अग्निवीर और जिला पुलिस बल में चयनित होने के निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विकास नगर स्टेडियम पहुंचते थे द्य अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के जिलाध्यक्ष सूरज यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कोंडागांव जिला मे लगभग 500 से ज्यादा जवान भारतीय थल सेना में अपनी सेवाएं दे रहें हैं और जब वे छुट्टियों के दौरान अपने घर आते हैं तो जिन ब्लॉक में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के द्वारा निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है वंहा पहुंचकर युवाओं को निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करते हैं द्य दिनाँक 26 अप्रैल को छुट्टियां खत्म होने पर सिपाही हरीश कोर्राम और सिपाही कलिंनदर पोयाम को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर उन्हें विदा किया गया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दिया गया द्य इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के जिलाध्यक्ष सूरज यादव, सचिव उमेश साहू, सेवारत सैनिक उमेंद्र मरकाम, सेवारत सैनिक घिना नेताम, सेवारत सैनिक शिवनाथ यादव और निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण ले रहे 300 युवक एवं युवतियां मौजूद रहे।

फार्मेट सी–7

(राजनैतिक दलों द्वारा समाचार पत्र, दल के सोशल मीडिया प्लेटफार्म और वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाने हेतु)

अभ्यर्थी के रूप में चयनित किए गए लंबित आपराधिक मामलों वाले व्यक्तियों से संबंधित सूचना और ऐसे चयन के कारण तथा बिना आपराधिक पूर्ववृत वाले अन्य व्यक्तियों को अभ्यर्थी के रूप में क्यों नही चुना गया, से संबंधित विवरण

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं.–536 में वर्ष 2018 की अवमानना याचिका (सिविल) सं. 2192 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 13 फरवरी 2020 के आदेश अनुसरण में जारी आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार)

राजनैतिक दल का नाम :– इंडियन नेशनल कांग्रेस
निर्वाचन का नाम :– लोकसभा चुनाव वर्ष–2024
राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम :– छत्तीसगढ़
(1) निर्वाचन क्षेत्र का नाम :– लोकसभा क्षेत्र कं.–08 रायपुर
अभ्यर्थी का नाम :– श्री विकास उपाध्याय

स.क.			
1		आपराधिक पूर्ववृत	
	क	अपराधों की प्रकृति	1. धारा–147, 149, 341, 427, 506 भा.दं.वि. 2. धारा–147, 341 भा.दं.वि.
	ख	मामला संख्या	1. प्रकरण कं. 4861/18, दिनांक 29.11.2022 2. प्रकरण कं. 4863/18, दिनांक 27.07.2023
	ग	न्यायालय का नाम	1. मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, रायपुर 2. मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, रायपुर
	घ	क्या आरोप विरचित कर दिए गए है या नही(हां/नही)	नही है
	ङ	दोषसिद्धि की तिथि, यदि कोई हो	नही है
	च	भुगती गई सजा का विवरण, यदि कोई हो	नही है
2		अभ्यर्थी के चयन का कारण, चयन अभ्यर्थी की योग्यता, उपलब्धि और उसकी मेरिट को देखते हुए किया जाएगा न कि सिर्फ मतदान में विजय प्राप्त करने की क्षमता (100 शब्द से अधिक न हो)	अभ्यर्थी विगत पांच वर्षो तक छत्तीसगढ़ शासन में संसदीय सचिव के रूप में प्रदेश सहित रायपुर संसदीय क्षेत्र में आम जनता के हित में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम एवं योजनाओं को कियान्वयन किया, जो सीधे जनता के साथ जुड़ने का अवसर दिया। साथ ही, अभ्यर्थी में कौशल संचार नेतृत्व, समस्या समाधान जैसे क्षेत्रों में दक्ष है। उम्मीदवार को पार्टी की विचारधारा मान्यताओं और मूल्यों के प्रति कटिबद्ध होने के कारण चुना गया है।
3		यह कारण बताएं कि बिना आपराधिक पूर्ववृत वाले अन्य व्यक्तियों को अभ्यर्थी के रूप क्यों नही चुना गया (100 शब्द से अधिक न हों)	पार्टी उम्मीदवार के चयन के लिये आंतरिक विचार विमर्श और बातचीत करती है। क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व जैसे कारक उम्मीदवार के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उम्मीदवार की पसंद मतदाता पर निर्भर करती है। उम्मीदवार के पास कांग्रेस के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवश्यक कौशल, अनुभव और समर्पण है। यह उम्मीदवार निर्वाचित क्षेत्रों नें सकारात्मक बदलाव और प्रगति लाने की क्षमता रखता है और लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करेगा।

राज्य सभा या विधानसभा सदस्यों (एमएलए) द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

कार्यालय छ.ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजीव भवन रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

बढ़ रही कीमत, घट रही खरीदी

90 फीसदी सब्जियां लोकल, फिर भी तेज

पायनियर संवाददाता ◄ भाटापारा
www.dailypioneer.com

केवल मुनगा, परवल और टमाटर ही महाराष्ट्र व दक्षिण भारत से। शेष सब्जियां स्थानीय बाड़ियों से। इसके बावजूद हरी सब्जियों की कीमत, क्रय शक्ति से बाहर जा चुकी है। कीमत में उतार की संभावनाएं फिलहाल नहीं है। राहत के लिए दो माह प्रतीक्षा करने की बात कह रहा है थोक सब्जी बाजार। यह इसलिए क्योंकि तेज धूप और घटते भूजल स्तर की वजह से सब्जी का उत्पादन कम होने लगा है। ऐसे में मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर बढ़ते क्रम पर है।

सहारा भाजी

फसलों का हरी सब्जियों में तेजी का जो दौर चल रहा है, उसके बाद भाजी फसलों की खरीदी को लेकर उपभोक्ता मांग बढ़ी हुई है। इसके साथ पत्ता गोभी, फूलगोभी, भिंडी, बरबट्टी, कुंदरू, करेला, कटहल सहित अन्य स्थानीय सब्जियों में मांग अपेक्षाकृत कमजोर ही है क्योंकि इसकी कीमत तेज मानी जा रही है। जो खरीदी निकली हुई है, उसमें मात्रा कम किए जाने की भी खबरें हैं।

बाहर से यह

मुनगा, परवल और टमाटर। यह तीन ऐसी सब्जियां हैं, जिनकी आवक, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत से हो रही है। शेष प्रजातियां स्थानीय सब्जी बाड़ियों से निकल रहीं हैं। कीमत को लेकर थोक बाजार का कहना है कि चिल्हर बाजार को परिवहन के अलावा अन्य खर्च ज्यादा देने पड़ते हैं इसलिए लाभ का प्रतिशत विवशता में बढ़ाना होता है।

प्रतीक्षा करें

थोक सब्जी बाजार स्वीकार कर रहा है कि खुदरा बाजार में कीमत, क्रय शक्ति को प्रभावित कर रही है। राहत तब ही मिलेगी जब मानसून के दिनों की सब्जी फसलों की आवक होगी। यानी कम से कम दो माह की प्रतीक्षा सब्जी उपभोक्ताओं को राहत के लिए करनी होगी। थोड़ी सी उम्मीद थोक बाजार से की जा रही है क्योंकि बाहर से आने वाली सब्जियों की आवक बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

स्ट्रांग रूम किया गया सील, स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत जिले में मतदान सम्पन्न हुआ। मतदान के पश्चात सभी मशीनों को आने के बाद महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक रामप्रभु उदाई, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता गांधी और राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पॉलिटेक्निक कालेज रुद्री में स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। प्रशासन द्वारा स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जीआर मरकाम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बता दें कि मतगणना 4 जून को होगी।

जिले में निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता गांधी ने जिले के मतदाताओं, अधिकारी, कर्मचारियों और मीडिया प्रतिनिधियों का किया आभार व्यक्त

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता गांधी ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत लोकसभा क्षेत्र महासमुंद के विधानसभा धमतरी और कुरूद तथा लोकसभा क्षेत्र कांकेर के विधानसभा सिहावा में शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न मतदान संपन्न होने पर मतदान कार्य संपादित एवं संपन्न कराने वाले सभी अधिकारियों. कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों सहित जिले के नागरिकों और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भरी गर्मी में भी बड़ी संख्या में मतदाता मतदान करने अपने घरों से निकलकर मतदान केंद्र पहुंचे। वहीं मतदान कराने जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, उन्होंने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ मतदान सुचारू ढंग से संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का

भली.भांति निर्वहन किया। साथ ही सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की। नए मतदाताओं ने भी पहले बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लियाए वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। जिन्होंने सभी तरह के समाचारों का पर्याप्त कव्हरेज करते हुए सभी को अवगत कराया। स्काउट-गाईड एवं एनएसएस के छात्रों द्वारा मतदान के समय उपयोगी भूमिका निभाई गईण् जो सराहनीय है। मतदान दलों को लाने.ले जाने के अन्य कार्यों में लगे वाहन चालकों के सहयोग के बिना यह निर्वाचन कार्य भली.भांति संपादित नहीं हो पाता, इनके पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठ होने के फ्लस्वरूप यह कार्य संपादित हुआ है, इसके लिए सभी वाहन चालक बधाई के पात्र हैं। इसके अलावा स्वसहायता समूह सामाजिक संगठनों सहित अन्य सभी संस्थाओं ने अपनी भूमिका अदा की है और उनका कार्य सराहनीय रहा है ये सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

हाथों में दीपक और घंटी लिये निकली स्वीप आरती रैली

मतदाताओं को जागरूक करने नवाचारी आयोजन जारी

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

लोकसभा निर्वाचन में शतप्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने शुक्रवार की संध्या एक हाथ में दीपक और दूसरे हाथ मे घंटी लेकर स्वीप आरती रैली निकाली गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के. एल. चौहान की अगुवाई में बलौदाबाजार स्थित नगर भवन से संध्या 6 बजे स्वीप आरती रैली शंखनाद से प्रारंभ हुई। रैली में नर्सिंग की छात्राएं, शिक्षिकाएं, समूह की महिलाएं व अधिकारी -कर्मचारी शामिल हुए। दो कतारों में पंक्तिबद्ध होकर दीपक की रोशनी व घण्टी की ध्वनि के साथ रैली नगर भवन से प्रारंभ होकर प्रभुसाक्षी एम्पोरियम गली से गांधी चौक, सदर बाजार, नेहरू चौक, सी-मार्ट होते हुए मुख्य मार्ग से वापस होकर नगर भवन में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कलेक्टर चौहान ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सबसे महत्वपूर्ण अंग है और इस महत्वपूर्ण अंग का सम्मान करना उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकसभा निर्वाचन में शतप्रतिशत मतदान हो इसके लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा रहा है। कई नवाचार कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों से हमारा प्रयास मतदान प्रतिशत बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सबको प्रयास करना है कि 7 मई तक मतदान का उत्साह बनी रहे। कलेक्टर चौहान ने इस अवसर पर छतीसगढ़ी बोली में मतदान शपथ दिलाई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, एसडीएम अमित गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय, तहसीलदार राजू पटेल, जनपद सीईओ एमएल मंडावी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी, शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

मीडिया कर्मियों को अश्लील गाली गलौज देने वाला रामानंद डौंडिया गांव से फरार

पायनियर संवाददाता ◄ लवन
www.dailypioneer.com

पुलिस थाना लवन अंतर्गत ग्राम पंचायत तिल्दा निवासी रामानंद डौंडिया किसी राजनैतिक पार्टी ग्रुप में मीडिया कर्मियों से रेत की अवैध खनन मामले में भड़ास निकालने के लिए ग्रुप में जुड़े मीडिया कर्मियों को उक्त व्यक्ति ने मां बहन की अश्लील गाली गलौज, घर में घुसकर जान सहित मारने पीटने की धमकी देने के बाद से उक्त व्यक्ति तिल्दा से फरार बताए जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है शायद गिरफ्तार होने के खतरे के चलते घटना दिनांक के ठीक बाद से ही गॉव में कंही नजर नहीं आ रहा है जिससे ग्रामीण जन आपस मे चर्चा कर तरह तरह के बाते कर रहे हैं इतना बड़ा घटना करने के बाद आखिर कब तक अपने जुर्म से भागते। वहीं मीडिया कर्मियों ने पुलिस प्रशासन से फरियाद करते हुए कहा कि गाली गलौज करने वाले रामानंद डौंडिया को जल्दी सलाखों के पीछे भेजकर पीड़ित मीडिया

कर्मियों का मान सम्मान वापस लौटाया जाए। मीडिया कर्मियों के मान सम्मान को चोट पहुंचाने वाले रामानंद डौंडिया जैसे लोग भविष्य में फिर किसी के साथ-साथ हमला करने से बाज नहीं आएंगे इसीलिए प्रशासन ऐसे लोगों पर जल्दी गिरफ्तारी करने में रूचि ले नहीं तो इसके जैसे लोगों का हौसला दिनों दिन बढ़ते जाएगा। प्रेस क्लब लवन के सरंक्षक योगेश कुमार सिंघम ने अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर चिंता जाहिर किया है।

फर्स्ट टाइम वोटरों को प्रोत्साहित करने घर-घर पहुंचा रहे इनविटेशन कार्ड

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

आगामी लोकसभा निर्वाचन में शतप्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता के लिए प्रेरित करने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के एल चौहान के मार्गदर्शन में पहली बार जिले के फर्स्ट टाईम वोटर को आमंत्रण पत्र देकर वोट डालने आमंत्रित किया जा रहा है। बहुत ही आकर्षक डिजाइन में तैयार आमंत्रण पत्र में ये पंक्तियां भी लिखी गई हैं भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण मतदाता तुम्हें बुलाने को, 7 मई को भुला न जाना वोट डालने आने को। इसके साथ ही मतदान तिथि, दिवस व मतदान का समय भी उल्लेखित है। निमंत्रण पत्र को बीएलओ द्वारा मतदाताओ के घर-घर पहुंचाकर देने के साथ ही 7 मई को वोट जरूर डालने भी कहा जा रहा है। आमंत्रण पत्र के जरिए मतदान के लिए प्रोत्साहित करने का तरीका मतदाताओं में उत्साह भर रहा है। गौरतलब है कि आगामी लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने स्वीप अन्तर्गत जिला प्रशासन द्वारा कई कार्यक्रम एवं नवाचार किया जा रहा है।

नवकार महिला मंडल ने डांगीमाचा गांव जाकर गौ माता की पूजा अर्चना कर गुड रोटी खिलाया

धमतरी। नवकार महिला मंडल द्वारा डांगीमचा गांव में आशा देवी गौशाला में जाकर गौ माता की पूजा अर्चना की एवं उन्हें साग-सब्जी, दाना ,चारा, लड्डू ,गुड, रोटी आदि सामग्री गौ माता को खिलाकर वहां मठा वितरण किया एवं अंगार मोती मंदिर जाकर दर्शनार्थीयो को मठा वितरण किया। गांव से आए दर्शन करने यात्री लोग मठा पाकार खुश हो गए और मंडल को बहुत पुन्य का काम एवं इस गर्मी में ठंडा पिलाने के लिए बहुत.बहुत साधुवाद दिया। मंडल ने साथ मे पिकनिक का भी मजा लिया सभी अपने घर से व्यंजन लाकर एक दूसरे को खिलाकर गेम खेल कर आनंद लिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संतोष मिनी, सचिव कुसुम गोलछा, कोषाध्यक्ष इंदु जैन, संजू जैन, अंजलि जैन, सरला, भुरा, कंचन, चोपड़ा शकुन पिचा, सुमन राखेचा, रीता छाजेड़ एवं मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे।

मीडिया कर्मियो ने कलेक्टर से मिलकर कानून हाथ में लेने वाले रेत तस्करों पर कारवाई की मांग की

पायनियर संवाददाता ◄ लवन
www.dailypioneer.com

कसडोल विधानसभा के तहसील लवन अंतर्गत ग्राम पंचायत तिल्दा में रेत की अवैध खनन एवं परिवहन के मामले को प्रेस क्लब लवन के सदस्यों ने लगातार प्रकाशित कर प्रशासन के संज्ञान में लाया जिस पर कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने तिल्दा में ताबड़तोड़ छापामारी कार्रवाई किये, जिससे रेत के अवैध कारोबार से जुड़े तिल्दा के जनप्रतिनिधी एवं रेत तस्कर बौखला गए और 19 अप्रेल को मीडिया कर्मियों को धमकी चमकी मारने पिटने के अलावा गाड़ी के चक्के में दबा देने की धमकी दिये गए हैं। जिसकी शिकायत लवन थाना में 19 अप्रेल को मीडिया कर्मियों ने किये हैं जिस पर कार्रवाई नहीं होने से कानून हाथ में लेने वाले लोगों के हौसले बुलंद हैं। जिस पर कार्रवाई एवं रेत खनन को बंद करने के लिए 26 अप्रेल को मीडिया कर्मियों ने कलेक्टर, एसपी के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई किये जाने की मांग किये हैं। जिसमें प्रेस क्लब अध्यक्ष गोलू कैवर्त, रूपेश जोशी, विजय साहू, मुरारी साहू, संजय जांगड़े, धन कुमार औधे लिया योगेश सिंघम सहित पूरे लवन के मीडिया कर्मियों ने कानून हाथ में लेने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग किये हैं। कलेक्टर के एल चौहान ने कार्रवाई का भरोसा मीडिया कर्मियों को दिये गए हैं।

छत्तीसगढ के पहलवानो ने पूरे भारत मे अपना दबदबा बनाया

लक्ष्मण पहलवान ने कुश्ती के पहलवानो को 5-5किग्रा बादाम दिया जिसे पहलवान खा के और मेहनत कर सके

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

वाराणसी मे 24 से 26 तक चल रहे सीनियर नेशनल कुस्ती फेडरेशन कप मे छत्तीसगढ के पहलवानो ने पुरे भारत मे अपना दबदबा बनाया और अपना लोहा मनवाया और पदको की झडी लगा दी। टीम के कोच लक्ष्मण लाल साहू पहलवान धमतरी जिला कुस्ती अध्यक्ष और खेलो इंडिया स्माल सेंटर के कोच विकास सिंह ठाकुर ने बताया की ग्रेको रोमन सत्येल 55 किलो मे मनु यादव 60 किलो मे अभिषेक निषाद 72 कोलो मे अनीश सिंह ने कास्य पदक अपने नाम किया वही सत्येंद्र यादव ने रजत पदक अपने नाम किया। 86 कि ग्रा फ्री स्टइल मे विजेंद्र पल ने कास्य पदक अपने नाम किया । पहलवान लक्ष्मण लाल अध्यक्ष धमतरी जिला कुस्ती ने पहलवानो के हौसला अफ्जाई के लिए मनु यादव और अभिषेक निषाद को 5-5 केजी बादाम दिया जिसे पहलवान खा के और मेहनत कर सके।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने किये मतदान

कहा देश और क्षेत्र के विकास के लिए प्रत्येक नागरिक भाजपा के लिए संकल्पित है

पायनियर संवाददाता ◄ बसना
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में महासमुंद लोकसभा बसना विधानसभा में मतदान हुआ। बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने अपने निवास नीलांचल भवन में श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की पूजा अर्चना कर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए नगर स्थित हाई स्कूल में वोट डाले वहीं मतदान करने के बाद सेल्फी पॉइंट में सेल्फी भी लिये। विधायक ने बसना में मतदान करने पश्चात पिरदा भाजपा मंडल क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पिरदा (मतदान केंद्र क्रमांक 103 एवं 105 एवं ग्राम सीतापुर मतदान केंद्र क्रमांक 144), गढ़फुलझर भाजपा मंडल के ग्राम गढ़फुलझर (मतदान केंद्र क्रमांक 276 एवं 277), भाजपा मंडल सांकरा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम सांकरा (मतदान केंद्र क्रमांक

75, 76 एवं 77)एवं पिथौरा मण्डल पहुंच कर मतदान केंद्र का निरीक्षण किये तथा मतदाताओं से भेंट मुलाकात किए। इस दौरान क्षेत्रवासियों को मतदान के प्रति गजब उत्साह देखने को मिला। विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने लोकसभा प्रत्याशी रुपकुमारी चौधरी की जीत का दावा किया और मोदी की गारंटी बताया। इस दौरान विधायक ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि देश और क्षेत्र के विकास के लिए प्रत्येक नागरिक भाजपा के लिए संकल्पित है। लोकसभा प्रत्याशी रुपकुमारी चौधरी बसना विधानसभा क्षेत्र से 80 हजार मतों सहित महासमुंद लोकसभा क्षेत्र से 2 लाख से अधिक मतों से जीतेगी, इस बार नरेन्द्र मोदी 400 के आंकड़े को पार कर तीसरी बार भाजपा सरकार बनाएंगे। मोदी का प्रभाव सभी विधानसभा क्षेत्र, लोकसभा क्षेत्र सहित पूरे भारतवर्ष में है। वहीं क्षेत्रीय प्रत्याशी रुपकुमारी चौधरी बसना विधानसभा की बेटी एवं सरायपाली विधानसभा की बहु है, इस बात को ध्यान में रखते हुए तथा भाजपा की रीति नीति व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन कल्याणकारी योजनाओं व राष्ट्र को सर्वोपरि मानने वाले देशहित के फैसलों से प्रभावित होकर जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, जनपद पंचायत बसना अध्यक्ष रुक्मणी पटेल, कोलता समाज से गिरधारी साहू, सतनामी समाज जिला महंत छबिलाल रात्रे सहित हजारों कांग्रेस के बड़े बड़े दिग्गजों ने भाजपा प्रवेश कर लोकसभा प्रत्याशी को प्रचंड मतों से जीत का आशीर्वाद के साथ सांसद बनाकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने तथा नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने संकल्प लिया है।

विधानसभा चुनाव बहिष्कार कर लोकसभा चुनाव में भाजपा को किया शत प्रतिशत मतदान

पिरदा मंडल क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम सीतापुर (मतदान केंद्र क्रमांक 144) जहां पूर्व में हुए विधानसभा चुनाव में सड़क की मांग को लेकर गांव के किसी भी व्यक्ति ने मतदान नहीं किया था और पूर्ण रूप से चुनाव बहिष्कार किया था। उसी सीतापुर गांव में आज बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के मार्गदर्शन में पूरा गांव एकजुट होकर मतदान किया। ग्रामवासियों ने कहा कि हमारे स्थानीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने हमारे गांव के सड़क की मांग को गंभीरता से लेते हुए 11 किमी की सड़क के लिए लगभग साढ़े आठ करोड़ रुपए की स्वीकृति की गई इस उत्साह से हम सभी ग्रामवासी भाजपा के पक्ष में मतदान किया है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

375 ली हाथभट्ठी कच्ची महुआ शराब सहित 4520 कि. महुआ लाहन जब्त

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर के एल चौहान निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी एल.के. गायकवाड़ के मार्गदर्शन में लगातर अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। गस्त के दौरान कसडोल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हसुआ में आबकारी विभाग की टीम द्वारा कर्रवाई की गई जिसमें एक 200 ली. क्षमता वाले एक प्लास्टिक ड्रम में 125 बल्क ली. 6 नगो की 15 ली. क्षमता वाली प्लास्टिक डिब्बे में 90 ली.20 ली. एवं 10 ली.क्षमता वाली प्लास्टिक जरीकेन में लगभग 15 एवं 10 ली. कुल 255 ली. हाथभठ्ठी कच्ची महुआ शराब एवं 32 प्लास्टिक झिल्लियों से भरे बोरियों प्रत्येक में 30 किलो कुल 960 किलो महुआ लाहन, प्रत्येक 200 ली. क्षमता वाली 7 प्लास्टिक ड्रम में 1400 किलो महुआ लहान सहित कुल 2360 कि.ग्रा. महुआ लाहन का सैंपल लेकर विधिवत नष्ट किया गया। इसी प्रकार ग्राम पथरी में भी 5 नग 15 ली. क्षमता वाली प्लास्टिक डिब्बे में कुल 75 ली.एक प्लास्टिक झिल्ली में 30 ली. 20 ली.क्षमता वाली प्लास्टिक जरीकेन में 15 ली. कुल 120 ली. हाथभट्ठी कच्ची महुआ शरब एवं 72 नग प्लास्टिक झिल्लियों से भरे बोरियो प्रत्येक में 30 किलो कुल 2160 किलो महुआ लाहन का सैंपल लेकर विधिवत नष्ट किया गया। अज्ञात

आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) (क) (च), 34(2),59 (क) का प्रकरण आबकारी वृत्त कसडोल में कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक जलेश सिंह, दिनेश कुमार साहू, मोतिन बंजारे, देवनंदन सिंह टंडन, आबकारी मुख्य आरक्षक सूर्यकांत वर्मा, नगर सैनिक दुर्गेशवरी कुर्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गायकवाड़ ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे भी अवैध मदिरा परिवहन,धारण के विरूद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वोट देना आपका अधिकार और जिम्मेदारी भी : रमेश सोनी

रैली के माध्यम से लोगों को किया जा रहा है जागरूक

पायनियर संवाददाता ➤ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एमसीबी द्वारा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल करने के लिये विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ में संचालित संस्था आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा बीते 1 सप्ताह से विभिन्न गांवों में मतदाता जागरूकता कैम्प लगाकर गांव के लोगों को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शनिवार को बुंदेली गांव में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बुंदेली हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र छात्राओं के द्वारा हाथों में मतदाता जागरूकता स्लोगन लिखे हुए तख्ती रखकर जागरूकता रैली निकाली गई साथ ही इस दौरान उपस्थित लोगों को मतदान की शपथ दिलाकर सात मई को बढ़चढ़ कर मतदान करने के लिये प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संचालक रमेश सोनी ने कहा की मतदान करना हमारा अधिकार ही नहीं बल्कि कर्तव्य भी है जो हमें संविधान प्रदत है। एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में हर एक वोट महत्वपूर्ण होता है। लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना केवल शासन प्रशासन का काम नहीं बल्कि हम सबका भी दायित्व है कि हम अपने आसपास के लोगों को मतदान के महत्व को समझाते हुए उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करें ताकि सबकी सहभागिता से हम शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को हासिल कर सकें। कार्यक्रम के दौरान संस्था की सह संचालक संजू सोनी ने अपने विचार रखते हुए कहा की संस्था द्वारा गांव गांव में जाकर लोगों को मतदान करने के लिये जागरूक किया जा रहा है। संस्था के छात्र छात्राओं द्वारा बुंदेली गांव में जागरूकता रैली के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान की अपील की गई है। हमें पूरा विश्वास है की इस बार मतदान का प्रतिशत अवश्य बढ़ेगा। इस अवसर पर बुंदेली हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अयूब लाल के द्वारा छात्र-छात्राओं को बताया गया की मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि मतदाता निर्वाचन प्रक्रिया की पूरी जानकारी लें जिसमें उनकी सक्रिय भागीदारी हो साथ ही साथ प्रधान पाठक बृजेश शर्मा द्वारा छात्र-छात्राओं को जागरुक करते हुए कहा गया की यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। मतदान करना हम सब का फर्ज है। आपका वोट आपकी ताकत दोनों देश की ताकत बने। इसके लिये मतदान करने आवश्यक है। इस अवसर पर आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन से संजय कुमार मिश्रा द्वारा छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई कि वे मतदान करेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे। छात्र-छात्राओं ने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। छात्र छात्राओं ने स्लोगन के साथ नारे लगाए जिसमे सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो। 'मतदान करना हम सब का फर्ज है' आपका वोट आपकी ताकत है प्रमुख रहे। इस अवसर पर संस्था के संजय कुमार मिश्रा, सोहन यादव संजू सोनी, नंदिनी, अमृता, सविता, वर्षा सोनी, ललित, अमरावती, वंदना सिंह, प्रमिला, प्रतिमा, कविता, पूजा सिंह, फूलमती, अंजलि, आरती, चांदनी, अंजलि, प्रेमवती, रुक्मणी, रामेश्वरी, जयमति, सरिता, संध्या, प्रतिभा, प्रभा के साथ विद्यालय का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

प्रयास आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिले को किया गौरवान्वित

प्रयास आवासीय विद्यालय के 18 विद्यार्थी आई.आई.टी. जे.ई.ई. एडवांस में क्वालीफाईड, कलेक्टर ने दी बधाई

अन्य वर्षों की तुलना में 2023-24 में मिली अत्याधिक सफलता

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 12वीं सत्र 2023-24 में अध्ययनरत गणित विषय के 44 विद्यार्थियों ने आई.आई.टी. जे.ई.ई. मेन्स के लिए फार्म भरा था। उक्त 44 विद्यार्थियों में से 18 विद्यार्थी आई.आई.टी. जे.ई.ई. एडवांस में क्वालीफाईड हुए है। प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग मुख्यालय मालवीय चौक में संचालित हैं। उक्त विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक 500 विद्यार्थियों को निःशुल्क अध्ययन के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क कोचिंग की भी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें चयनित संस्था गुरुकृपा कैरियर इंस्टीट्यूट का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रशासन एवं चयनित संस्था द्वारा प्रातः 6 बजे से शाम 5.30 बजे तक अध्यापन एवं कोचिंग के साथ साथ व्यक्तित्व विकास एवं विभिन्न क्रियाकलाप, व्यक्तिगत रुचि लेते हुए पूर्ण किए जाने का ही परिणाम है जो उक्त बहुत अच्छा परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ है। परीक्षा परिणाम से विभाग एवं जिला प्रशासन गौरन्वित हुआ है। इसके पूर्व वर्षों की तुलना में वर्ष 2023-24 में अत्यधिक सफलता मिली है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने उक्त क्वालीफाईड हुए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आईआईटी. जे.ई.ई. एडवांस में सफल होने का शुभकामनाएं दी है। संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी हरवंश सिंह मिरी तथा हेमन्त कुमार सिन्हा सहायक आयुक्त के साथ कोचिंग संचालक एवं प्रशासकीय अधिकारी तथा अधीक्षकों ने जिला प्रशासन के सहयोग के लिए कलेक्टर चौधरी से मिलकर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी एवं आभार व्यक्त किया है तथा उक्त क्वालीफाई हुए विद्यार्थियों को एडवांस में सफल होने हेतु कड़ी मेहनत करने में सहयोग देते हुए अच्छा परिणाम देने हेतु आश्वस्त किया।

करबला कमेटी ने बसाए दो घर

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

मोहर्रम कर्बला कमेटी की जानिब से 2 जोड़ों का निकाह हुसैनी मस्जिद के इमाम तारिक अनवर ने कुबूल कराया। इस दौरान दोनों जोड़ों की खुशहाल जिंदगी के लिए दुआएं की गई। दोनों जोड़ों को कमेटी की ओर से जरूरी सामान भी दिए गए। इस दौरान मोहर्रम कर्बला कमेटी के सरपरस्त मंसूर जफर इमदादीवाला रायपुर, पूर्व सीएसपी विरेन्द्र सतपती, मोहम्मद ताहिर,पीरजहां शेख, बरकत अली, मुनसफ अली, हज़रत अली, गुलाम सिद्दीक, मोहम्मद नईम और मोहम्मद फय्याज सहित तमाम लोग मौजूद थे।

डाटा एंट्री ऑपरेटर की लगाई गई ड्यूटी

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अरविन्द कुमार एक्का के निर्देशन में विधानसभा दुर्ग शहर-64 के निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान दिवस को एनकोर साफ्टवेयर एवं अन्य कम्प्यूटर कार्यो के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर नितेश कुमार गुप्ता की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से लगाई गई है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

उड़नदस्ता दलों की शिफ्ट वाईस लगाई गई ड्यूटी

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा उड़नदस्ता दल का गठन किया गया था। पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए विधानसभा दुर्ग शहर-64 के लिए उड़नदस्ता दलों की शिफ्ट वाईस अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। दल प्रभारी भिलाई इस्पात संयंत्र पंकज कुमार के सहयोगी कर्मचारी पटवारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की ड्यूटी दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक लगाई गई है। दल प्रभारी भिलाई इस्पात संयंत्र नितिन कनिकडैली के सहयोगी पटवारी विमल कुमार की ड्यूटी रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक, दल प्रभारी प्राध्यापक रूपेश कुमार वर्मा शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय धमधा के सहयोगी पटवारी राजेश कुमार मरकाम की ड्यूटी सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाई गई है। उप अभियंता नगर तथा ग्राम निवेश दल प्रभारी संदीप पटेल के सहयोगी ग्रामीण उद्यान अधिकारी रविश कुमार साहू की ड्यूटी दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, सहायक प्राध्यापक दल प्रभारी मोती राम साहू शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सहयोगी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भुनेश्वर कुर्रे की ड्यूटी रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक, दल प्रभारी औषधि निरीक्षक ईश्वर नारायण के सहयोगी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संजीव कुमार साहू की ड्यूटी सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, प्रबंधक ए.एस. विश्वनाथ सरमा के सहयोगी भिलाई इस्पात संयंत्र गोवर्धन साहू की ड्यूटी दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक, मैनेजर कंस्ट्रक्शन मनीष कुमार के सहयोगी ऑपरेटर सह तकनीशियन श्रवण सिंह पुरोहित की ड्यूटी रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक, प्रशिक्षक शिक्षक एचआरडीसी सचिन्द्र प्रताप सिंह के सहयोगी त्रिभुवन दयाल मिश्रा की ड्यूटी सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाई गई है।

जनपद सदस्य मकसूद आलम को कलेक्टर ने जनपद सदस्य पद से हटाया

लाभ अर्जन के मामले में विधायक प्रतिनिधि की शिकायत पर कलेक्टर ने जनपद सदस्य को पद से हटाया

पायनियर संवाददाता ➤ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

जनप्रतिनिधि होकर लाभ अर्जन के मामले में दोषी पाये जाने पर मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर कलेक्टर ने बड़ी कार्रवाई की है। मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत के सदस्य मकसूद आलम को कलेक्टर डी राहुल वेंकट ने जनपद सदस्य पद से हटा दिया है। केल्हारी के भाजपा नेता और विधायक रेणुका सिंह के विधायक प्रतिनिधि रवि गुप्ता की शिकायत पर यह कार्रवाई कलेक्टर ने की है। आपको बता दें की मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक 2 केलुआ के जनपद सदस्य मकसूद आलम द्वारा जनपद सदस्य पद पर रहते हुए अपने जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में मटेरियल सप्लाई का काम खुद के फर्म से किया जा रहा था। जनपद सदस्य द्वारा लाखों रुपयों की मटेरियल सप्लाई की गई जिसकी शिकायत विधायक प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने वर्ष 2021 में कलेक्टर कोरिया से की गई लेकिन कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक गुलाब कमरो का प्रतिनिधि होने के साथ पूर्व सरकार का संरक्षण प्राप्त होने के कारण कोई कार्यवाही नही की गई। प्रदेश में सरकार बदली और भाजपा सत्ता में आई तब विधायक प्रतिनिधि ने फिर इस मामले की शिकायत मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर कलेक्टर से की और कलेक्टर ने पूरे मामले में संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच करवाई और मामला सही पाए जाने के बाद कलेक्टर मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर डी राहुल वेंकट ने पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 (1) के तहत दोषी पाए जाने के बाद जनपद सदस्य मकसूद आलम को तत्काल जनपद सदस्य पद से हटाने का आदेश जारी कर दिया है।

विष्णु के सुशासन वाली सरकार ने की कार्रवाई

इस पूरे मामले के शिकायतकर्ता विधायक प्रतिनिधि भाजपा नेता रवि गुप्ता ने बताया कि उन्हें क्षेत्र की जनता से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी की जनपद सदस्य मकसूद आलम द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुए पंचायतों में दबाव बनाकर खुद मटेरियल सप्लाई कर लाभ अर्जित कर रहे है। इस पर मैंने 2021 में कलेक्टर कोरिया को शिकायत की थी लेकिन उस वक्त प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के कारण और मकसूद आलम के जनपद सदस्य होने के साथ ही पूर्व विधायक गुलाब कमरो के प्रतिनिधि होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब प्रदेश में विष्णुदेव साय के सुशासन की सरकार है और भ्रष्टाचरियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। उसी के तहत यह कार्रवाई करते हुए मेरी शिकायत पर मकसूद आलम को कलेक्टर ने तत्काल जनपद सदस्य के पद से हटा दिया है।

वोट करो और डिस्काउंट लो, निर्वाचन के दिन दुकानों में मतदान की स्याही दिखाने पर मिलेगी छूट

मतदाता जागरूकता के लिए व्यापारियों द्वारा अभिनव पहल

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय दुर्ग में व्यापारिक संगठनों की बैठक ली गई। बैठक में मतदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एवं निर्वाचन के दिन मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न व्यापारिक संगठनों द्वारा वोट करके शॉप में खरीदी करने वालों को छूट की घोषणा की गई है। घोषणानुसार 7 मई को वोट डालने के बाद ऊंगली पर अमिट स्याही का निशान दिखाने पर इंदिरा मार्केट के दुकानों पर डिस्काउंट मिलेगी। जिसमें सराफा व्यापारी संघ द्वारा मतदाताओं को मेकिंग चार्ज में 50 प्रतिशत की छूट, रेडीमेड कपड़ा एसोसिएशन द्वारा 15 प्रतिशत की छूट, लोहा सरिया व्यापारियों द्वारा प्रति क्विंटल 50 रुपए की छूट, फर्नीचर व्यापारियों द्वारा 20 प्रतिशत की छूट, होलसेल स्टेशनरी में 20 प्रतिशत की छूट, कॉस्मेटिक एवं ड्राय फ्रुट्स में 15 प्रतिशत की छूट एवं पूजा सामग्रियों में 15 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की गई है। बैठक में एसडीएम मुकेश रावटे, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, चंदन मनहरे एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियो ने व्यापारियों एवं ग्राहकों को अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित किया। व्यापारी संगठन के पदाधिकारियो ने अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ ली एवं ष्पहले मतदान और उसके बाद जलपानष् के नारे लगाए। बैठक में चंदन मनहरे सहित छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन पवन बड़जात्या, प्रदेश मंत्री अशोक राठी, बहादुर अली, मनीष पटेल, अनुराग अग्रवाल, प्रह्लाद कश्यप, अरुण अग्रवाल, आकाश बड़वानी, संतोष बजाज, लव खत्री आदि मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता के लिए निजी अस्पतालों की भागीदारी

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिले में लोकसभा आम चुनाव-2024 के अंतर्गत तृतीय चरण में 07 मई 2024 को मतदान संपन्न होगा। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए मतदान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान के तहत लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक और प्रोत्साहित करना भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में अधिक से अधिक लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने प्रोत्साहित करने हेतु स्पर्श मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, मित्तल हॉस्पिटल, पल्स अस्पताल भिलाई एवं एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर चिखली द्वारा एक अभिनव पहल की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी को अस्पताल प्रबंधन द्वारा अपने पहल के संबंध में पत्र सौंपे गये है। कलेक्टर चौधरी ने मतदाता जागरूकता हेतु निजी अस्पतालों की भागीदारी का सराहना करते हुए अस्पताल प्रबंधन को धन्यवाद ज्ञापित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पर्श मल्टीस्पेशिलिटी अस्पताल भिलाई में 07 मई 2024 (मंगलवार) को मतदान के पश्चात् जो व्यक्ति की ओ.पी.डी. में चिकित्सकीय परामर्श के लिए आकर अपनी उंगली पर मतदान की स्याही दिखायेगा उसे उस दिन निःशुल्क ओ.पी.डी. परामर्श दिया जाएगा। साथ ही अस्पताल में की जाने वाली ओ.पी.डी. जाँचों में अस्पताल दर पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। 08 मई 2024 से 12 मई 2024 (बुधवार से रविवार) तक ओ.पी.डी. में आए व्यक्ति को उंगली पर मतदान की स्याही दिखाने पर ओ.पी.डी. परामर्श में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। 07 मई 2024 (मंगलवार) को मतदान के बाद यदि कोई व्यक्ति अस्पताल में भर्ती होता है तो अपने उंगली पर मतदान की स्याही दिखाने पर उस व्यक्ति से 07 मई 2024 का रूम रेंट नहीं लिया जाएगा।

डाक मतपत्र के माध्यम से सुविधा केन्द्र में 28 अप्रैल से 1 मई एवं 4 से 6 मई तक मतदान

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले के मतदाता (जिला दुर्ग एवं अन्य जिले में कार्यरत) जो कि मतदान दिवस पर निर्वाचन कार्य से ड्यूटी पर तैनात रहेंगे, को डाक मतपत्र के माध्यम से विधानसभावार सुविधा केन्द्र साईस ब्लाक बीआईटी कॉलेज दुर्ग में 28 अप्रैल से 01 मई एवं 04 से 06 मई 2024 तक मतदान कराए जाने हेतु अधिकारी-कर्मचारियो की ड्यूटी लगाई गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र पाटन-62 के लिए सुविधा केन्द्र साइंस ब्लाक प्रथम तल कक्ष क्रमांक 22 में सहायक प्राध्यापक सोमाली गुप्ता शा.वि.या.ता.महा.वि., के.पदमावती, सहा.ग्रे.2 साकेत तिवारी वाणिज्यकर, नगर निगम सहा.ग्रे 2 संजय निर्मलकर, सेजस शिक्षा विभाग सहा.ग्रे.3 सोनल साहू, नगर पालिक निगम सहा.रा.निरी. भगत सिंह यादव, डा.एं.आ. वाणिज्यकर ममता, भृत्य गंगा यादव की ड्यूटी लगाई गई है। विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण-63 के लिए सुविधा केन्द्र साइंस ब्लाक भू तल कक्ष क्रमांक 05 में सहा. प्रा. शा.महा.उतई डॉ.सीमा अग्रवाल, सहा.प्रा.साईस कॉलेज डॉ.अंशुमाला चंदनगर, डा.एं.आ.सीएसवीटीयू सत्यप्रकाश मिश्रा, ओंकार कश्यप, नगर पालिक निगम सहा.रा.निरी. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, डा.एं.आ. वाणिज्यकर त्रिलोचनी आर्या, डा.एं.आ.भि.म.महा. कल्पना निहाल, भृत्य टोमन साहू की ड्यूटी लगाई गई है। विधानसभा क्षेत्र दुर्ग शहर-64 के लिए सुविधा केन्द्र साइंस ब्लाक भू तल कक्ष क्रमांक 06 में सहा.प्रा. शास.पालीटेक्नीक ममता अग्रवाल, सहा.प्रा.शा.मॉडल कॉलेज धनोरा श्वेता साव, व्याख्याता शिल्पी सिंह, सेजस खुर्सीपार सहा.ग्रे3 योगेश साहू, वाणिज्य कर विभाग सहा.ग्रे2 उषा कोशे, नगर पालिक निगम सहा.रा.निरी. शशिकांत यादव, डा.एं.आ. वाणिज्यकर लिलेश्वरी, भृत्य गजराज यादव की ड्यूटी लगाई गई है। सुविधा केन्द्र साइंस ब्लाक भू तल कक्ष क्रमांक 07 में सहा.प्रा. शास.पालीटेक्नीक डॉ. रचना सिंह, शा.वि.या.ता.महा.वि सहा.प्रा. डॉ. कुसुमांजली देशमुख, सेजस सहा.ग्रे.2 पप्पू लहरे, वाणिज्यकर सहा.ग्रे3 हेम रवि ठाकुर, न.पा.नि.सहा ग्रे3 तपन यादव, प्रशिक्षण अधिकारी निमेश दुबे, डा.एं.ऑ छ.ग.वि.त.वि. मनीष कश्यप, भृत्य शेख अब्दुल नावेद की ड्यूटी लगाई गई है।

गागर में सागर समर्पित है समाज के हर वर्ग के साथ युवाओं को : तिवारी

आचार्य डॉ. महेश चन्द्र शर्मा की पुस्तक पर हुई समीक्षा संगोष्ठी

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

आचार्य डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने संस्कृत साहित्य का विस्तार से अध्ययन और अध्यापन कर उसका सार इस पुस्तक में लिखा है। गागर में सागर में जीवनोपयोगी सूत्रों की सरल और व्यावहारिक व्याख्यायें की गई हैं। समाज के हर वर्ग के साथ युवाओं के लिये ये समर्पित हैं। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के लोकपाल डॉ.काशीनाथ तिवारी ने ये विचार व्यक्त किये। विगत दिनों वे विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा साहित्य मनीषी डॉ. महेश चन्द्र शर्मा की आठवीं पुस्तक गागर में सागर की समीक्षा संगोष्ठी के मुख्य अतिथि की आसन्दी से प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित कर रहे थे। मौके पर विशेष रूप से आमंत्रित एवं देश-विदेश के अनेक सफल सांस्कृतिक और शैक्षणिक भ्रमण कर चुके भिलाई के वरिष्ठ शिक्षाविद आचार्य डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। लेखन के अपने अनुभव साझा करते हुये आचार्य शर्मा ने कहा कि प्रायः ढाई सौ पृष्ठों की इस पुस्तक में मैंने अपने सुदीर्घ पठन-पाठन, शोध-लेखन और भ्रमण के जीवनोपयोगी निष्कर्षों को सरल और संक्षिप्त भाषा-शैली में रखने का विनम्र प्रयास किया है। यदि पाठक इससे लाभान्वित हुये तो मेरी कोशिश सफल और सार्थक होगी। संगोष्ठी का सफल संचालन करते हुए विभाग की संस्कृत विदुषी डॉ.पूर्णिमा केलकर ने लेखक डॉ.शर्मा की सराहना करते हुए उनकी सूत्र शैली को छात्रोपयोगी बताया। पुस्तक में प्रकाशित धर्म, संस्कृति, साहित्य,योग,संयम, देशभक्ति, व्यवहार ज्ञान, अहिंसा और सदाचार आदि पर लिखित ललित निबंधों की भी उन्होंने प्रशंसा की। शोधछात्रा नीलम श्रीवास्तव ने पुस्तक में आयीं वेद, रामायण, महाभारत, गीता एवं कालिदास साहित्य आदि से चुने हुये पद्यों की सर्वधर्म समभाव परक व्याख्याओं को समसामयिक और उपयोगी बताया। पुस्तक चर्चा से प्रभावित होकर अनेक अनेक लोगों की आशाओं को पूरा करते हुये प्रायः नौ शिक्षकों, शोधार्थियों और एम.ए.के विद्यार्थियों को लेखक द्वारा पुस्तकें निः शुल्क भेंट की गयीं। वे पठनोपरान्त समीक्षा लेख लिखेंगे। ज्ञातव्य है कि इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ एशिया का प्रसिद्ध विश्वविद्यालय है। देश-विदेश के अनेक विद्यार्थी यहां से कला और साहित्य का ज्ञान प्राप्त करते हैं। डॉ.शर्मा यहां के लिये अनेक वर्षों से, विशेष आमन्त्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत हैं। उन्होंने विगत वर्ष अपनी सभी दस पुस्तकें विश्वविद्यालय ग्रन्थागार को भेंट की थी विगत वर्ष उनकी पुस्तक साहित्य और समाज पर भी यहां संगोष्ठी आयोजित की गयी थी। इस कार्यक्रम में डॉ.शर्मा ने यह भी घोषणा की कि वे अपने स्मृति शेष दादा पं.मदन शर्मा के नाम से संस्कृत में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थी को नगद राशि से पुरस्कृत करेंगे। अन्त में संस्कृत विभाग की ओर से डॉ.पूर्णिमा केलकर ने आभार ज्ञापित किया।

पलायन मतदाता मतदान करने आएंगे अपने घर

घर आ जा संगी के तहत अब तक 1295 ने दी अपनी सहमति

दुर्ग। जिला प्रशासन द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत-प्रतिशत् मतदान करवाने हेतु विविध पहल किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला दुर्ग से पलायन किये हुए मतदाताओं को मतदान दिवस 07 मई 2024 को घर आकर अपने मतदान केन्द्र में मतदान करने हेतु व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर बी.के. दुबे ने बताया कि इस हेतु 'घर आ जा संगी' योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्त योजना में 03 जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन तथा 07 नगरीय परिषद एवं नगर पंचायत कुम्हारी, अमलेश्वर, अहिवारा, जामुल, धमधा, पाटन, उत्तई के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्र से पलायन कर दूसरे जिले एवं राज्य में कार्य कर रहे मजदूरों से फोन एवं वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क कर मतदान दिवस पर मतदान करने हेतु अपने गांव घर आने आग्रह किया जा रहा है। अभी तक जिले में 1309 पलायन मतदाताओं से संपर्क किया गया। जिले से 1295 पलायन मतदाताओं ने मतदान दिवस गांव घर आ कर मतदान करने हेतु अपनी सहमति दी है। जनपद पंचायत दुर्ग से 45, जनपद पंचायत धमधा से 583, जनपद पंचायत पाटन से 514, नगर पालिका परिषद कुम्हारी से 38, नगर पालिका परिषद अमलेश्वर से 18, नगर पालिका परिषद अहिवारा से 37, नगर पंचायत पाटन से 51 और नगर पंचायत उतई से 9 मजदूरों ने मतदान करने की सहमति दी है।

संपादकीय

विरासत कर विमर्श जारी

विरासत कर पर भारत में भले ही विमर्श जारी हो, पर इसे लागू करना आसान नहीं होगा। कांग्रेस द्वारा अनौपचारिक रूप से 'विरासत कर' के प्रस्ताव ने पूरे भारत में जिज्ञासा पैदा कर लोगों का ध्यान खींचा है। हालांकि, पार्टी ने कांग्रेस के विदेश अध्यक्ष सैम पित्रोदा की टिप्पणियों से स्वयं को अलग कर लिया है, पर उनके बयान ने भाजपा को कांग्रेस पर हमले का एक और मौका दे दिया है। जहां तक अमेरिका जैसी इस टैक्स व्यवस्था को लागू करने का सवाल है, इस मुद्दे से जुड़े विभिन्न आयामों का समग्र परीक्षण होना चाहिए जिसमें आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक आयाम शामिल हैं। अमेरिका में लंबे समय से विरासत पर कर लगाने की अवधारणा रही है, हालांकि इसकी अपनी जटिलतायें और विवाद हैं। ऐसे टैक्स को उचित ठहराने के अनेक तर्क हैं। पहला, संग्रहीत धन को लगातार पीढ़ियों तक बिना सार्वजनिक कल्याण के हस्तांतरित करने पर लगाम लगा कर यह संपत्ति-असमानता को संबोधित करता है। दूसरा, यह सरकार के लिए राजस्व का एक स्रोत है जिससे सार्वजनिक सेवाओं और पहलों की फंडिंग में आसानी होती है। लेकिन भारत में विरासत कर के क्रियान्वयन की अपनी विशिष्ट चुनौतियां हैं। एक प्रमुख चिन्ता संभवतः टैक्स बचाने के लिए अनौपचारिक अर्थव्यवस्थाओं तथा 'बेनामी संपदा' का वर्चस्व है। इसके साथ ही भारत के सांस्कृतिक व सामाजिक ढांचे में 'पारिवारिक संबंधों' तथा 'विरासत व्यवहारों' पर काफी जोर दिया जाता है। इसके साथ ही भारतीय कर व्यवस्था में अनेक प्रकार की लेवी हैं जिनमें आय कर, पूंजीगत लाभ कर तथा 2015 में समाप्त किया गया संपत्ति कर शामिल हैं। इसमें एक 'विरासत कर' और जोड़ने से जटिलता पैदा हो सकती है। ऐसा टैक्स लगाने की व्यावहारिकता पर भी सवाल उठते हैं क्योंकि यहां संपत्तियों के अनेक प्रकार तथा अनेक विरासती ढांचे हैं।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि भारत में लोकसभा चुनाव के समय 'विरासत कर' पर विमर्श कांग्रेस ने क्यों शुरू किया है, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इसके पूर्व रूप 'स्टेट ड्यूटी' को अपने पहले कैबिनेट फैसले से समाप्त कर दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया है कि उनके इस निर्णय से गांधी-नेहरू परिवार ने अपनी करोड़ों की संपत्ति पर टैक्स बचा लिया था, पर अब वह उसे आम मध्यवर्गीय लोगों पर थोपना चाहती है। कांग्रेस सैम पित्रोदा के बयान से आसानी से पल्ला नहीं झाड़ सकती है क्योंकि वे राजीव गांधी के प्रमुख सलाहकार रहे हैं तथा राहुल गांधी के 'मेंटर' हैं। कांग्रेस को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह अपनी 'खैरात बांटने' वाली योजनायें पूरी करने के लिए मध्य वर्ग पर फिर से टैक्स का भारी बोझ लादना चाहती है? प्रधानमंत्री मोदी के बयान में भले ही थोड़ी अतिरंजना हो, पर इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि अपने 138 साल के जीवन में 'मध्यमार्गी' तथा 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' की पैरोकार रही कांग्रेस आज 'अति-वामपंथी' व 'जातिवादी' शक्तियों के चंगुल में फंस गई है। कांग्रेस ने 'विरासत कर' का सवाल उठा कर यह आशंका पैदा कर दी है कि कहीं वह 'लाइसेंस-परमिट राज' फिर बहाल तो नहीं करना चाहती है, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने बड़े साहस के साथ इस सड़ी-गली विरासत से मुक्ति पाई थी। देश की युवा पीढ़ी, खासकर विदेशों में पढ़ने और रोजगार करने वाले युवा भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते सम्मान व आर्थिक शक्ति से अभिभूत हैं और उनको सरकार की आर्थिक नीतियों में पूर्ण विश्वास है। ऐसे में कांग्रेस निरर्थक मुद्दे उठा कर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार सकती है।

पंजाब से उद्योगों का पलायन

पंजाब सरकार में न केवल लंबे समय से कोई उद्योग नीति नहीं है, बल्कि वहां उद्योगों के लिए आवश्यक ढांचागत संरचना में लगातार गिरावट आई है।

अश्विनी महाजन
(लेखक, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)

स्वतंत्रता के बाद वर्ष 2011-12 तक पंजाब को भारत का एक अमीर व फलता-फूलता राज्य माना जाता था। वर्ष 2000-01 में पंजाब की प्रति व्यक्ति आय न केवल देश में सबसे अधिक थी, बल्कि यह भारत के दूसरे सबसे अमीर प्रदेश हरियाणा से 9 प्रतिशत अधिक थी। लेकिन वर्ष 2012-13 में पंजाब की प्रति व्यक्ति आय गिर कर दूसरे स्थान पर पहुंच गई और आज पंजाब प्रति व्यक्ति आय के विचार से एक करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में 19वें स्थान पर पहुंच गया है। इसके साथ ही वह अब देश के राज्यों में सबसे धीमी प्रगति करने वाला दूसरा राज्य है।

वर्ष 2011-12 में जब पंजाब प्रति व्यक्ति आय के विचार से देश में सर्वोच्च स्थान पर था, तब इसमें कृषि का हिस्सा 24 प्रतिशत, उद्योगों का 28.4 प्रतिशत तथा सेवाओं का 47.6 प्रतिशत था। लेकिन 2022-23 तक कृषि का हिस्सा बढ़ कर 28.94 प्रतिशत हो गया, जबकि उद्योगों और सेवाओं का हिस्सा गिर कर क्रमशः 25.51 प्रतिशत तथा 45.91 प्रतिशत हो गया। अनुमान लगाया जा सकता है कि पंजाब में उद्योग व सेवा क्षेत्र घटा। इसके उलट पड़ोसी राज्य हरियाणा की जीडीपी में उद्योगों का हिस्सा बढ़ कर 2011-12 और 2021-22 के बीच 25.90 प्रतिशत से बढ़ कर 28 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार गुजरात में उद्योगों का हिस्सा इसी कालखंड में 36 प्रतिशत से बढ़ कर 43 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 27.9 प्रतिशत से बढ़ कर 33 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार इस कालखंड में पंजाब में वि-औद्योगीकरण हो रहा था। हालांकि, पंजाब दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपनी जनसंख्या के विस्थापन के कारण स्वतंत्रता के बाद से ही लोकप्रिय है। बड़ी संख्या में पंजाबी अमेरिका, कनाडा, यूरोप व अनेक अन्य देशों में गए हैं। पंजाब को इन प्रवासी पंजाबियों से काफी लाभ भी प्राप्त हुआ है। प्रवासी पंजाबियों द्वारा विदेशों से भेजी धनराशि ने पंजाब में कृषि एवं उद्योगों के विकास में बड़ी भूमिका निभाई है। इसके कारण पंजाब में लंबे समय तक औद्योगिक विकास की लहर दिखाई पड़ी।

लेकिन पिछले काफी समय से पंजाब में औद्योगिक विकास न केवल ठहर गया, बल्कि बड़ी संख्या में उद्योगों ने पंजाब से बाहर पलायन शुरू कर दिया। पंजाब के उद्योग अब पड़ोसी हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, आदि में जाने लगे हैं। इसके साथ ही वे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व गुजरात, आदि सुदूर प्रदेशों में भी जा रहे हैं। पंजाब को खासकर इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए जाना जाता था, पर अनेक इंजीनियरिंग उद्योग अब अपने उत्पादों के उपयोगकर्ता राज्यों में चले गए हैं। दूसरी ओर, खेल उत्पादों का बड़ा केन्द्र माने जाने वाले जालंधर के अनेक खेल उद्योग अब उत्तर प्रदेश के मेरठ चले गए हैं। यह भी देखने में आया है कि टेक्सटाइल व गारमेंट उद्योग अब मध्य प्रदेश, साइकिल उद्योग चेन्ने और चीन तथा निटवियर उद्योग अफ्रीका, दक्षिणपूर्व एशिया और मध्य प्रदेश चले गए हैं।

पंजाब सरकार की नीतियां उद्योग-विरोधी हैं। पंजाब में आर्थिक दृष्टिकोण से कृषि को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन उल्लेखनीय है कि पंजाब की जीडीपी का केवल 28.94 प्रतिशत ही कृषि से आता है, जबकि राज्य की 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या प्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। भारतीय लोकतंत्र का एक दुःखद हिस्सा उसकी 'लोकरंजक नीतियां' हैं। पंजाब में इन लोकरंजक नीतियों ने पंजाब के आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। पांच नदियों का क्षेत्र पंजाब जल के मामले में बहुत समृद्ध रहा है। लेकिन पंजाब में आसानी से भूमिगत जल दोहन के कारण बड़ी संख्या में ट्यूबवेल लगाए गए। किसानों को खुश करने के लिए पंजाब सरकार ने कृषि के लिए 'मुफ्त बिजली योजना' शुरू की। इसके परिणामस्वरूप जल का अत्यधिक दोहन शुरू हुआ। इस कारण अब पंजाब के अनेक जिले 'डार्क जोन' में बदल गए हैं। इसका अर्थ है कि वहां भूमिगत जल की उपलब्धता में अत्यधिक कमी आई है। पंजाब सरकार द्वारा कृषि को मुफ्त बिजली देने की नीति ने न केवल भूमिगत जल की उपलब्धता को प्रभावित किया है, बल्कि इसका प्रभाव उद्योगों पर भी पड़ा है। पंजाब सरकार ने कृषि को दी जाने वाली मुफ्त बिजली का अधिकांश बोझ अब उद्योगों और बिजनेसों पर डाल दिया है। इसके कारण उद्योगों के लिए बिजली बहुत महंगी हो गई है। इससे अन्य प्रदेशों की तुलना में पंजाब के उद्योगों को घाटा उठाना पड़ता है। इससे उद्योगों की जीवन्तता पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उनके पास पंजाब छोड़ कर दूसरे प्रदेशों और यहां तक कि विदेशों में जाने के सिवा कोई और विकल्प नहीं बचा है। पंजाब के पर्यावरण कानून इतने कठोर हैं कि उनका पालन लगभग असंभव हो गया है। ऐसी स्थिति में उद्योगों के पास अपनी इकाइयां बंद करने या दूसरे राज्यों में जाने के सिवा कोई और रास्ता नहीं बचा है। केवल इतना ही नहीं, पंजाब में उद्योगों और बिजनेसों को पानी के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ता है जिसके कारण उद्योगों को घाटा होता है।

गुजरात, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, आदि राज्यों में तेजी से औद्योगीकरण और आर्थिक विकास का कारण ढांचागत विकास तथा अन्य सुविधायें हैं जिससे लाजिस्टिक खर्च घटता है। सभी जानते हैं कि पंजाबी अच्छे उद्यमी होते हैं और इसी कारण औद्योगिक व वाणिज्यिक विकास में पंजाब ने सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। लेकिन आज पंजाब उन राज्यों से प्रतियोगिता में सफल नहीं हो पा रहा है जहां लाजिस्टिक पर खर्च कम है तथा ढांचागत विकास में काफी प्रगति हुई है। उल्लेखनीय है कि हालिया वर्षों में पंजाब में ढांचागत संरचना की स्थिति बहुत खराब हुई है।

केवल इतना ही नहीं, जीएसटी व्यवस्था के क्रियान्वयन ने पंजाब के उद्योगों पर प्रभाव डाला है। पहले पंजाब सरकार परोक्ष करों की दरें कम रखती थी, लेकिन जीएसटी व्यवस्था के क्रियान्वयन के बाद राज्य-विशिष्ट राजकोषीय प्रोत्साहनों का दायरा बहुत कम हुआ है। इसके कारण पंजाब में उद्योगों की प्रतियोगी शक्ति अब अन्य राज्यों की तुलना में बहुत घट गई है। यदि कोई पंजाब में नया उद्योग लगाना चाहे तो उसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि अनेक अन्य प्रकार की अनुमतियों की आवश्यकता होती है जो बहुत कठिन काम है। इसके साथ ही उद्योगों के लिए भूमि का आबंटन बहुत कठिन है तथा इसमें भ्रष्टाचार व्याप्त है। इसके अलावा पंजाब का वित्तीय क्षेत्र भी गंभीर समस्याओं का शिकार है। पंजाब का अधिकांश कृषि कर्ज डूब गया है और इसके कारण पंजाब में एनपीए बहुत अधिक है। केवल इतना ही नहीं, पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति में तेजी से गिरावट आ रही है। इसका सबसे विनाशकारी प्रभाव पंजाब में उद्योगों पर पड़ रहा है।

पंजाब की समुद्र से बहत अधिक दूरी तथा लाजिस्टिक का भारी खर्च निर्यात की लागत बढ़ाता है। इसके कारण पंजाब के उद्योगों को बहुत लंबे रास्ते से अपना सामान भेजना पड़ता है। पहले वस्तुओं को पाकिस्तान से हो कर भेजा जा सकता था, पर अब यह रास्ता बंद होने के कारण वस्तुओं को समुद्रपार भेजने के लए मुंबई बंदरगाह का रास्ता अपनाना पड़ता है। इस स्थिति से निपटने के लिए अमृतसर में 'एयर कार्गो' सुविधा शुरू की गई थी, लेकिन इसके लिए सहायक प्रयासों की भारी कमी है। एयर कार्गो का उद्योगों के साथ बैक-लिंकेज न होने के कारण वर्तमान समय में एयर कार्गो सुविधा के केवल 20 प्रतिशत का ही उपयोग हो पा रहा है। जहां अन्य राज्य सरकारों ने उद्योगों को आकर्षित करने के लिए अनेक प्रोत्साहन दिए हैं, वहीं पंजाब सरकार के पास न केवल लंबे समय से कोई उद्योग नीति नहीं है, बल्कि उद्योगों के लिए आवश्यक ढांचागत संरचना में लगातार गिरावट आ रही है।

इसके साथ ही पंजाब में औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास गतिविधियों की भारी कमी है। औद्योगिक विकास की कमी के कारण पंजाब लगातार आर्थिक रूप से पिछड़ता जा रहा है। लेकिन अब सबसे अधिक चिन्ता की बात यह है कि पंजाब प्रशासन के पास इस विषय पर कोई विचार या नीतिगत पहल नहीं है। ऐसी स्थिति में यदि राज्य से उद्योगों के पलायन तथा उद्योग नीति की अनदेखी की यह प्रवृत्ति न रोकी गई तो पंजाब आर्थिक विकास में बहुत पीछे हो जाएगा। यह स्थिति पंजाब और पूरे देश के लिए अच्छी नहीं होगी।

बिहार में शैक्षणिक सुधार

कीयूर पाठक
(लेखक, प्रयागराज विवि में सह प्रोफसर हैं)

पिछले कुछ दशकों में अनगिनत मोर्चों पर बिहार सरकार की विफलता को खारिज नहीं किया जा सकता है, और विफलता का एक विशिष्ट उदाहरण शराब के खिलाफ बिना किसी उचित तैयारी और अध्ययन के बनाए गए कानून में देखा जा सकता है। इसके अलावा, ऐसे कई मुद्दे हैं जहां सरकार ने अपनी पर्याप्त कमजोरी का प्रदर्शन किया है जैसे कि ग्रामीण प्रवास, कृषि वगैरह। हालाँकि, सरकार द्वारा कुछ कदम उठाए गए हैं जिनकी बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के सराहना की जानी चाहिए, यह राज्य में शिक्षा के विषय पर पहल है। आज जब लगभग पूरे भारत में बाजार शिक्षा पर पूरी तरह कब्ज़ा करने पर तुला हुआ है(

ऐसे में इतने बड़े पैमाने पर शिक्षा को संरक्षण देने का राज्य का प्रयास एक बहुत ही साहसिक कदम माना जा सकता है। एक तरह से, यह राज्य द्वारा वैश्विक पूंजी का जवाब है। जब शैक्षणिक संस्थान सरकार के हाथ से निकलकर कॉरपोरेट के हाथों में जा रहे हैं, तब बिहार सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था पर किया जा रहा काम एक तरह से कल्याणकारी राज्य की वापसी जैसा है. स्वास्थ्य सेवाओं पर भी ऐसे प्रयास होने चाहिए। हालांकि, हाल के वर्षों में इसकी बड़ी शुरुआत दिल्ली में देखी जा सकती है जहां यह दावा किया गया कि सरकारी स्कूली शिक्षा को प्रतिष्ठित स्तर पर ले जाया गया है, और इस दावे से इनकार नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन बिहार में शिक्षा सुधारों के माध्यम से राज्य फिर से अपनी जन-सरोकारी भूमिका में, आंशिक रूप से ही सही, कुछ ही विषयों में दिखाई दे रहा है। बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में से एक है और यहां सामाजिक और आर्थिक असमानता भी चरम पर है. तब ऐसी स्थिति में शिक्षा को खुले बाज़ार में उतारने का आर्थिक विकास का मॉडल हाशिये पर पड़े लोगों को और भी हाशिये पर धकेल देगा।

यह हमेशा से एक ज्वलंत प्रश्न रहा है कि हाशिये पर पड़े वर्गों के शिक्षा के अधिकारों के लिए कितनी जगह बचेगी, जबकि अधिकांश निजी स्कूल पैसा कमाने वाले उद्योगों की तरह काम कर रहे हैं। और यह बात समझ लेनी चाहिए कि निजी स्कूल अपनी गुणवत्ता के कारण नहीं फलते-फूलते, बल्कि सरकारी स्कूलों की नाकामी उन्हें पैर पसारने का मौका देती है। दुर्भाग्य से, दशकों से राज्य द्वारा सरकारी स्कूलों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। और यह सब अनायास नहीं हुआ, बल्कि इसके पीछे वैश्विक पूंजी की सुनियोजित साजिश थी कि पहले सरकारी स्कूलों को खत्म कर दिया जाए और फिर निजी स्कूलों को स्वतः वैधता मिल जाएगी। एक तरह से समाज ने सरकारी स्कूलों से सारी उम्मीदें ही छोड़ दी है, मान लिया है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों का कोई भविष्य नहीं है। परिणामस्वरूप, सामाजिक मनोविज्ञान का विकास हुआ जिसने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता को एक गंभीर प्रश्न के रूप में नहीं लिया। यदि ऐसा किया गया होता तो सरकारों पर दबाव पड़ता और वे सरकारी स्कूलों में सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर काम करतीं, लेकिन ऐसा कम ही हुआ। बिहार सरकार ने सरकारी स्कूलों को फिर से राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा बना दिया है। हमने शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सरकार द्वारा किये गये कुछ कार्यों को देखा। उदाहरण के लिए, काफी समय से स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी थी, जिसे पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर शिक्षकों की भर्ती की गई। एक लाख से ज्यादा शिक्षकों की नियुक्ति सरकार की शिक्षा के प्रति सोच की गंभीरता को बताने के लिए काफी है. निस्संदेह इस पर बजट का बड़ा हिस्सा खर्च हुआ होगा. अगर इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो बिहार के स्कूल खंडहर में तब्दील हो गये थे. कौन सी इमारत कब गिर जाएगी, यह कहना मुश्किल था। बच्चों को अक्सर खुले मैदान या बरामदे में बैठने के लिए मजबूर किया जाता था। लेकिन इन सभी चीजों को ठीक करने के लिए सरकार ने बड़ी रकम आवंटित की. बच्चों के लिए किताबें, ड्रेस और बैग तथा पानी की बोतलों के साथ-साथ अन्य सामग्री का आवंटन न केवल उन्हें स्कूलों की ओर आकर्षित करता है, बल्कि माता-पिता के लिए वित्तीय बोझ भी कम करता है, खासकर उन लोगों के लिए जो खेत में मजदूरी करके मुश्किल से अपना जीवन यापन कर पाते हैं। शहरी संभ्रांत लोगों के लिए ये चीजें निरर्थक हो सकती हैं लेकिन ग्रामीण लोगों के लिए यह उनकी अपनी आय से वहनीय नहीं है।

हम सभी ने बच्चों को हाथ में धूल भरी पॉलिथीन में या फटे कपड़े (झोला) में किताबें ले जाते देखा था, लेकिन अब उनके हाथों में सुंदर बैग थे और उनके शरीर पर फटे अधनंगे कपड़ों की जगह वर्दी चमक रही थी। यह सर्वविदित तथ्य है कि वे बच्चों पर कितना कम ध्यान देते थे।

सरकार ने शिक्षकों को सख्ती से बच्चों के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदार होने के लिए बाध्य किया है, जो आसान काम नहीं था, वर्षों की सरकारी लापरवाही ने उन्हें अकर्मण्य बना दिया था। शिक्षा व्यवस्था में गहरी जड़ें जमा चुके भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए कुछ अन्य छोटे-बड़े प्रयास भी वहां देखे जा सकते हैं। एक प्रासंगिक पहलू जिस पर शायद अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है वह है मध्याह्न भोजन।

इसे सुचारू तरीके से और स्थानीय स्तर पर ही जारी रखने की अनुमति दी जानी चाहिए, किसी भी बाहरी एजेंसी के हस्तक्षेप से कई अन्य जटिलताएं पैदा होने की संभावना है। इन सभी उपलब्धियों के बीच सबसे बड़ी समस्या यह दिख रही है कि भविष्य में इस सुधार को कैसे जारी रखा जाए, क्योंकि इसके लिए अभी भी उचित तंत्र का अभाव नजर आ रहा है; और तंत्र के अभाव में सभी प्रयास और उपलब्धि निरर्थक साबित हो सकते हैं।

आप की बात

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

बंगाल में भ्रष्टाचार

ममता बनर्जी की निहित स्वार्थी राजनीति ने पश्चिम बंगाल में लाखों होनहार बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। नेतागीरी के बल पर अपनों की नियुक्ति कुछ दलों के लिए एक राजनीतिक परंपरा बन गई है। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला एक कलंक के रूप में सामने आया है। लोगों ने में लाखों रुपए देकर शिक्षकों की नौकरियां खरीदी थीं, लेकिन अब उनको प्राप्त किये वेतन की सरकारी वसूली का डर सता रहा है। हाईकोर्ट ने 26,000 शिक्षकों को बर्खास्त कर उनके द्वारा प्राप्त वेतन की वसूली का आदेश कमिश्नरों को दिया है। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली की तरह बंगाल भी भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है। राज्य के कई मंत्रियों का विभिन्न मामाले में जेल की हवा खाना यह साबित करता है कि वहां चयन प्रणाली किस सीमा तक भ्रष्टाचार की जद में है। कोर्ट द्वारा शिक्षकों की बर्खास्तगी के बाद अब चयन मंडल और अन्य संबंधित विभागों पर भी कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। हालांकि, ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है, पर इस फैसले से उनको चुनावों के बीच तगड़ा धक्का लगा है। संदेशखाली प्रकरण से भी स्पष्ट है कि बंगाल टीएमसी के चौतरफा गुंडाराज से त्रस्त है और इसका नतीजा चुनावी नतीजों में दिख सकता है।

– **अमृतलाल मारू,** इन्दौर

पित्रोदा का बयान

सैम पित्रोदा के विरासत में मिली संपत्ति में 55 परसेंट सरकार द्वारा ले लिए जाने के कानून का समर्थन करने के बाबत सुप्रीमकोर्ट में भी ऐसे एक मामले में बहस जरी है। हालांकि, कांग्रेस ने इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है, पर उसका इरादा नेक नहीं लगता है। वैसे सरकार को जीएसटी से भारी राजस्व मिल रहा है। विडंबना है कि पेट्रोलियम पदार्थों और शराब पर भारी टैक्स वसूलने के बाद भी अब कांग्रेस की नजर जनता के धन पर लगी है। एक ओर तो कांग्रेस किसी प्रकार सत्ता तक पहुंचने के लिए आसमान से तारे तोड़ लाने या सरकारी खजाना खोल देने जैसी बातें कर रही है, वहीं वह विरासत कर थोपने का विचार कर रही है। पित्रोदा का बयान ऐसे समय आया है जब कांग्रेस जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रही है और सत्ता में आने के लिए तड़प रही है। पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने कांग्रेस की गारंटियों पर व्यंग करते हुए कहा है कि ऐसी गारंटियां वही कर सकता है जिसे अपने सत्ता में आने का कोई विश्वास न हो। विरासती कर, संपत्ति के पुनर्वितरण तथा मुसलमानों को आरक्षण जैसी बातें कर कांग्रेस अपने वर्तमान और भविष्य, दोनों को संकट में डाल रही है। पित्रोदा जैसों को जमीनी हालात की जरा भी जानकारी नहीं है।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

गुकेश की उपलब्धि

भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि प्राप्त करने वाले वे दुनिया के सबसे युवा शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं उन्होंने गैरी कासपोरोव का 40 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया । अब वे वर्ल्ड चैंपियन को चैलेंज देंगे। इस जीत के बाद वे वर्ल्ड चैंपियन चीन के डिगं लिरेन से भिड़ेंगे। यह मुकाबला साल के आखिर में होगा। कासपोरोव ने 1984 में 22 साल की उम्र में रूस के ही अनातोली कारपोव को विश्व चैंपियनशिप के खिताब के लिए चुनौती दी थी। गुकेश यह टूर्नामेंट जीतने वाले विश्वनाथ आनंद के बाद दूसरे भारतीय हैं। पांच बार के चैंपियन विश्वनाथ ने 2014 में यह विश्व कप खिताब जीता था। गुकेश ने 12 वर्ष की उम्र में ग्रैंड मास्टर का खिताब जीता था। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने भी बधाई दी है। विश्वनाथ आनंद ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा है कि डी. गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर मुझे निजी तौर पर बहुत गर्व है। तुमने एक कठिन हालात में विजय प्राप्त की है। आज हमारा देश विश्व में सर्वाधिक युवाओं का देश है। ऐसे में गुकेश की उपलब्धि देश के युवाओं को न केवल शतरंज, बल्कि अन्य खेलों तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की निश्चित रूप से प्रेरणा देगी।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

प्रत्याशियों के भाग्य ईव्हीएम में कैद, 3 लेयर सुरक्षा में ईव्हीएम मशीनें, परिंदा भी नही मार सकता पर

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

शुक्रवार को छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण में कांकेर लोकसभा सहित राजनांदगांव और महासमुंद लोकसभा सीट पर मतदान संपन्न हुआ। तीनो सीटों में सर्वाधिक राजनांदगांव में 77.42 प्रतिशत, कांकेर में 76.23 प्रतिशत और महासमुंद लोकसभा सीट पर 75.02 प्रतिशत मतदान हुआ। वही कांकेर लोकसभा अंतर्गत सर्वाधिक मतदान सिहावा विधानसभा में 79.93 प्रतिशत हुआ, और सबसे कम मतदान गुंडरदेही विधानसभा में 74.40प्रतिशत हुआ है। बालोद जिले के तीनों विधानसभा संजारी बालोद, डौंडीलोहारा और गुंडरदेही में सर्वाधिक मतदान संजारी बालोद विधानसभा में 75.88 प्रतिशत हुआ है, तो वही डौंडीलोहारा (अजजा) में 74.93 प्रतिशत तो वही गुंडरदेही में 74.40 प्रतिशत मतदान हुआ। बालोद जिले के तीनों विधानसभा में कुल 75.05 प्रतिशत मतदान हुआ। वही चुनाव संपन्न होने के बाद अब ईव्हीएम में प्रत्याशियों के भाग्य कैद हो गए हैं। शुक्रवार देर रात तक स्ट्रांग रूम में मतदान दलों के लौटने का सिलसिला जारी रहा। वही मतदान दलों के वापस सकुशल लौटने तक और ईव्हीएम मशीनों को सुरक्षित रखने तक स्ट्रांग रूम में कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी मौजूद रहें। वही मतदान पूर्ण होने के पश्चात वापस स्ट्रांग रूम लौटने पर मतदान दलों के चेहरों में खुशिया नज़र आई। शत प्रतिशत मतदान दलों के लौटने के पश्चात कड़ी सुरक्षा में सभी ईव्हीएम को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा हैं। 3 लेयर सुरक्षा के बीच ईव्हीएम मशीनों को रखा गया है। 4 जून ईव्हीएम से नतीजे बाहर आएंगे।

पाकुरभाट में स्ट्रांग रूम किया गया सील

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत कांकेर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बालोद जिले में मतदान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मतदान के पश्चात सभी मशीनों को आने के बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल और राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पाकुरभाट स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। प्रशासन द्वारा स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रकांत कौशिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मतगणना 4 जून को होगी।

स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात

ग्राम पाकुरभाट स्तिथ लाईवलीवुड कॉलेज में बनाये गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में ईव्हीएम मशीनें रखी गई हैं। 3 लेयर सुरक्षा में ईव्हीएम मशीनों की निगरानी की जा रही है। 2 लेयर सुरक्षा में सीआएपीएफ के जवान स्ट्रांग रूम जे अंदर में तैनात है तो वही एक लेयर सुरक्षा में सीआरपीएफ के जवान स्ट्रांग रूम के बाहर तैनात हैं। सीआरपीएफ के कुल 75 जवान की टुकड़ी 3 भागों में निगरानी रखे हुए हैं। 25-25 जवान 3 शिफ्ट में कड़ी निगरानी कर रहे है। लाईवलीवुड कॉलेज के मेन गेट पर एक जवान राइफल लेकर तैनात है तो एक बाहर। वही स्ट्रांग रूम के पहले गेट में 3 से 4 सीआरपीएफजवान तैनात है, तो वही अन्य स्ट्रांग रूम में अंदर और कॉलेज के चारो तरफ तैनात है।

सबसे अधिक मतदाता गुंडरदेही विधानसभा में, लेकिन मतदान कम

कांकेर लोसकभा अंतर्गत सर्वाधिक मतदाता बालोद जिले के तीनों विधानसभा डौंडीलोहारा, गुंडरदेही और संजारी बालोद में हैं। कांकेर लोकसभा अंतर्गत गुंडरदेही विधानसभा में सर्वाधिक 2 लाख 44 हजार 377 एवं सबसे कम अंतागढ़ विधानसभा में 1 लाख 76 हजार 866 मतदाता हैं। बावजूद मतदान प्रतिशत के लिहाज से गुंडरदेही में सबसे कम 74.40 प्रतिशत और सबसे अधिक सिहावा विधानसभा में 79.93 प्रतिशत मतदान हुआ हैं। वही अंतागढ़ जहां मतदाता कम है वहां 74.99 प्रतिशत मतदान हुआ है।

फैक्ट फाइल- (लोकसभा)

कुल मतदाता कांकेर लोकसभा- 16,54,440
कुल पुरूष मतदाता- 8,0,9001
कुल महिला मतदाता- 8,54,421
कुल थर्ड जेंडर मतदाता- 18

कांकेर लोकसभा में 76.23 प्रतिशत हुआ कुल मतदान (आंकड़ा विधानसभा वार)

विधानसभा	पुरूष	महिला	थर्ड जेंडर	कुल	प्रतिशत
संजारी बालोद	85008	86364	0	171372	75.88 प्रतिशत
डौंडीलोहारा	80120	84454	0	164574	74.93 प्रतिशत
गुंडरदेही	92206	90125	2	182333	74.40प्रतिशत
सिहावा	75938	80156	1	156095	79.93 प्रतिशत
अंतागढ़	67703	65298	4	133005	74.99 प्रतिशत
भानुप्रतापपुर	75507	78914	0	154421	76.18 प्रतिशत
कांकेर	67784	72743	2	140529	76.95 प्रतिशत
केशकाल	77332	81441	1	158774	77.11 प्रतिशत
कुल	**621598**	**639495**	**10**	**1261103**	**76.23 प्रतिशत**

183 मतदान अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

मास्टर ट्रेनरों ने मतदान अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बताई बारीकीयां

कलेक्टर भी पहुँचे प्रशिक्षण में मतदान से जुड़ी बातें बतायी

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए नियुक्त पीठासीन अधिकारी सहित मतदान अधिकारी क्रमांक 01, क्रमांक 02 एवं मतदान अधिकारी क्रमांक-03 जो विभिन्न कारणों, स्वास्थ्य गत कारणों से या नाम विलोपित होने से पहले दिये गये प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं थे ऐसे 183 मतदान अधिकारी-कर्मचारियों को पीज़ी कॉलेज बेमेतरा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण 12 मास्टर ट्रेनरों ने दिया। प्रशिक्षण प्रातः 10.00 बजे शुरू हुआ जो शाम तक चला। मास्टर ट्रेनर दिलीप सिंह ठाकुर, पीला राम साहू, गिरजा शंकर शर्मा, मनोज कुमार वर्मा, के.आर. निषाद, गौकरण पाटिल, शोमेश्वर देवांगन, घनश्याम मंडले, रामवतार वर्मा आदि द्वारा सभी मतदान अधिकारीयों को अपने-अपने स्तर से अधिकारियों को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ ही ईव्हीएम तथा वीवीपैट मशीन का हैंड्सऑन प्रशिक्षण दिया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स डी आर साहू, जितेन्द्र बारले, सुनील झा उपस्थित थे। साथ ही उन्हें मतदान प्रक्रिया, ईव्हीएम सिलिंग, मॉक पोल, विभिन्न सूचना प्रपत्र आदि की भी विस्तार से जानकारी दी जा रही है। मास्टर ट्रेनरों द्वारा पॉवर प्रजेंटेशन के ज़रिए भी अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों कर्तव्यों एवं निर्वाचन के दौरान किये जाने वाले कार्यों की बारीकी से जानकारी दी जा रही है। विशेष परिस्थितियां उत्पन्न होने और उससे निपटने के गुण भी बताये गये। मतदान अधिकारियों को खास तौर पर ईवीएम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बैलेट यूनिट व कंट्रोल यूनिट के बारे में तकनीकी व व्यवहारिक जानकारी के बारे में बताया जा रहा है। कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने प्रशिक्षण की गतिविधियां देखी। उन्होने सभी मतदान अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़ी हर प्रक्रिया और प्रपत्र के बारे में गंभीरता से समझकर निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुरूप कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जो समझ में ना आये वह पूछे। शंका का समाधान भी कर ले ताकि गलती की कोई गुंजाइश ना रहे। आप सभी का दायित्व है कि अपने कर्तव्य का निर्वहन गंभीरतापूर्वक पूर्ण निष्ठा से करें जिससे निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित निर्वाचन प्रक्रिया संपादित हो सके। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुरूप स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हेतु अधिकारी-कर्मचारियों को आपसी तालमेल एवं सतर्कता से कार्य करने के लिए कहा 7 जिलाधीश ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जिन कर्मचारियों की पहली बार मतदान करवाने की ड्यूटी लगाई गई है तो ऐसे अधिकारी प्रशिक्षण में दी जा रही सभी नियमों का बेहतर तरीके से रखे, ताकि किसी भी प्रकार की गलती होने की संभावना न होने पाए।

85 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं ने किया घर से मतदान

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

लोकसभा निर्वाचन-2024 संसदीय क्षेत्र-7 दुर्ग के अन्तर्गत ज़िले की विधानसभा क्षेत्र 68 साजा, 69 बेमेतरा और 70 नवागढ़ 85 उम्र से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं जिन्होंने घर से मतदान करने के आवेदन दिये। उनका मतदान करने दल शुक्रवार को सबेरे मतदान दल राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के समक्ष। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के तहत कलेक्ट्रेट से रवाना हुआ। विधानसभा क्षेत्र 69 के 95 वर्ष के बुजुर्ग मतदाता जीवनधर दीवान, 90 वर्ष के लेखराम अग्रवाल और 88 वर्ष के बुजुर्ग मतदाता रामवतार शर्मा ने अपने घर से डाक मतपत्र के ज़रिए मतदान किया। उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। दीवान ने कहा कि पहली बार 1952 के चुनाव में वोट डाला था। तब की स्मरण ताजा किए। लेखराम अग्रवाल मतदाता ने बताया कि पिछले विधानसभा में वोट देने से चूक गये थे। अब मतदान कर अच्छा लगा। यही बात घर से मतदान करने पर बुजुर्ग मतदाता रामवतार शर्मा ने घर से मतदान करने पर आनंद आने की बात कही। निर्वाचन दल ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार पूरी प्रक्रिया कर बुजुर्ग मतदाताओं से मतदान कराया। पोटाई ने बताया कि होम वोटिंग के लिए 16 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें 85 उम्र से अधिक 14 बुजुर्ग मतदाताओं से और 2 दिव्यांग मतदाताओं के आवेदन है। होम वोटिंग के लिए संबंधित मतदाताओं के घर मतदान दल पहुँचा। उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन में सभी मतदाताओं की सहभागिता हो इसके लिए दिव्यांगजनों एवं 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठजनों को डाक मतपत्र की व्यवस्था की गई है। 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग व दिव्यांगजनों को उनकी सहमति अनुसार मतपत्र के माध्यम से मतदान करने की सुविधा दी गयी है। उसको सफलतापूर्वक मतदान कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्व एवं जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रहे है। पोटाई ने बताया कि अनिवार्य सेवा श्रेणी के मतदाताओं में स्वास्थ्य विभाग से 7 और प्रिंट मीडिया के 3 मतदाताओं से डाक मतपत्र से मतदान करने आवेदन मिले है। ये मतदाता संयुक्त ज़िला कार्यालय भवन कक्ष क्रमांक 5 (पी.वी.सी.) में 1 मई, 2 मई और 3 मई 2024 को मतदान करेंगे। समय प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक है।

दाढ़ी नगर पंचायत के सीएमओ के द्वारा गौठान चौक में प्याऊ घर खोला गया

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत सीएमओ श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कि जिला कलेक्टर रणवीर शर्मा के द्वारा निर्देशित किया गया है की सभी नगरी निकाय के सीएमओ को अपने-अपने क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। निर्देशों का पालन करते हुए द्विवेदी ने नगर पंचायत दाढ़ी में गौठान चौक में जिला सरकारी बैंक के पास शीतल पेयजल प्याऊ घर खोला गया है। इससे नगर के जनमानस और यात्रियों जन शीतल जल पीकर बहुत ही खुशी जाहिर किया। इस अवसर पर नगर के व्यापारी कमलेश अग्रवाल झमन संकल्प शर्मा चित्रेश मनोज धनु मरकाम सहित नगर पंचायत क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा के भोजराज नाग ने एक लाख तो कांग्रेस प्रत्याशी वीरेश ने 50 हजार मतों के अंतर से जीतने का दावा

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ की सबसे हाई प्रोफाइल सीटों में से एक कांकेर लोकसभा में शुक्रवार को मतदान संपन्न हुआ। अब चुनाव समाप्त होने के बाद और प्रत्याशियों के भाग्य ईव्हीएम में कैद होते ही प्रत्याशी अपनी अपनी जीत के दावे करने लगे है। दो प्रमुख पार्टी भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग ने जहां मोदी की गांरटी के भरोसे चुनाव लड़ा तो वही कांग्रेस प्रत्याशी वीरेश ठाकुर न्याय की 5 गांरटी और महंगाई समेत तमाम मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के नेता व कार्यकर्ताओ ने चुनाव में जमकर पसीना बहाया। भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के पक्ष में जहां केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं स्तर प्रचारक राजनाथ सिंह ने बालोद जिला मुख्यालय के सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में जनसभा को सम्बोधित कर भाजपा के पक्ष में वोट मांगा, तो कांग्रेस प्रत्याशी बिरेश ठाकुर के पक्ष में राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने संजारी बालोद विधानसभा अंतर्गत ग्राम हथौद में जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार प्रसार किया था। अब चूंकि कांकेर लोकसभा का मतदान संपन्न हो चुका है, और प्रत्याशियों के भाग्य ईव्हीएम में कैद हो चुके है। तो ऐसे में प्रत्याशी अपने अपने जीत के दावे कर रहा है।

दोनों प्रत्याशी ने किया जीत का दावा

नक्सल प्रभावित कांकेर लोकसभा में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान की प्रक्रिया संपन्न हुई। कही से भी शहरी और ग्रामीण इलाकों के मतदान केंद्रों में कहीं भी मतदान के दौरान किसी तरह की समस्या सामने नहीं आई। लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीरे ही सामने आई। जहां केंद्रों में मतदाता लंबी कतार लगाकर अपनी पारी का इंतजार कर रहे हैं, तो कोई अपनी बहू, नाती, तो कोई अपने बेटे व पोते के साथ मतदान करने पहुचें। शादी सीजन के चलते शुक्रवार को भारी शादियां हूई। दूल्हा दुल्हन ने भी सात फेरे लेने के पहले अपने मताधिकार का उपयोग किया। सुरक्षा के लिहाज से चप्पे-चप्पे पर पैरामिलिट्री फोर्स और स्थानीय पुलिस बल को तैनात रहें। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से कांकेर लोकसभा में कांकेर, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और केशकाल विधानसभा में सुबह 7 बजे से 3 बजे तक मतदान का समय रखा गया था, तो वही संजारी बालोद, गुंडरदेही, डौंडीलोहारा, और सिहावा विधानसभा में सुबह 7 से सिहम 6 बजे तक समय रखा गया था। तेज धूप और गर्मी के बावजूद भी रिकार्ड मतदान हुआ।

मोदी की लहर है : भोजराज

बीजेपी प्रत्याशी भोजराज नाग ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि कांकेर लोकसभा में भी पीएम मोदी की लहर है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि इस बार भारी मतों से वे चुनाव जीतेंगे, मोदी सरकार में जो 10 साल के काम हुए हैं और राज्य में बीजेपी की सरकार ने 4 महीनो में जो काम करके दिखाया है उससे जनता प्रभावित जरूर हुई हैं। लोगों बढ़-चढ़कर मतदान किया हैं, उन्होंने कहा कि यह वोट जरूर बीजेपी के पक्ष में जाएगा और 1 लाख मतों से हम जीत दर्ज करेंगे।

जनता इस बार सांसद बनाएगी : वीरेश

वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी वीरेश ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें दोबारा मौका दिया है और इस बार उन्होंने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है जिस तरह का माहौल कांकेर लोकसभा में देखने को मिल रहा हैं. यह जरूर कांग्रेस के पक्ष में जाएगा। वीरेश ठाकुर ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मात्र 6914 मतों के अंतर से उनकी हार हुई थी, लेकिन इस चुनाव में अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। वीरेश ठाकुर ने कहा कि 50 हजार मतों के अंतर से उनकी जीत होगी और कांकेर की जनता उन्हें जरूर इस बार सांसद बनाएगी। वही ईव्हीएम को लेकर भी वीरेश ने सवाल उठाए।

फार्मेट सी–7

(राजनैतिक दलों द्वारा समाचार पत्र, दल के सोशल मीडिया प्लेटफार्म और वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाने हेतु)

अभ्यर्थी के रूप में चयनित किए गए लंबित आपराधिक मामलों वाले व्यक्तियों से संबंधित सूचना और ऐसे चयन के कारण तथा बिना आपराधिक पूर्ववृत वाले अन्य व्यक्तियों को अभ्यर्थी के रूप में क्यों नही चुना गया, से संबंधित विवरण

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं.–536 में वर्ष 2018 की अवमानना याचिका (सिविल) सं. 2192 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 13 फरवरी 2020 के आदेश अनुसरण में जारी आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार).

राजनैतिक दल का नाम :– इंडियन नेशनल कांग्रेस
निर्वाचन का नाम :– लोकसभा चुनाव वर्ष–2024
राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम :– छत्तीसगढ़
(1) निर्वाचन क्षेत्र का नाम :– लोकसभा क्षेत्र कं.–07 दुर्ग
अभ्यर्थी का नाम :– श्री राजेन्द्र साहू

स.क.			
1	आपराधिक पूर्ववृत		
	क	अपराधों की प्रकृति	1. धारा–अज्ञात 2. धारा–147, 341 भा.दं.वि.
	ख	मामला संख्या	1. प्रकरण कं. 454/2009, थाना–सुपेला 2. प्रकरण कं. आरसीसी/5649/17
	ग	न्यायालय का नाम	1. थाना–सुपेला, भिलाई अंतर्गत प्रकरण विवेचनाधीन है 2. कुमारी दीपा सुचिता तिर्की, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, दुर्ग
	घ	क्या आरोप विरचित कर दिए गए है या नही(हां/नही)	नही है
	ङ	दोषसिद्धि की तिथि, यदि कोई हो	नही है
	च	भुगती गई सजा का विवरण, यदि कोई हो	नही है
2	अभ्यर्थी के चयन का कारण, चयन अभ्यर्थी की योग्यता, उपलब्धि और उसकी मेरिट को देखते हुए किया जाएगा न कि सिर्फ मतदान में विजय प्राप्त करने की क्षमता (100 शब्द से अधिक न हो)		जिस पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, उससे संबंधित कौशल संचार नेतृत्व, समस्या समाधान जैसे क्षेत्रों में दक्षता भी महत्वपूर्ण है। राजनैतिक प्रणाली के कामकाज का बेहतर ज्ञान मतदाताओं के बीच लोकप्रियता व्यापक स्तर पर लागों से अपील करने और जनता का समर्थन आकर्षित करने की क्षमता, विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के बीच संतुलन बनाए रखने की क्षमता, उम्मीदवार को पार्टी की विचारधारा मान्यताओं और मूल्यों के प्रति कटिबद्ध होने के कारण चुना गया है।
3	यह कारण बताएं कि बिना आपराधिक पूर्ववृत वाले अन्य व्यक्तियों को अभ्यर्थी के रूप क्यों नही चुना गया (100 शब्द से अधिक न हों)		पार्टी उम्मीदवार के चयन के लिये आंतरिक विचार विमर्श और बातचीत करती है। क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व जैसे कारक उम्मीदवार के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उम्मीदवार की पसंद मतदाता पर निर्भर करती है। उम्मीदवार के पास कांग्रेस के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवश्यक कौशल, अनुभव और समर्पण है। यह उम्मीदवार निर्वाचित क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव और प्रगति लाने की क्षमता रखता है और लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करेगा।

राज्य सभा या विधानसमा सदस्यों (एमएलए) द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् का अनुकरण कर रहे थाना प्रभारी भटगांव

पुलिस के अच्छे कार्य के लिए हो रही है नगर में चर्चा, प्रभार लेते ही कम समय में किया गया सैकड़ों कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ➤ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

नव निर्मित जिला सारंगगढ़ बिलाईगढ़ के हृदय स्थल में बसा नगर पंचायत भटगांव है जो पूर्व में हि विधान सभा, लोकसभा का ख्याति प्राप्त किया करता है वही नये जिला- सारंगगढ- बिलाईगढ़ का बनने के पश्चात भटगांव थाना का लगाम एएसआई अमृत भार्गव को अधिकारियों द्वारा सौप दिया गया है। जिस पर यह देखा गया कि थाना प्रभारी द्वारा विगत 10 वर्षों में जो कार्यवाही भटगांव थाना क्षेत्रान्तर्गत आज पर्यंत नहीं हुआ था उसका रिकार्ड तोड़ते हुए अमृत भार्गव द्वारा कार्यवाही किया गया है। ज्ञातव्य है कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ नवीन जिला के स्थापना के बाद पुलिस विभाग में निरीक्षक, उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक, आरक्षक की कमी का दंश पुलिस विभाग झेल रहे हैं। पूर्व में पुलिस अधिक्षक सारगंढ बिलासगढ़ से उक्त सबंध में चर्चा करने पर उनके द्वारा यह बताया गया था कि अधिकारी एवं स्टांप की कमी का पत्राचार लगभग 02-03 बार उच्च अधिकारियों के पास किया जा चुका है अर्थात आगे सभी थाना में पूर्णस्टाप का समायोजन किया जायेगा। नवीन जिला के प्रथम छोर में स्थित थाना बिलाईगढ़,भटगांव, सरसीवा स्थित है जहां यह देखने में आ रहा है कि करीब 10 से 12 माह तक पूर्ण रूप से स्टाप नहीं के समान है जिस पर नागरिकों की सुरक्षा व अपराध नियंत्रण पर प्रश्न का चिन्ह लग रहा है। वही भटगांव थाना अंतर्गत आश्चर्यचकित करने वाली बात यह देखा गया कि भटगांव थाना में सितम्बर 2023 से प्रभारी के रूप में अमृत भार्गव ए एस आई द्वारा प्रभार लिया गया उनके प्रभार लेने से आजपर्यन्त तक का कार्यवाही का आकडा आश्चर्यचकित कर देने वाली है उनके द्वारा शराब, जुआ, सट्टा एमव्ही एक्ट, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही में ताबड़तोड कार्यवाही किया गया है। क्षेत्र अवैध शराब बंद होते हुए नजर में आ रहा है।

आम नागरिकों से सामंजस्य स्थापित करते हुए लगातार शिकायत मिलते ही त्वरित कार्यवाही उच्च अधिकारियों के निर्देश से किया जा रहा है। लोगों से अपील है कि कही भी गैरकानुनी कार्य होते देखे जाने पर तत्काल संपर्क करे ताकि और अधिक कार्यवाही किया जा सके।

अमृत भार्गव
थाना प्रभारी भटगांव

तालाब में डूबकर बालक की मौत

रायगढ़। शहर के विजयपुर में स्थित तालाब में डूबने से एक बालक की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। उक्त मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आईटीआई कालोनी निवासी रोशन जयसवाल 16 साल गुरूवार की दोपहर वह अपने परिचित के यहां विजयपुर गया हुआ था। बालक अपने घरवालों को बोलकर निकला था कि वह घूमने जा रहा है।

देर शाम तक उसके वापस नही लौटने के बाद परिजनों ने युवक की पतासाजी की तो पता चला कि वह विजयपुर से वह बढी हुई गर्मी से निजात पाने तालाब की ओर नहाने गए उसके बाद से वह दिखाई नही दे रहा है। जिसके बाद परिजन उसे ढूंढते हुए तालाब के पास पहुंचे तो तालाब की पचरी पर उसका कपड़ा रखा था। आसपास खोजबीन किया गया जिससे बाद तालाब में तालाश की गई तो बालक तालाब में मिला। इस घटना की सूचना के बाद चक्रधरनगर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनसभा जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र में 28 व 30 को

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनसभा 28 व 30 को जांजगीर-चांपा लोकसभा के तीन अलग अलग विधानसभा मे जनसभा होगी जहाँ वे क्रमशः 28 को अकलतरा विधानसभा के ग्राम पहरिया मे एवं 30 को पामगढ़ विधानसभा के शिवरीनारायण मे विशाल जनसभा को संबोधित कर प्रत्याशी कमलेश जांगड़े के पक्ष मे प्रचार करेंगे। उनके आगमन को लेकर क्षेत्र के आमजन व कार्यकर्ताओ मे उत्साह का माहौल है मुख्यमंत्री साय अपने सहज सरल अंदाज से प्रदेश की जनता के बीच मे जाकर भाजपा के सभी ग्यारह लोकसभा प्रत्याशी के लिए भाजपा के कमल निशान पर बटन विजयी बनाने की अपील आमजनता से कर रहे है।

क्योकि तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बनाना है ताकि देश विकसित भारत बन सके विष्णुदेव साय के कार्यक्रम को लेकर पार्टी के नेताओ ने जनसभा के लिए उच्च स्तरीय तैयारी शुरू कर सभी प्रभारियो को अलग अलग जवाबदारी दे दी है।

मुख्यमंत्री के साथ मे अन्य अतिथि के रूप मे उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा अरूण साव, ओपी चौधरी टंकराम वर्मा खुशवंत साहेब गौरीशंकर अग्रवाल नारायण चंदेल सासंद गुहाराम अजगले कृष्णकांत चन्द्रा खिलावन साहु दिनेश जांगीड कमला पाटले गुलाब चंदेल सुभाष जालान सनम जांगडे धनीराम धीवर सौरभ सिंह संयोगिता जुदेव लीलाधर सुलतानीया प्रशान्त सिंह ठाकुर सहित हजारो कार्यकर्ताओ व आमजनता की उपस्थिति मे कार्यक्रम होंगे।

शिक्षिका के सूने मकान में लगी आग, दमकल कर्मियों ने आग पर पाया काबू

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

शहर की पुरानी बस्ती स्थित पैलेस रोड में शिक्षिका के सूने मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से सनसनी फैल गई। ऐन मौके पर पड़ोसियों द्वारा फायरब्रिगेड को सूचना देने पर दमकल कर्मियों ने रेस्क्यू कर जब आग पर काबू पाया, तब कहीं जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय वार्ड क्रमांक 20 में पुत्री शाला रोड पर सलूजा टायपिंग के पास शिक्षिका विनीता त्रिपाठी का मकान है। हालांकि, पिछले कुछ समय से मकान में कोई नहीं रहता है इसलिए बड़ी घटना होते-होते टल गई। लगभग 1 बजे उमेश कम्प्यूटर के संचालक ने अपने पड़ोसी त्रिपाठी के मकान में धुंआ उठते देख इसकी सूचना क्षेत्रीय पार्षद प्रभात साहू को दी। पार्षद प्रभात साहू ने मौके की नजाकत को भांप दमकल विभाग को दी। तदुपरांत, फायर ऑफिसर अनिल वैद्य के साथ फायरमैनों ने तत्काल घटना स्थल पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ पानी की बौछार मारते हुए बचाव कार्य शुरू किया तो खुलासा हुआ कि कचरे में लगी आग बन्द कमरे तक जा पहुंची थी और वहां रखे पुराने घरेलू सामानों को खाक कर चुकी थी।

बहरहाल, आधे घंटे तक रेस्क्यू के बाद जब आग की लपटें किसी तरह शांत हुई तो आसपास के लोगों की परेशानी कम हुई। तमनार के सरकारी स्कूल में सेवारत शिक्षिका विनीता त्रिपाठी की माने तो उनके सूने मकान में अग्निकांड से कोई खास आर्थिक नुकसान नहीं हुआ है। मोहल्लेवासी बताते हैं कि अलंकार टेडर्स के पीछे नाले के रास्ते कुछ नशेड़ी युवक वहां नशा करने जाते है। आशंका है कि उन्हीं लोगों द्वारा बीड़ी-सिगरेट पीने के बाद फेकने से घटना हुई होगी।

रिटायर्ड हेड मास्टर के घर से चोरी हुए टीवी के साथ आरोपी गिरफ्तार

चौकी खरसिया पुलिस ने आरोपी को भेजा रिमांड पर

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

पुलिस चौकी खरसिया की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर चोरी की टीवी बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे आरोपी सत्यम सागर पिता दरसराम सागर उम्र 32 साल निवासी खरसिया को हिरासत में लिया गया।

जिससे एलईडी टीवी के संबंध में पूछताछ करने पर सत्यम सागर ने 11 अप्रैल को जवाहर कॉलोनी खरसिया से टीवी चुराकर घर में छिपा कर रखना बताया। चोरी को लेकर रिटायर्ड हेड मास्टर दीपक कुमार बघेल निवासी वार्ड क्रमांक 3 जवाहर कॉलोनी खरसिया द्वारा पुलिस चौकी खरसिया में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वे वर्तमान में बिलासपुर में रहते हैं। उनके जवाहर कॉलोनी वाले मकान में भी आना-जाना है। 11 अप्रैल को मकान देखरेख करने वाले लड़के सोनू भारती ने बताया कि 11 अप्रैल की रात्रि मकान का दरवाजा तोड़कर घर में लगे एलजी कंपनी के 42 इंच टीवी को कोई चोरी कर ले गया है जिसे पता तलाश कर रहे थे।

पता नहीं चलने पर चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराये। चौकी खरसिया में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 457, 380 आईपीसी दर्ज किया गया था। विवेचना दरम्यान आरोपी सत्यम सागर से चोरी एलजी कंपनी टीवी कीमती 36000 रूपये का जप्त कर चौकी खरसिया पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। माल मुल्जिम पतासाजी में चौकी प्रभारी खरसिया उप निरीक्षक संजय नाग, प्रधान आरक्षक अशोक डनसेना, आरक्षक कीर्ति सिदार, सोहन यादव, मुकेश यादव, डमरूधर पटेल शामिल थे।

दो बाईक की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत

शादी समारोह में शामिल होनें जा रहे एक युवक की मौत एक अन्य हुआ घायल

रायगढ़। बीती रात दो मोटर सायकल के बीच आमने-सामने भिड़त की घटना में बाईक सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं अन्य घायल हो गया है। मृतक के भाई की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने सोल्ड बाईक सवार के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए पूरे मामले को जांच में ले लिया है। मामला छाल थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार छाल रायपारा निवासी अनवर राठिया ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह खेती किसानी का काम करता है। बीती रात उसका भाई अनिल राठिया अपने मोटर सायकल क्र. सीजी 13 ए जेड 2126 में अपने दोस्त दीपक बैगा के साथ छाल से नावापारा के रूखमण राठिया के यहां शादी में जा रहे रहे थे। रात्रि करीबन 1.30 बजे जब बाईक सवार दोनों युवक ग्राम नावापारा एसईसीएल रोड तालाब के पास पहुंचे ही थे कि नवापारा की ओर से आ रही सोल्ड मोटर सायकल के चालक भरत राठिया के द्वारा तेज एवं लापरवाही पूर्वक मोटर सायकल चलाते हुए अनिल की मोटर सायकल को जोरदार ठोकर मार दी। जिससे अनिल राठिया के सीना, सिर में चोट आने से बेहोश पडा था एवं मोटर सायकल के पीछे बैठा दीपक बैगा के बांया पैर के घुटना में चोट आया है। साथ ही साथ उनकी मोटर सायकल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना के बाद अनिल राठिया एवं दीपक बैगा डायल 112 वाहन से तत्काल छाल अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर प्रारंभिक जांच में ही अनिल को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के भाई की रिपोर्ट के बाद छाल पुलिस ने सोल्ड मोटर सायकल चालक भरत राठिया के खिलाफ धारा 279, 304 ए, 337 के तहत मामला दर्ज करते हुए पूरे मामले को जांच में ले लिया है।

पशुक्रूरता पर अंकुश लगाने कापू पुलिस की कार्रवाई, 7 आरोपियों को पशुक्रूरता मामले में गिरफ्तार कर भेजा रिमांड

रायगढ़। थाना प्रभारी कापू निरीक्षक नारायण सिंह मरकाम को ग्राम कमदढोढ़ी में कुछ व्यक्तियों द्वारा पास जंगल में कृषक मवेशी को मांस के लिए मार देने की सूचना मिली। थाना प्रभारी द्वारा एसपी दिव्यांग पटेल को सूचना से अवगत कराते हुए क्षेत्र के भ्रमण पर आए एडिशनल एसपी आकाश मरकाम एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी को बताया गया तथा एडिशनल एसपी व एसडीओपी के साथ मौके पर जाकर तस्दीक किये जिसमें 24 अप्रैल 2024 की रात्रि करीब 12 से 1 बजे गांव के मार्शल कुजूर (32 वर्ष), नोना कुजूर (35 वर्ष), जारसेल कुजूर (20 वर्ष), संतोष खेस(26 वर्ष), बबलू कुजूर (22 वर्ष), कार्तिक एक्का (22 वर्ष), संतराम मिंज (32 वर्ष) सभी निवासी कमदढोढी गोहेसिशलार, थाना कापू द्वारा आरोपित नोना कुजूर के मवेशी को मारने की जानकारी मिली। इस संबंध में प्रार्थी भुनेश्वर यादव निवासी ग्राम कमदढोढ़ी के लिखित आवेदन पर आरोपियों के विरूद्ध धारा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,5,10,11 एवं पशु क्रूरता अधिनियम 2004 की धारा 11 के तहत कार्रवाई कर आरोपियों गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पशुक्रूरता को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देशन पर थाना प्रभारी द्वारा क्षेत्र में ऐसे तत्वों पर निगाह रखी जा रही है, शिकायतों और सूचनाओं पर आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी।

शिक्षक के सुने मकान में घुसे चोर

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

अज्ञात चोरों ने शिक्षक के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नगदी रकम समेत हजारों रूपये के सोनें, चांदी के जेवरात की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उनकी पतासाजी में जुट गई है। मामला खरसिया चौकी क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार राधेश्याम डढ़सेना पिता स्व. बंशीधर डनसेना उम्र 61 वर्ष ने खरसिया चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह ग्राम सुखदा (डमरा) में शिक्षक है, करीब 03 साल से वह खरसिया में स्थित आदर्श कालोनी ग्राम महका योगेन्द्र वैष्णव के मकान में परिवार सहित किराये में रहता है। कुछ दिन पूर्व वह परिवार सहित गृह ग्राम में आयोजित रामसप्ताह यज्ञ में शामिल होने गया था। 24 अप्रैल की सुबह करीब 07 बजे योगेन्द्र वैष्णव ने राधेश्याम डनसेना को फोन करके बताया गया कि उनके मकान का दरवाजा टूटा हुआ है। जिसकी सूचना मिलते ही राधेश्याम डनसेना मौके पर पहुंचा तो देखा कि कमरे का आलमारी का लाकर टुटा हुआ था। घर का सारा सामान बिखरा हुआ था आलमारी के लाकर में रखे 02 नग सोने का इयरिंग वजनी करीब 02 ग्राम कीमती करीब 10 हजार, 01 नग सोने का लकेट वजनी करीब 02 ग्राम कीमती करीब 10 हजार, 01 नग सोने का नाक की नथनी वजनी करीब 01 ग्राम कीमती करीब 5 हजार, 03 जोडी चांदी का पायल वजनी करीब 10 तोला कीमती करीब 6 हजार, चांदी सिक्का 03 नग वजनी करीब 03 तोला कीमती करीब 18 सौ, चांदी की अंगुठी 01 नग वजनी करीब 01 तोला कीमती करीब 600 सौ रूपये, चांदी का बिछिया 04 जोडी वजनी करीब 01 तोला कीमती करीब 6 सौ रूपये, नगदी रकम 45 हजार रूपये नहीं था।

विधायक उमेश के प्रयासों से डैम से सिंचाई के लिए नहर में छोड़ा गया पानी, किसानों के चेहरे खिले

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री एवं खरसिया विधायक उमेश पटेल एक बार फिर से चर्चा में है क्योंकि उन्होंने इस बार धरतीपुत्रों की सहायता करके न केवल उनकी समस्या का निवारण किया है बल्कि अपने समर्पण और सेवा भाव से उनका दिल भी जीता है।

खरसिया विधानसभा के ग्राम आड़पथरा, पामगढ़ और नवागांव के किसानों ने सौ एकड़ से अधिक खेतों में धान, उड़द, और मूंग की खेती की है, लेकिन भीषण गर्मी के आते ही खेतों में सूखा आरंभ हो गया। आड़पथरा मांड नदी डैम के नहर में पानी की कमी के कारण खेत सूख रहे थे जिसके परिणामस्वरूप फसलों के नुकसान का खतरा बढ़ गया। इस मुश्किल समय में किसानों ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर विधायक उमेश पटेल को परेशानियों से अवगत कराया और पानी की किल्लत दूर करने डैम से नहर में पानी छोड़ने हेतु सार्थक पहल की गुहार लगाई। उमेश पटेल ने तत्काल सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों से सम्पर्क किया और डैम से नहर में पानी छोड़ने हेतु निर्देशित कर यह सुनिश्चित किया कि किसी भी किसान का फसल नुकसान न हो और उन्हें समय पर पानी मिल सके। अधिकारियों से चर्चा के बाद पटेल ने किसानों को सूचित किया कि अगले दिन सुबह डैम से नहर में पानी का बहाव शुरू हो जाएगा। उन्होंने इस बात की गांव में मुनादी भी कराई ताकि किसान चिंतित ना हो। मुनादी के बाद रात से सुबह होने की प्रतीक्षा कर रहे किसानों के मुरझाए चेहरे 25 अप्रैल की सुबह करीब आठ बजे खुशी से खिल उठे जब आड़पथरा डैम से नहर में सिंचाई हेतु पानी का बहाव शुरू हुआ। किसान अपने-अपने खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए जुट गए। पानी मिलते ही सूखे खेतों को राहत मिली वहीं किसानों के खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नहर में पानी आने के बाद ग्राम आड़पथरा, पामगढ़, नवागांव, बड़े डूमरपाली, चपले, सेन्द्रीपाली, कनमूरा, पंडरीपानी, बायंग सहित दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों के मुरझाए चेहरे खिल उठे और उन्होंने अपने नेता उमेश पटेल का आभार व्यक्त किया और उन्हें भागीरथ प्रयास के लिए धन्यवाद दिया।

अचानक मार्ग की तितली को 'राष्ट्रीय तितली' के रूप में चुना गया

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

क्या आप जानते हैं कि भारत ने 2021 में एक राष्ट्रीय तितली चुनी है? भारत में तितलियों की लगभग 1500 प्रजातियां हैं। कुछ भारतीय राज्यों ने अपने राज्य की तितलियों का नाम भी रखा है, लेकिन कुछ बरस पहले, पहली बार हुआ कि किसी राष्ट्रीय तितली का चयन किया गया है। 60,000 से अधिक वोटों के साथ, ऑरेंज ओकलीफ बटरफ्लाई के लिए एक शानदार जीत थी। यह असाधारण तितली छत्तीसगढ़ राज्य के अचानकमार टाईगर रिजर्व में अपनी मौजूदगी से इस बात का प्रमाण दे रही है कि उसके अनुकूल जंगल की आबो हवा है। अचानकमार में बड़ी संख्या में मौजूद इस छद्मभेषी तितली को देखना और कुदरत के करिश्में को करीब से महसूस करना किसी अजूबे से कम नहीं होता। यह तितली छलावरण में असली माहिर है। जब इसके पंख बंद हो जाते हैं तो यह रंग और आकार दोनों में एक मृत पत्ते के समान दिखाई देती है। यह शिकारियों से छिपने के साधन के रूप में इस भेस का उपयोग करती है और जब यह किसी पेड़ या पत्तों के कूड़े के बीच जमीन पर होती है, तो इसे पहचानना बेहद मुश्किल होता है। रंग में अंतर होता है और पंखों के नीचे का रहस्यमय पैटर्न एक तितली से दूसरी तितली में बहुत भिन्न होता है, जिससे शिकारियों के लिए इसे पहचानना और भी कठिन हो जाता है। इसकी नसें अक्सर गहरे रंग की होती हैं और पत्ती के केंद्रीय तने और शिराओं जैसी होती हैं। हालाँकि, इस रणनीति में एक खामी है। जब यह तितली धूप का आनंद लेने का निर्णय लेती है और अपने पंख खोलती है तो उसके ऊपरी पंखों पर अधिक चमकीले रंगों के कारण वह छिप नहीं पाती है।

इसका परिणाम यह होता है कि इस प्रजाति पर नियमित रूप से, विशेषकर पक्षियों द्वारा हमला किया जाता है।

कल्लिमा इनैचस- एक मजबूत उड़ने वाली और 60-90 मिमी पंखों वाली मध्यम-बड़ी तितली है। यह लैंगिक रूप से द्विरूपी है और मादा नर से बड़ी होती है, उसका रंग भिन्न होता है और अग्र शीर्ष पर एक लंबा बिंदु होता है। यह प्रजाति पॉलीफेनिक है और इसके स्वरूप में मौसमी भिन्नता होती है, गीले मौसम का रूप शुष्क मौसम के मुकाबले थोड़ा छोटा होता है। दोनों लिंग केवल कभी-कभार ही फूलों के रस के लिए जाते हैं और इसके बजाय पेड़ के रस और सड़ते फलों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। रस खाते समय वे आमतौर पर उल्टा बैठते हैं और इससे यह भ्रम बढ़ जाता है कि वे एक मृत पत्ती हैं। इसका सामान्य नाम इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां हैं लेकिन इसे ऑरेंज ओक लीफ या डेड लीफ बटरफ्लाई कहा जाता है। आपको बताते चलें कि वर्ष 2020 में देश में राष्ट्रीय तितली चुनने के लिए वोटिंग हुई। ऑनलाइन वोटिंग के आधार पर तितलियों की तीन शीर्ष प्रजातियों के प्रस्ताव को पर्यावरण और वन मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। वर्ष 2021 में वोटिंग के आधार पर ऑरेंज ऑकलीफ बटरफ्लाई को भारत की राष्ट्रीय तितली घोषित किया गया। भारत में कुल 1500 प्रकार की तितलियां पाई जाती हैं। देश के तितली विशेषज्ञों के समूह ने पिछले कुछ वर्षों में जंगलों, बागों आदि स्थानों पर तितली सर्वे शुरू किया था। लॉकडाउन के दौरान राष्ट्रीय पक्षी और पुष्प की तरह राष्ट्रीय तितली चुनने का विचार आया था। देश भर से आंकड़े एकत्रित करने के बाद तितली विशेषज्ञों की टीम ने आंतरिक मतदान द्वारा सात तितलियों की अंतिम सूची तैयार की थी जिसमें से एक तितली वोटिंग के आधार पर राष्ट्रीय तितली घोषित होनी थी। तितली विशेषज्ञों ने इसमें यह ध्यान रखा कि प्रजाति न तो विलुप्त हों और न ही साधारण। जिन चयनित सात प्रजातियों के लिए वोटिंग हुई उनमें कृष्णा पीकॉक, कॉमन जेज़बेल, ऑरेंज ओकलीफ, फाइव बार स्वॉर्ड टेल, कॉमन नवाब, यलो गोर्गन और नॉर्दन जंगल क्वीन का नाम शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य के अलग-अलग वन क्षेत्रों की जैव विविधता और वानस्पतिक महत्ता के अलावा वहां के जीव-जंतुओं की अपनी खासियत रही है। ऑरेंज ऑकलीफ बटरफ्लाई राज्य के कुछ ही वन क्षेत्रों खासकर बस्तर, सरगुजा के अलावा कवर्धा जिले के भोरमदेव वाइल्डलाइफ सेंचुरी में रिकार्ड की गई है। राज्य के वाइल्डलाइफ फोटो जर्नलिस्ट सत्यप्रकाश पांडेय की माने तो मुंगेली जिले के अचानकमार टाईगर रिजर्व क्षेत्र में ऑरेंज ओक लीफ तितली की संख्या काफी है जो यहां की प्रतिकूल जलवायु का परिणाम है। तितलियों की दुर्लभ और सामान्य प्रजातियों के लिए राज्य का अचानकमार टाईगर रिजर्व काफी सम्पन्न दिखाई देता है। यहां तितलियों की दुर्लभ प्रजातियों में ऑरेंज ऑकलीफ के अलावा कॉमन मैप, ब्लू मॉरमॉन, बैंडेड पीकॉक जैसी कई तितलियाँ शामिल हैं।

बंधक संपत्ति को छल पूर्वक गिरवी रखने के मामले में आरोपी को न्यायालय ने भेजा जेल

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोतवाली पुलिस द्वारा धोखाधड़ी के मामले में जमानत की शर्तो का उल्लंघन कर फरार हुये आरोपी को चालान के साथ न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय द्वारा आरोपित दिलीप खुशलानी पिता स्व. जयराम दास खुशलानी निवासी सिंधी कालोनी पक्की खोली तिलक स्कूल के पास चक्रधरनगर रायगढ़, जिला रायगढ़ का जेल वारंट जारी किया गया जिस पर आरोपित को जेल दाखिल किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार गांधीगंज रायगढ़ में रहने वाले सिध्दार्थ सांवरिया द्वारा 08 दिसंबर 2023 को थाना कोतवाली रायगढ़ में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराये कि इनका रायगढ़ में रेडिमेड कपड़ों की दुकान है, जहां से विजय खुशलानी निवासी सिंधी कालोनी पक्की खोली रायगढ़ नियमित रुप से रेडिमेड गारमेंट्स कपड़ा क्रय किया जाता था, अप्रैल 2023 तक विजय खुशलानी 40 लाख रुपये का रेडिमेड कपड़े उधार क्रय किया गया था, उधार रकम एक माह में भुगतान करना बताकर अदा नहीं किये। जब उसे उधार लिये गये रेडिमेड लौटाने को कहा गया, तब उसने कपड़ों के विक्रय राशि से सिंधी कालोनी वाले मकान के निर्माण में खर्च कर देना बताया। विजय खुशलानी ने अपने भाई दिलीप खुशलानी और विजय की पत्नी आरोही खुशलानी के साथ मिलकर उधारी रकम के एवज में अपना सिंधी कालोनी का मकान लिखापढ़ी कर सिध्दार्थ सांवरिया के पास बंधक रख दिये और तीनों ने उधारी राशि देने से बचने एवं हड़प जाने के उद्देश्य से बंधक सम्पत्ति को किसी अन्य व्यक्ति के पास भी बंधक रख दिये। थाना कोतवाली में आरोपियों के विरूद्ध धारा 420, 34 आईपीसी का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी विजय खुशलानी को 13 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार कर शपथ पत्र लेकर जमानत की शर्तों पर छोड़ा गया जिसके बाद आरोपी विवेचना में सहयोग ना कर अन्य आरोपियों के साथ फरार था। विवेचना दौरान 22 जनवरी को फरार आरोपी दिलीप खुशलानी (36 साल) को तथा 28 फरवरी को फरार आरोपी विजय खुशलानी गिरफ्तार कर प्रकरण में धारा 467, 468, 471 आईपीसी जोड़ा गया। आरोपिया आरोही खुशलानी के फरार रहने पर धारा 173(8) कार्रवाई कर आरोपित दिलीप खुशलानी के साथ चालान न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय द्वारा आरोपित का जेल वारंट जारी करने पर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी को जेल दाखिल किया गया है।

चिलचिलाती धूप, गर्मी मतदाताओं के उत्साह जोश के आगे पड़ी फीकी

पायनियर संवाददाता सरायपाली
www.dailypioneer.com

लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में जोरदार उत्साह नजर आया। अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए आम जनता सुबह से ही मतदान केदो में पहुंचने लगे थे। लोकतंत्र के इस महापर्व में दूल्हा दुल्हन भी शादी की रस्में बीच में रोक कर मतदान केंद्र पहुंचे। बुजुर्ग मतदाता भी मतदान के लिए उत्साहित दिखे। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत सरायपाली विधानसभा के मतदान केंद्रो में अभूतपूर्व उत्साह नजर आया।

छांव पानी की व्यवस्था

इस बार मतदाताओं को मतदान केंद्र में छांव पानी रैंप व अन्य पर्याप्त सुविधा की व्यवस्था की गई थी।

मतदान केंद्र में कई रोचक एवं प्रेरणादायक घटनाएं सामने आई

कहीं पोते दादा को मतदान के लिए लेते दिखे तो कहीं एक साथ तीन पीढ़ी ने मतदान किया। नगर पालिका एवं ग्रामों में ग्राम पंचायत के कर्मचारी सजगता से मतदान केंद्रो में मतदाताओं को सहयोग मार्गदर्शन करते दिखे। कुछ स्थानों में रेड क्रॉस, स्काउट गाइड के बच्चों को भी मतदान कार्य के दौरान पर्ची मिलन में सहयोग करते देखा गया।

नव विवाहित भी पहुंचे मतदान करने

इस बार चुनाव में महत्वपूर्ण बात यह रही की बड़ी संख्या में नव विवाहित एवं वर वधु द्वारा अपने मतदान केंद्र में पहुंचकर अपने मतदान का प्रयोग किया ।इस दौरान वर वधुओं ने अपने मताधिकार के महत्व को जानते हुए अपनी शादी समारोह के बीच सर्वप्रथम अपने मताधिकार का प्रयोग किया उसके पश्चात वह अपनी शादी की रस्म को पूरा करने विवाह मंडप में उपस्थित हुए।

दिव्यांगों बुजुर्गों के लिए विशेष व्यवस्था

इस चुनाव में प्रशासन द्वारा मतदान केंद्र तक आने-जाने में असमर्थ बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं का मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करने हेतु पुख्ता व्यवस्था की गई थी। इसके अंतर्गत प्रशासन द्वारा दिव्यांग रथ कि सुविधा का व्यापक प्रचार प्रसार कर इस सुविधा का लाभ लेने वाले मतदाताओं का पंजीयन किया गया था।

चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच हुआ मतदान

प्रशासन द्वारा किए गए चाक-चौबंद व्यवस्था के फल स्वरुप बिना किसी अवरोध के शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से सफलतापूर्वक मतदान संपन्न हुआ है। बेहतर मतदान सुनिश्चित करने हेतु निरंतर क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया मतदाताओं के उनके मताधिकार की जानकारी देने तथा मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु मतदान केदो को विभिन्न स्वरूपों में सुसज्जित किया गया था। जो लोगों के लिए खासा आकर्षण का केंद्र बना ।

अनेक मतदान केंद्रों में ईवीएम वीवीपीएटी हुए खराब घंटे प्रभावित रहा मतदान

मतदान के दौरान प्रातः 10 बजे से विभिन्न मतदान केदो के ईवीएम मशीन तकनीकी खराबी होने जानकारी सामने आई। जिसमें ग्राम बरिहापाली में मतदान होल्ड कर दिया गया। घंटों बाद मतदान प्रारंभ किया गया। वही ग्राम कोकड़ी में वीवीपीएटी मशीन दो बार तकनीकी खराबी के कारण कई घंटे मतदान प्रभावित रहा । दूसरा जिसके कारण धूप में मतदाताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दूसरा वीवीपीएटी लाकर मतदान प्रारंभ किया गया। वही बानीगिरोला, प्रेतेंडीह, केंदुढार में मशीन खराब होने की वजह से मतदाता परेशान रहे सभी वर्ग के लोगों ने मतदान करने के बाद सेल्फी जोन में जागरूकता का परिचय देते हुए फोटो खिंचवाए। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश अग्रवाल चेंबर ऑफकॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष ने अपने सपरिवार मंदिर स्कूल के मतदान केंद्र में मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का पर्व गांव, शहर, प्रदेश व देश को मजबूत बनाने का पर्व है। हर एक मतदाता का वोट गांव ,शहर ,प्रदेश के विकास के लिए है वह लोगों की सेवा के लिए पहली बार चुनावी मैदान में खड़े हुए हैं। वे लोगों की सेवा के लिए पहली बार चुनावी मैदान में खड़े हुए हैं। आगे उन्होंने कहा कि पार्टी वाले जो विकास कार्य नहीं कर पाए हैं। वह विकास कार्य वे जीतकर आते ही उसे करके दिखाएंगे। जिस तरह से उनके द्वारा प्रचार प्रसार किया गया है। और लोगों का अपार स्नेह व समर्थन प्राप्त हुआ है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि वे चुनाव जीतकर आएंगे। जीतकर आने के बाद वे लोगों के विश्वास में खरा उतरने की बात कही। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रूप कुमारी चौधरी हर्राटार निवासी ने अपने गुरुग्राम के मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया। लोकतंत्र को मजबूत बनाने उम्र के अंतिम पड़ाव में जगत नारायण अग्रवाल उम्र 84 वर्ष अपनी प ी गायत्री देवी अग्रवाल उम्र 79 के साथ माधवराव और सदाशिव राव गोलकर स्कूल में मतदान किया और सेल्फी जोन में फोटो भी खिंचवाए। बसना के पूर्व विधायक राजा देवेंद्र बहादुर सिंह शासकीय प्राथमिक शाला महलपारा के मतदान क्रमांक 130 में मतदान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्य शैली से मतदाता अप गए हैं देश में सरकार बदलने मतदाताओं ने ठान ली है इस बार महिलाओं के सम्मान के लिए उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व हर वर्ग के लोगों को ऊंचा उठाने किए गए घोषणा पत्र से महिला मतदाता सरकार बनाने ठान लिया है।

रियलमी ने केवल 9,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में सबसे तेज एंट्री-लेवल स्मार्टफोन, रियलमी सी65 5जी पेश किया

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

सबसे भरोसेमंद सेव प्रदाता, रियलमी ने अपनी चैंपियन सीरीज़ रियलमी सी सीरीज़ में रियलमी सी65 5जी लॉन्च किया। इस नए स्मार्टफोन में कई इनोवेटिव फीचर्स के साथ शानदार डिजाईन है, जो यूज़र्स को स्मार्टफोन का बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। रियलमी सी सीरीज़ अपनी आधुनिक फास्ट चार्जिंग, कैमरा टेक्नोलॉजी, और डिज़ाईन के लिए उद्योग में कई मानक स्थापित कर चुकी है। सी सीरीज़ का हर नया स्मार्टफोन चार महत्वपूर्ण क्षेत्रोंः चार्जिंग, कैमरा, स्टोरेज, और डिज़ाईन में बेहतरीन और आकर्षक अपडेट्स के साथ सेगमेंट का नेतृत्व कर रहा है। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, रियलमी में हम हर व्यक्ति को टेक्नोलॉजी की ताकत देना चाहते हैं। आज इनोवेशन के हमारे इस सफर का एक महत्वपूर्ण क्षण है, जब हम अपनी लोकप्रिय सी सीरीज़ में अत्याधुनिक स्मार्टफोन, रियलमी सी65 5जी लॉन्च कर रहे हैं। मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 5जी चिपसेट के साथ दुनिया के पहले स्मार्टफोन के रूप में रियलमी सी65 5जी अपनी बेहतर परफॉर्मेंस और आधुनिक फीचर्स द्वारा यूजर के अनुभव में परिवर्तन ला देगा। हमारी रियलमी सी सीरीज़ हमेशा से लोगों को इनोवेटिव टेक्नोलॉजी प्रदान करती आई है, और किफायती मूल्य में इतने आधुनिक फीचर्स के साथ इस सीरीज ने उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। अनुज सिद्धार्थ, डिप्टी डायरेक्टर, मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस, मीडियाटेक ने कहा, मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 5जी स्मार्टफोंस में तीव्र गेमिंग और बेहतरीन कैमरा क्वालिटी को सपोर्ट करता है। बैटरी लाईफ बढ़ाने के लिए इसमें टीएसएमसी 6एनएम-क्लास चिप होती है।

बॉयहुड प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, 'कृष्णा मोहिनी' का प्रीमियर 29 अप्रैल को होगा, और हर दिन शाम 7 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

जीवन के उथल-पुथल भरे हालातों से निकलना दूभर लग सकता है, जिसमें बाधाएं और अनिश्चितताएं हर उस कदम पर चुनौती देती हैं जो कोई व्यक्ति चुने हुए रास्ते पर उठाना चाहता है। ऐसे समय में, जीवन में किसी 'सारथी' का होने से समंदर के घोर अंधियारे में जहाजों को मार्गदर्शन देने वाले प्रकाशस्तंभ के समान बल मिलता है। 'कृष्णा मोहिनी' कृष्णा के जीवनयात्रा को प्रदर्शित करता है, जो सिस्टरहुड के भाव को दर्शाते हुए अपने भाई मोहन की 'सारथी' के रूप में हर तूफान का सामना करके उसे बचाती है। रूढ़ियों को तोड़ते हुए, उनका रिश्ता पारंपरिक भूमिकाओं से परे है, क्योंकि यह शो 'कृष्णा बहन का फर्ज ऐसे निभाएगी कि दुनिया में, राखी की परिभाषा बदल जाएगी' के अपने विश्वास के साथ भाई-बहन के रिश्ते के मूल को पुनः परिभाषित करने का वादा करता है। भाई और बहन के बीच इस प्यारे रिश्ते को प्रदर्शित करते हुए, कलर्स द्वारका की खूबसूरत भूमि और तटीय आकर्षण में सेट किए गए 'कृष्णा मोहिनी' को पेश करने के लिए तैयार है। कृष्णा के रूप में देबत्तमा साहा, मोहन के रूप में केतकी कुलकर्णी, और आर्यमन के रूप में फहमान खान अभिनीत, और सुशांत दास व निसपाल सिंह के बॉयहुड प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, 'कृष्णा मोहिनी' का प्रीमियर 29 अप्रैल को होगा और यह हर शाम 7:00 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा। वायकॉम18 के जनरल एंटरटेनमेंट के अध्यक्ष आलोक जैन कहते हैं, कलर्स में, हम उन महत्वपूर्ण कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे दर्शकों की भावनाओं से गहराई से जुड़ती हैं।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल का तेज हुआ चुनाव प्रचार

पायनियर संवाददाता भाटापारा
www.dailypioneer.com

रायपुर लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल का चुनाव प्रचार प्रसार इन दिनों शबाब पर चल रहा है छात्र जीवन से ही बृजमोहन का भाटापारा से जीवंत संपर्क रहा है और फिर विधायक एवं मंत्री बनने के बाद यहां वे हर कार्यक्रम में आते जाते रहे और यही कारण है कि यहां के कार्यकर्ताओं से भी उनका आत्मीय संबंध बना हुआ है और जब उनके रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बनने की खबर यह के कार्यकर्ताओं को मिली तभी से सभी कार्यकर्तगण उन्हें भाटापारा से ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने मानो कृत संकलपित हो गए है मंडलों में बैठकों का दौर चल रहा है, वर्तमान सांसद सुनील सोनी ने प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा के साथ कल ही संगठन एवं पार्षद दल की बैठक लेकर कार्यकर्ताओं से मतदान केंद्रों में जाकर पर्ची बाटने पर जोर दिया इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

ड्यूरोप्लाई ने शुभारंभ किट और डीलर सर्टिफिकेट्स से देश के 1,050 से अधिक प्रतिष्ठित डीलरों का सम्मान किया

शुभारंभ किट में पवित्र राम मंदिर की प्रतिकृति, रामचरित मानस और चरण पादुका है

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत की सबसे अनुभवी और प्रमुख प्लाईवुड कंपनियों में से एक, ड्यूरोप्लाई ने नये साल में अच्छी शुरूआत और तरक्की के प्रतीक 'शुभारंभ' वेलकम किट के साथ अपने डीलरों का स्वागत किया है। ड्यूरोप्लाई ने देश के 1,050 से ज्यादा प्रतिष्ठित डीलरों का सम्मान शुभारंभ किट और डीलर सर्टिफिकेट्स से किया है। शुभारंभ किट में पवित्र राम मंदिर की प्रतिकृति, रामचरित मानस और चरण पादुका थी। ड्यूरोप्लाई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अखिलेश चितलांगिया ने कहा, भगवान राम का जीवन सत्यनिष्ठा, कर्मठता और समानुभूति जैसे मूल्यों का उदाहरण देता है। उसी तरह ड्यूरोप्लाई में हम भी भगवान राम की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हैं और अपने प्रिय ग्राहकों को प्रीमियम प्लाईवुड देने का प्रयास करते हैं। अपनी उत्पादन प्रक्रिया में हम सत्यनिष्ठा को अपनाते हैं और कर्मचारियों, ग्राहकों तथा पर्यावरण के लिये समानुभूति दिखाते हैं। हमारे प्लाईवुड, ब्लॉकबोर्ड, डोर और लैमिनेट्स की श्रृंखला में मजबूती है, जो सुनिश्चित करती है कि हमारे प्रिय ग्राहकों के घरों की आंतरिक-सज्जा पीढ़ियों तक चलती रहे। उन्होंने आगे कहा, ड्यूरोप्लाई में हम हर दिन भगवान राम के कालजयी गुणों और धर्म के मार्ग पर चलने के लिये प्रतिबद्ध रहने का प्रयास करते हैं। इसीलिए हमने शुभारंभ किट की सामग्री को भगवान राम की शिक्षाओं और जीवन यात्रा के लिये अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के तौर पर चुना है। ड्यूरोप्लाई के प्रतिष्ठित डीलर भगवान राम के कालजयी मूल्यों और सद्गुणों को साझा करते हैं।

रेलवे सुरक्षा बल ने भाटापारा में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता भाटापारा
www.dailypioneer.com

स्थानीय पुलिस थाना भाटापारा द्वारा रेलवे सुरक्षा बल प्रभारी भाटापारा आरएस मिश्रा को सूचना दिया कि गाड़ी संख्या 18201 नवतनवा एक्सप्रेस से एक 376 भा.द.वि. के आरोपी जा रहा है जिसका स्थानीय पुलिस थाना छावनी अपराध कमांक 175/24 24.04.24 धारा 376 ए बी भा.द.वि. एवं 46 पास्को एक्ट का मामला कायम है। सूचना के आधार पर प्रभारी के आदेशानुसार सहायक उप निरीक्षक राजेशन कुर्रे, आरक्षक सदीप कुमार द्वारा गाड़ी संख्या 18201 नवतनवा एक्सप्रेस के भाटापारा आगमन पर दिए गए फोटो के आधार पर समय रहते चेक किया गया परंतु उक्त आरोपी का पता नही चला गाड़ी अपने गंतव्य के लिये रवाना हो गई। पुनः रेलवे स्टेशन भाटापारा प्लेटफॉर्म में पतासाजी तथा खोजबीन किया गया खोजबीन के दौरान फुट ओवर बीज के उपर एक संदेही व्यक्ति को फेटो के आधार पर पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम व पत्ता शुभम गुप्ता उर्फ विजय, वल्द राजेश गुप्ता उम्र 24 वर्ष, अम्बेडकर नगर वार्ड नं 21 केम्प सुपेला भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) का रहने वाला बताया। जिसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस थाना प्रभारी छावनी दुर्ग को दिया गया उनके दवरा आरोपी कि पुस्टि करने पर उक्त आरोपी को रेसुब पोस्ट माटापारा लाया गया। तथा उक्त आरोपी शुभम गुप्ता उर्फ विजय, को आरक्षक 647 त्रिलोक नाथ भाटी एवं आरक्षक 111 जीत नारायण यादव स्थानीय पुलिस थाना छावनी दुर्ग को रेसुब पोस्ट भाटापारा आने पर उन्हें सही सलामत आपके सुपुर्द किया गया।

फार्मेट सी-7

(राजनैतिक दलों द्वारा समाचार पत्र, दल के सोशल मीडिया प्लेटफार्म और वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाने हेतु)

अभ्यर्थी के रूप में चयनित किए गए लंबित आपराधिक मामलों वाले व्यक्तियों से संबंधित सूचना और ऐसे चयन के कारण तथा बिना आपराधिक पूर्ववृत वाले अन्य व्यक्तियों को अभ्यर्थी के रूप में क्यों नही चुना गया, से संबंधित विवरण

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं.-536 में वर्ष 2018 की अवमानना याचिका (सिविल) सं. 2192 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 13 फरवरी 2020 के आदेश अनुसरण में जारी आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार)

राजनैतिक दल का नाम :- इंडियन नेशनल कांग्रेस
निर्वाचन का नाम :- लोकसभा चुनाव वर्ष-2024
राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम :- छत्तीसगढ़
(1) निर्वाचन क्षेत्र का नाम :- लोकसभा क्षेत्र कं.-05 बिलासपुर
अभ्यर्थी का नाम :- श्री देवेन्द्र सिंह यादव

स.क.			
1	आपराधिक पूर्ववृत		
	क	अपराधों की प्रकृति	1. धारा-353, 186, 332, 427, 147 भा.दं.वि. 2. धारा-147, 427 भा.दं.वि. 3. धारा-147, 148, 188, 353, 332, 186 भा.दं.वि. 4. धारा-3, 04 एम.पी.एम.एल.ए. अधिनियम 2002. 5. धारा-7, 7ए पी.सी. अधिनियम 1988 एवं 420 120बी भा.दं.वि.
	ख	मामला संख्या	1. प्रकरण कं. 4884/2018 2. प्रकरण कं. 2158/2015 3. प्रकरण कं 681/2013 (नया नंबर-22283/2013) 4. प्रकरण क. 03/2023 5. प्रकरण कं. 3/2024 (EOW/ACB Under Investigation)
	ग	न्यायालय का नाम	1. रंजू वैष्णव, सप्तम सिविल जज, श्रेणी-2, रायपुर 2. अंकिता कश्यप, सिविल जज, श्रेणी-2, बिलासपुर 3. नेहा यती, सिविल जज, श्रेणी-1, रायपुर 4. अतुल कुमार श्रीवास्तव, एडीजे, विशेष जज(PMLA) रयपुर 5. EOW/ABC, रयपुर (विवेचनाधीन)
	घ	क्या आरोप विरचित कर दिए गए है या नही(हां/नही)	नही है
	ङ	दोषसिद्धि की तिथि, यदि कोई हो	नही है
	च	भुगती गई सजा का विवरण, यदि कोई हो	नही है
2	अभ्यर्थी के चयन का कारण, चयन अभ्यर्थी की योग्यता, उपलब्धि और उसकी मेरिट को देखते हुए किया जाएगा न कि सिर्फ मतदान में विजय प्राप्त करने की क्षमता (100 शब्द से अधिक न हो)		जिस पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, उससे संबंधित कौशल संचार नेतृत्व, समस्या समाधान जैसे क्षेत्रों में दक्षता भी महत्वपूर्ण है। राजनैतिक प्रणाली के कामकाज का बेहतर ज्ञान मतदाताओं के बीच लोकप्रियता व्यापक स्तर पर लागों से अपील करने और जनता का समर्थन आकर्षित करने की क्षमता. विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के बीच संतुलन बनाए रखने की क्षमता, उम्मीदवार को पार्टी की विचारधारा नान्यताओं और मूल्यों के प्रति कटिबद्ध होने के कारण चुना गया है।
3	यह कारण बताएं कि बिना आपराधिक पूर्ववृत वाले अन्य व्यक्तियों को अभ्यर्थी के रूप क्यों नही चुना गया (100 शब्द से अधिक न हों)		पार्टी उम्मीदवार के चयन के लिये आंतरिक विचार विमर्श और बातचीत करती है। क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व जैसे कारक उम्मीदवार के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उम्मीदवार की पसंद मतदाता पर निर्भर करती है। उम्मीदवार के पास कांग्रेस के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवश्यक कौशल, अनुभव और समर्पण है। यह उम्मीदवार निर्वाचित क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव और प्रगति लाने की क्षमता रखता है और लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करेगा।

राज्य सभा या विधानसभा सदस्यों (एमएलए) द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

एक प्रतिष्ठित साझेदारीः हाफले ने क्रिकेट दिग्गज सचिन तेदुंलकर को ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में स्वागत किया

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

100 साल से अधिक की अंतरराष्ट्रीय विरासत के साथ इंटीरियर सॉल्यूशंस सेगमेंट में एक ग्लोबल लीडर हाफले ने अपनी भारतीय सहायक कम्पनी के ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के साथ साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी दो विरासतों के एक साथ आने का प्रतीक है, जो अपनी सटीकता, गुणवत्ता और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'क्रिकेट के भगवान' के रूप में सम्मानित और 20 वर्ष के कैरियर में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दुनिया भर में पहचाने जाने वाले, तेंदुलकर उत्कृष्टता, अखण्डता और पूर्णता के लिए निरंतर प्रयास का प्रतीक हैं और उनके यही मूल्य जो हाफ्ले के साथ गहराई से मेल खाते हैं। एक ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में, सचिन ब्राण्ड के उद्देश्य को बढ़ाने, मैक्सिमाइजिंग द वैल्यू ऑफ स्पेस हाफले के साथ मिलकर सहयोग करेंगे। ग्राहकों को हाफले के अत्याधुनिक इंटीरियर समाधानों के साथ अपने स्थान का उच्चत्तम मूल्य के लिये प्रेरित करेंगे। सचिन का स्वागत करते हुए हाफले दक्षिण एशिया के प्रबन्ध निदेशक फ्रैंक श्लोएडर ने कहा हमारा मानना है कि हमारे ब्राण्ड के लिए सचिन बिल्कुल उपयुक्त हैं, खासकर खाना पकाने और अपनी रसोई में व्यंजन तैयार करने के उनके जुनून को देखते हुए। हमारे समकालीन आंतरिक समाधानों को सबसे आगे लाने और उनकी कुशल कार्यक्षमता, अत्याधुनिक तकनीक और प्रेणात्मक सौंदर्य को उजागर करने के लिए उनसे बेहतर कौन हो सकता है। उन्होने आगे कहा, इसके अलावा, उनकी दृढ़ता और विस्तार पर ध्यान हमारे ब्राण्ड वेल्यू के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। सचिन के साथ हम प्रेरणा और नवीनता की इस यात्रा को शुरू करने के लिए उत्सुक हैं, जिससे लोगों के मैक्सिमाइजिंग द वैल्यू ऑफ स्पेस में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। क्रिकेट जगत के सितारे सचिन तेंदुलकर ने अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, मैं हाफले के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हूं। हमने यह यात्रा इसलिए शुरू की, क्योंकि हमें लगा कि हमारी टीमों के बीच बहुत बढ़िया तालमेल है। मुझे भोजन और खाना पकाने का शौक है, और एक अच्छी रसोई ही हर परिवार को स्वादिष्ट खुशियाँ प्रदान करती है। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा युवा भारतीय अपने हर काम में सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रखते हैं, इसलिए वे ऐसे समाधान तलाशते हैं जो अग्रणी (अत्याधुनिक) हों।

राजनांदगांव लोकसभा में मतदान के आखिरी आंकड़ों ने बदली तस्वीर 2019 में 76.20% इस बार 77.42%

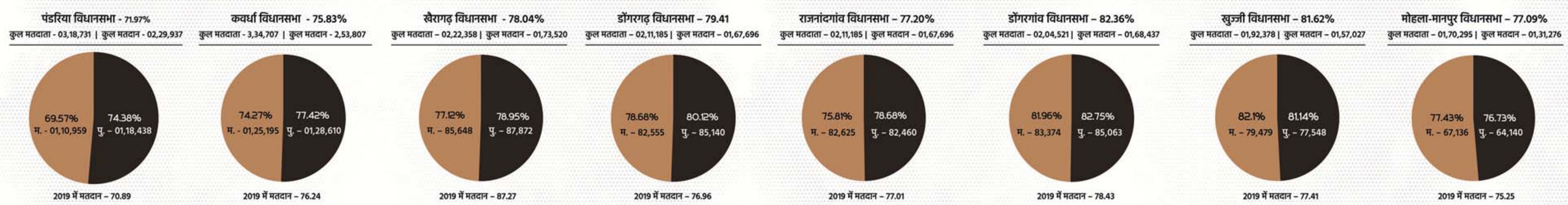

04,21,774 मतदाता पोलिंग बूथ तक नहीं पहुंचे, ये एक चौथाई से कुछ ही कम..कहीं महिलाएं तो कहीं पुरुष आगे रहे मतदान में

2019 में संतोष 01,11,966 वोटों से जीतेथे.. इस बारकुल मतदान में 01,39,215 ज्यादा वोट पड़े, ये हार-जीत के अंतर से भी 27 हजार ज्यादा

- पांच साल में संसदीय क्षेत्र में 01 लाख 79 हजार 374मतदाताओं की संख्या बढ़ी, कवर्धा-पंडरिया सबसे बड़ी विधानसभाएं

विक्रम बाजपेयी < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राजनांदगांव संसदीय चुनाव में मतदान के आखिरी आंकड़े आ गए हैं। 08 विधानसभाओं वाली इस लोकसभा में इसबार भी तकरीबन 04 लाख 21 हजार 774 मतदाताओं ने वोट नहीं डाले हैं। यह कुलमतदाताओं का एक चौथाई से कुछ ही कम है। 22.58 प्रतिशत लोगों ने चुनाव में प्रत्याशियों और मुद्दों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई। पिछले चुनाव में यह अंतर 21.04 था। इन्हीं मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक लाने निर्वाचन आयोग ने हर जिले में स्वीप अभियान के तहत मतदाता जागरुकता अभियान चलाया। संसदीय चुनाव में वर्ष 2019 से 2024 के बीच लोकसभा में मतदाताओं की संख्या 01 लाख 79हजार 374 बढ़ी है। 2019 के चुनाव में 03 लाख 81हजार 614 मतदाता पोलिंग बूथ से दूर रहे थे। तब 13 लाख 07 हजार 033 यानी 78.6 प्रतिशत मतदान हुआ था, कुल मतदाताओं की संख्या 16 लाख 88 हजार 647 थी।इस बार 18 लाख 68 हजार 021 में से 04 लाख 21 हजार 774 ने मतदान से दूरी बनाए रखी और 14 लाख 46 हजार247 लोगों ने वोट डाले।

पिछले हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट बढ़े : यह भी एक बड़ा आंकड़ा है कि इस बार के चुनाव में कुल 14 लाख 46 हजार 248 वोट पड़े हैं। वर्ष 2019 में हुए संसदीय चुनाव में कुल मतदान से 01 लाख 39 हजार 215 अधिक वोट इस बार डले हैं।इसकी तुलना इससे की जा सकती है कि 2019 में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे की जीत का अंतर 01लाख 11 हजार 966वोटों का था। कुलमिलाकर पिछले चुनाव में हार जीत के अंतर से भी 27 हजार 249 अधिक मतदाताओं ने वोटिंग की है।

सवा 7 लाख महिलाओं ने वोट किया चुनाव में इन्हें साधने की कोशिश हुई

इस बार कुल मतदान में 7 लाख 16 हजार 971 महिला मतदाता जबकि 7 लाख 29 हजार 271 पुरुष मतदाताओं ने वोट किया है। पिछले चुनाव में 6 लाख 63हजार 568 पुरुष और 6लाख 60 हजार 925 महिलाओं ने मताधिकारी का प्रयोग किया था। इस तरह वर्ष 2019 के चुनाव में 77.24 प्रतिशत पुरुष जबकि 74.26 प्रतिशतमहिलाओं ने मतदान किया था। वोटरों में महिला-पुरुष के मतदान की बात करें तो इस बार पुरुषों ने अधिक मतदान किया है। लेकिन महिला मतदाआताओं की ये संख्या भी काफी बड़ी है। गौरतलब है कि, इस लोकसभा चुनाव में दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल महिला वोटरों को साधने की कोशिशों में जुटी हुई है। कांग्रेस ने जहां महिलाओं को प्रति वर्ष एक लाख रुपए देने का वायदा किया है तो वहीं भाजपा महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह दिए जा रहे एक हजार रुपए के वायदे को निभाने के नाम पर वोट मांग रही है।

हर चुनाव में बढ़ता जा रहा भाजपा का वोट शेयर

वर्ष 2019 के चुनाव में संतोष पांडेय को कुल 6 लाख 60 हजार 965 वोट मिले थे, यानी कुल मतदान का 51.4 प्रतिशत। जबकि उनकी करीबी प्रतिद्वंदीकांग्रेस के भोलाराम साहू को 5 लाख 94 हजार 410 वोट हासिल हुए थे जो कि कुल मतदान का 42.8 प्रतिशत था। पिछले चुनाव के परिणामों पर नज़र डाले तो साल दर साल भाजपा को वोट शेयर इस लोकसभा में बढ़ता रहा है।

4 जून को आएंगे परिणाम

इस बार चुनाव के परिणाम आने में भी लंबा वक्त है। वर्ष 2019 में 11 अप्रैल को वोटिंग के बाद 23 मई को नतीजे आए थे। इस बार द्वितीय चरण में 26 अप्रैल को मतदान के बाद 04 जून को परिणाम सामने आएंगे। लगभग 40 दिनों तक लोगों को इसके लिए इंतजार करना होगा। मतदान पूरे होने के साथ ही जिला प्रशासन अपने दूसरे कामों में रफ्तार पकड़ेगा। जबकि विश्लेषक चुनाव परिणामों के आंकने का प्रयास करेंगे।

प्रथम मतदाता को पौधा भेंटकर किया सम्मानित

पायनियर संवाददाता < डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान कराने के लिए प्रशासन ने विभिन्न तरीकों से मुहिम चलाई। इसी से प्रेरित होकर 26 अप्रैल को मतदान दिवस नगर के मतदान केंद्र में वोट करने पहुंचे प्रथम मतदाता को भोज साहू पर्यावरण प्रेमी ने हर्रा का पौधा देकर सम्मानित किया। उन्होंने केंद्र के प्रथम मतदाता को पर्यावरण संरक्षण करने के लिए भी संकल्प दिलाया। इस संदर्भ में साहू ने मीडिया को बताया कि उनके द्वारा एक मतदाता को पौधे देकर सम्मानित करने का उद्देश्य अन्य लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करना है। दरअसल जिला प्रशासन ने जिले में शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा। इसे पूर्ण करने सभी को सहयोग देना चाहिए। इस मौके पर भोज साहू ने मतदाताओं को पुष्पा माला पहनाकर स्वागत किया।

भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे दो लाख से अधिक मतों से विजयी होंगे : भाजपा मीडिया सेल

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संतोष पांडे के दो लाख से अधिक मतों से विजयी होने का दावा भाजपा मीडिया सेल ने किया हैं। भाजपा मीडिया सेल प्रभारियों योगेश दत्त मिश्रा, अशोक लोहिया व अमर लालवानी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया कि लोकसभा के इस चुनाव में भीषण गर्मी व शादियों के जबरदस्त माहौल के बावजूद संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरे क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व मतदान से यह बात साफ हो गया है की लोगों ने एक बार फिर मोदी जी की गारंटी पर विश्वास किए और कांग्रेस की न्याय योजना को ठुकरा दिया। संसदीय क्षेत्र सुदूर ठेठ ग्रामीण अंचलों से लेकर शहरी व कस्बाई क्षेत्रों में मतदाताओं ने वोट डालने के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया मतदाता लंबी लाइनों में खड़े हो कर अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए। लोग स्वयं होकर मतदान केंद्रों में आकर वोट करते रहें व सेल्फ़ी जोन में सेल्फ़ी लेकर सोशल मीडिया में वायरल करते रहे जिससे लोगों में मतदान को लेकर उत्साह बरकरार रहा।

भाजपाइयों की अभद्रता बर्दाश्त नहीं, दर्ज हो अपराध : कांग्रेस

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

लोकसभा निर्वाचन 2024 में कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल जी को जिस प्रकार से पूरे संसदीय क्षेत्र की जनता ने हाथों-हाथ उठाए है क्योंकि भूपेश बघेल जी के प्रत्याशी घोषित होते ही भाजपाइयों में हताशा निराशा जो घर-घर गई थी वह आज मतदान के दिन भूपेश बघेल जी से भाजपाइयो द्वारा की गई अभद्रता से प्रमाणित भी हो गया ।कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल के साथ की गई अभद्रता एवं उनके रास्ते रोके जाने के मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं लोकसभा राजनांदगांव के प्रभारी शाहिद भाई, पूर्व खादी ग्रामोद्योग के सदस्य श्रीकिशन खंडेलवाल ,शहर कांग्रेस कमेटी लोकसभा चुनाव संचालक अध्यक्ष रमेश राठौर एवं राजनांदगांव लोकसभा के मीडिया प्रभारी रूपेश दुबे ने रिटर्निंग अफसर को ज्ञापन देकर संलिप्तों पर अपराध दर्ज करने की मांग की गई है।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने समवेत स्वर मे कहा कि दिनांक 26 अप्रैल मतदान के दिन कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बतौर प्रत्याशी बूथों के निरीक्षण के लिए वे टेडेसरा पहुंचे और बूथ क्रमांक 214, 15 ,16, 217 के अवलोकन परिसर के अंदर जाने के लिए अपने वाहन से उतरे। इसी बीच ग्राम के भाजपाईयों के द्वारा मोदी मोदी ,भूपेश बघेल मुदार्बाद जैसे आपत्तिजनक नारे बाजी शुरू करते हुए भूपेश बघेल को अंदर जाने से रोकने का प्रयास किया। उन्हें बाहर रहो जैसे शब्दो का प्रयोग किया गया।

बघेल द्वारा उन्हें समझाते हुए अपना परिचय पत्र भी दिखाते हुए कहा कि निर्वाचन में प्रावधान है कि प्रत्याशी बूथ के अंदर जाकर के अवलोकन कर सकता है यहां तक की स्थिति गंभीर निर्मित हो गई थी कि कांग्रेस प्रत्याशी के साथ अप्रिय घटना घटित होने की पूर्ण संभावना थी क्योंकि वहां पर सुरक्षा का भी पूर्णतः अभाव था। साथ ही साथ बूथ के आसपास नारेबाजी करना चुनाव प्रचार करना निर्वाचन नियमावली के विपरीत है और अभद्रता धक्का मुक्की जैसी हरकत को लोकतंत्र में स्वीकार नहीं किया सकता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भागवत साहू द्वारा सोमनी थाने में आवेदन दिए जाने के बाद भी अपराध दर्ज नहीं किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ने रिटर्निंग अफिसर को ज्ञापन के साथ वीडियो की पेन ड्राइव सौंप कर तत्काल अपराध दर्ज करने की मांग की है।

संतोष पांडे की हार सुनिश्चित : रुपेश

राजनांदगांव। लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने लोकसभा चुनाव संसदीय क्षेत्र राजनांदगांव में भूपेश इतिहास दोहराने आए है कि बात कह कर यह प्रमाणित कर दिया है कि संतोष पांडे की हार सुनिश्चित है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे ने कहा कि राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र का इतिहास है कि धरमलाल गुप्ता मोतीलाल वोरा जैसे प्रत्याशी दुर्ग से प्रथम बार में ही राजनांदगांव आकर अपनी जीत सुनिश्चित की थी। अब भूपेश बघेल दुर्ग से आकर चुनाव लड़ रहे है। साथ ही साथ राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र से जिस किसी भी संसद को दोबारा संसद का टिकट मिला है। उसकी हार सुनिश्चित हुई है। इस प्रकार से डॉ रमन सिंह ने यह वक्त व्य देकर एक तरह से अपनी मंशा साफ कर दी कि संतोष पांडे की हार सुनिश्चित है पिछले 5 वर्षों में जिस प्रकार से संतोष पांडे जी आम जनता के दूर रहे जिसके कारण उन्हें निष्क्रीय संसद का नाम आम जनता ने दिया।

दोनों ही संगठन मतदान का आंकलन और शिकायतों पर गौर करेंगे

40 दिनों की लंबी मियाद.. भाजपाई तीसरे चरण में जुटेंगे, कांग्रेसी को अभी आराम

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

तकरीबन डेढ़ माह के लंबे चुनावी अभियान के बाद अब भाजपा-कांग्रेस के नेताओं को सुस्ताने का मौका मिला है। उनके लिए 04 जून से पहले तक की मियाद इलेक्शन हॉलिडे के माफिक है। हालांकि वरिष्ठ भाजपा नेताओं को दूसरे संसदीय क्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाने की तैयारी है। जबकि कांग्रेस में अब माहौल ठंडा है। वरिष्ठ नेता हार-जीत के आंकलन के लिए आंकड़े खंगालने और लोगों से ओपिनियन जुटाने में भिड़ गए हैं।

चुनाव के बाद भी भाजपा ने आराम के लिए समय नहीं रखा है। मतदान संपन्न होने के साथ ही इस दौरान पार्टी के आंतरिक सर्वे, नेताओं के रिपोर्ट कार्ड तैयार किए जाने पर काम शुरु किए जाने की खबर है। वहीं प्रति बूथ दिए गए टास्क में कितनी सफलता मिली इसका आंकलन भी शुरु हो गया है। पार्टी का स्पेशल विंग इस डेटा को खंगाल रहा है। चुनाव के दौरान अपनाई गई रणनीति कहां और कितनी कारगर रही इसकी भी रिपोर्ट बन रही है। चुनाव अभियान के दौरान मिली आंतरिक शिकायतों पर भी जांच की बात सामने आ रही है। वहीं वरिष्ठ नेताओं को प्रदेश के तीसरे चरण के चुनाव में अलग-अलग जगहों पर जिम्मेदारी देकर भेजने की भी तैयारियां हैं। कुल मिलाकर भाजपा नेताओं को अभी आराम नहीं मिलने वाला है। हालांकि, मैदानी कार्यकताओं को एक लंबा समय बगैर किसी राजनीतिक गतिविधि के यूं ही परिणामों की उम्मीद और आंकलन में गुजारना होगा।

कांग्रेस संगठन की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रत्याशी होने के बावजूद संगठन में कई लापरवाहियां और कमजोरी की शिकायतें मिली है। इन्हें संगठन को देखना होगा। सेक्टर और बूथ में ढीली पकड़ को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा नाराजगी व्यक्त किए जाने की भी खबर है। राजनांदगांव विस से विधानसभा प्रत्याशी रहे गिरीश देवांगन, भूपेश के चुनाव अभिकर्ता थे। वे भी अपने स्तर पर नतीजों के आंकलन में जुटे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्र से रिपोर्ट मंगाई जा रही है।

20 कारतूस के साथ 12 बोर की बंदूक चोरी

- डोंगरगढ़ के स्टेट बैंक का मामला, खोजबीन जारी

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

डोंगरगढ़ में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से 12 बोर की दो बंदूक और कारतूस की चोरी का संगीन मामला सामने आया है। 24 अप्रैल की रात को हुए इस घटना की जानकारी अगले दिन ब्रांच के खुलने के बाद मिली। ब्रांच मैनेजर की शिकायत पर डोंगरगढ़ पुलिस ने अज्ञात चोर की खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस बैंक के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल रही है।

डोंगरगढ़ के स्टेट बैंक की शाखा के स्ट्रांग रूम के बगल में स्थित रूम में रखी बंदूक और कारतूस की चोरी होने की खबर से बैंक अमले में हडकंप मच गया। 24 अप्रैल की रात को अज्ञात चोरों ने हथियार को पार कर दिया। इसकी जानकारी मिलने के बाद ब्रांच मैनेजर सत्येन्द्र सिंह ने पुलिस से शिकायत की। संवेदनशील मामला होने के कारण पुलिस ने घटना को तत्काल जांच में लिया।

मैनेजर ने पुलिस को बताया कि हथियार की कीमत एक लाख 74 हजार 876 रुपए है। बंदूक के अलावा चोर ने 20 कारतूस भी चोरी कर लिया। इस संबंध में डोंगरगढ़ एसडीओपी आशीष कुंजाम ने बताया कि सीसीटीवी और सायबर सेल की मदद से चोरों की पतासाजी की जा रही है। आरोपी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पश्मीना रोशन की डेब्यू फिल्म पोस्टपोन

बालीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन की डेब्यू फिल्म पोस्टपोन होने की खबरें है। बताया जा रहा है कि फिल्म को थिएटर में रिलीज करने को डिस्ट्रीब्यूटर्स तैयार नहीं है। इश्क विश्क रिबाउंड इसी साल 24 जून 2024 को रिलीज होनी थी, जिसमें उनके साथ रोहित सराफ नजर आ रहे हैं। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है क्योंकि मेकर्स को इसके लिए डिस्ट्रीब्यूटर्स नहीं मिल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म को लेकर पेंडेमिक के दौरान अनाउंसमेंट हुई थी और इसे लेकर काफी चर्चा भी हो रही थी। अब मूवी बिजनेस को लेकर जिस तरह के हालात दिख रहे हैं ऐसे में इसे खरीददार मिलने में काफी चैलेंजेज का सामना करना पड़ रहा है। ये फिल्म पूरी तरह से तैयार होने के बावजूद भी इसे रिलीज करने में देरी हो रही है क्योंकि डिस्ट्रीब्यूटर्स इसे थिएटर में रिलीज करने को लेकर बिल्कुल इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे हैं। हाल ही में ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने इश्क विश्क रिबाउंड की रिलीज डेट अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था और पश्मीना का उत्साह बढ़ाया था। उन्होंने लिखा था– हमारी पशो के चमकने का वक्त लगभग आ ही गया है। इसी के साथ उन्होंने ढेर सारी रेड हार्ट इमोजी और लाफ्टर इमोजी भी शेयर की थी। उन्होंने एक लाइन और लिखी थी– मेरी लिट्स क्यूटलेट, अब और इंतजार नहीं कर सकती। हाल के समय में कई सारी फिल्मों का जो परफॉर्मेंस रहा है उसे देखकर एग्जिबिटर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स सतर्क रहना चाह रहे हैं। मेकर्स इसे ओटीटी पर दर्शकों के लिए परोसने से पहले सिनेमाघरों में लिमिटेड रिलीज का ऑप्शन चुन सकते हैं। हालांकि, इसी बातचीत में प्रड्यूसर रमेश तुरानी ने कहा– नहीं, बात ऐसी नहीं है, हमने पहले 28 जून की तारीख अनाउंस की थी लेकिन डीले दो गाने की वजह से हुई जिसकी शूटिंग पेंडिंग थी। हमारी पशो के चमकने का वक्त लगभग आ ही गया है

मुश्किल में फंसी तमन्ना भाटिया

महाराष्ट्र पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ ने महादेव ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप्लिकेशन के एक सहायक ऐप पर आईपीएल मैच देखने के कथित प्रचार करने के संबंध में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को समन किया है। अधिकारियों ने गुरूवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री तमन्ना को 29 अप्रैल को साइबर प्रकोष्ठ के अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि फेयरप्ले सट्टेबाजी ऐप पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच को देखने के लिए किए गए प्रचार के संबंध में तमन्ना भाटिया को तलब किया गया है। अधिकारियों ने इस संबंध में दर्ज कराई गई एक शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि साल 2023 में फेयरप्ले सट्टेबाजी ऐप पर कुछ आईपीएल मैचों का अवैध रूप से प्रसारण किया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में गवाह के तौर पर अपना बयान दर्ज कराने के लिए अभिनेत्री को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि साइबर प्रकोष्ठ ने पहले ही इस मामले में गायक बादशाह के, अभिनेता संजय दत्त और जैकलीन फर्नांडीज के प्रबंधकों के बयान दर्ज किए हैं। महादेव ऐप कथित अवैध लेनदेन और सट्टेबाजी को लेकर विभिन्न जांच एजेंसियों की जांच के दायरे में है। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया फिल्म 'बाहुबली' और नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम 'लस्ट स्टोरीज 2' के लिए प्रसिद्ध हैं।

कोई भी मदरहुड के लिए तैयार नहीं हो सकता: सोनम कपूर

बालीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर का कहना है कि वो हर दूसरी मां की तरह अपने बेटे के बेहद करीब हैं और बच्चे का ख्याल रखने के साथ–साथ काम पर भी ध्यान देने की कोशिश कर रही हैं। सोनम कपूर ने बताया कि नई मां होना उनके लिए कैसा है और उनकी अभी तक की जर्नी कैसी रही है।

सोनम कपूर से पूछा गया कि क्या मॉम गिल्ट एक असली चीज होती है और क्या आप खुद को मदरहुड के लिए सही में तैयार कर सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, कोई भी मदरहुड के लिए तैयार नहीं हो सकता। आप भले ही घर में रहने वाली मां हों या फिर कामकाजी मां। हर कोई मॉम गिल्ट से गुजरता है। भले ही आप घर में कपड़े धो रहे हों, किचन में काम कर रहे हों या फिर किसी के साथ इंटरव्यू कर रहे हों, वो गिल्ट हमेशा आपके अंदर रहता है।

कामकाजी मांओं के बारे में भी सोनम कपूर ने बात की।

सोनम से हमने ये भी पूछा कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी में क्या पॉजिटिव बदलाव आया है। इसपर उन्होंने कहा, मेरी जिंदगी में मां बनने के बाद ये पॉजिटिव बदलाव आया है कि अब मैं अपने जैसा ज्यादा महसूस करती हूं। मुझे उस पॉइंट तक पुश कर दिया गया था जहां मुझे खुद को अपनाना पड़ा, क्योंकि मेरी पूरी बॉडी बदल गई थी। मेरी सोच बदल गई और मैंने सोचा कि अब अगर मैंने अपने आप को नहीं अपनाया कि मैं कौन हूं, क्या हूं और मेरा शरीर कैसे बदल गया है, तो कभी नहीं अपना पाऊंगी। यही वक्त है मेरे समझने का नहीं तो मैं बहुत खराब जगह पर पहुंच जाऊंगी। तो मुझे खुद के साथ ओके होना सीखना पड़ा कि मैं कौन हूं और अपनी जिंदगी में कहां हूं। वर्किंग मांओं को लेकर चली आ रही स्टीरियोटाइप सोच को तोड़ते हुए सोनम ने कहा, कामकाजी मांओं के बारे में सबसे बड़ी धारणा ये है कि लोग सोचते हैं कि हमें अपने बच्चों की परवाह नहीं है और हम अपने काम की परवाह ज्यादा करते हैं। ये सच नहीं है। हम अपने बच्चों की इतनी परवाह करते हैं कि हमारा काम करने का मन करे। बता दें कि सोनम कपूर और आनंद आहूजा अपने बेटे वायु को पाकर बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने बेटे वायु को 22 अगस्त 2022 में जन्म दिया था। सोनम मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं।

कमल हासन ने कर दिया था जेंटलमैन में काम करने से इंकार

साउथ की फिल्म जेंटलमैन जो 1993 में आई थी, उसकी आलोचना इसलिए की गई थी क्योंकि इसमें एक ऊंची जाति के लड़के को मेडिकल सीट नहीं मिलने पर आत्महत्या करते हुए दिखाया गया था। इस बारे में कमल हासन ने खुलासा किया कि उन्होंने इसी कारण से फिल्म करने से इनकार कर दिया था। एक पुराने इंटरव्यू में कमल हासन ने दावा किया था कि वह ऐसी फिल्में नहीं करते जो उनकी विचारधारा से मेल नहीं खातीं। यह पूछे जाने पर कि इंडियन करते समय कैमरे के पीछे उन्हें कैसा महसूस हुआ, तो एक्टर ने कहा, अगर फिल्मों को लेकर मेरी राय और विचारधारा में मतभेद होता है तो मैं उस प्रोजेक्ट को करने से मना कर देता हूं और दूर हो जाता हूं। उदाहरण के लिए, शुरुआत में, शंकर की जेंटलमैन की कहानी एकदम अलग थी। यह एक ब्राह्मण लड़के के उग्रवादी होने के बारे में थी। मैंने कहा कि मैं ये नहीं कर सकता और मना कर दिया। मैंने उनसे कहानी बदलने के लिए भी कहा था। और वह ऐसा करने भी जा रहे थे। बाद में मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने ऐसा किया। इंटरव्यू में कमल हासन ने 90 के दशक की अपनी दूसरी हिट फिल्म इंडियन के बारे में भी बात की। एक्टर ने खुलासा किया कि उन्हें फिल्म से भी दिक्कत थी, लेकिन उन्होंने कहा कि लोगों ने इसे पूरे दिल से अपनाया। जहां तक इंडियन का सवाल है, यह उन समस्याओं से संबंधित है जिनका मैंने अपने वास्तविक जीवन में सामना किया था। विचारधारा से जुड़े बगैर, आप कोई फिल्म नहीं कर सकते। खासकर तब और मुश्किल हो जाएगा, जब आप सुबह 4 बजे उठकर, बिना खाए शूटिंग पर जाएंगे। जो फिल्म आपको पसंद नहीं है उसके लिए आप वो सब नहीं कर सकते। हालाँकि फिल्म को लेकर मेरे कुछ मुद्दे थे, लेकिन मुझे यकीन था कि लोग इसे स्वीकार करेंगे। मैंने पाया कि फिल्म में फासीवाद की आवाज बुलंद थी। इसके अलावा, मुझे फिल्म पसंद है। यह फिल्म कई नागरिकों का एक सपना है–एक उम्मीद है कि इस तरह का न्याय संभव है। बता दें कि साउथ डायरेक्टर शंकर की जेंटलमैन और अन्नियन बॉक्स ऑफिस पर तो हिट साबित हुई, लेकिन ज्यादा लंबे समय तक थिएटर में नहीं रही। सालभर में, दोनों फिल्मों को आलोचना का सामना करना पड़ा है।

लौट रही है फिल्म भूल भुलैया–3

फिल्म भूल भुलैया 3 एक बार फिर लौट रही है। बहुचर्चित हॉरर-कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म को डराने और हंसाने का काम करेगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। भूल भुलैया 2 में विद्या बालन नहीं थीं, लेकिन भूल भुलैया 3 में विद्या बालन भी वापसी करने जा रही हैं। इस फिल्म को लेकर यह भी चर्चा चल रही है कि शायद फिल्म में माधुरी दीक्षित और विद्या बालन के बीच डांस फेस ऑफ देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन के बीच यह डांस फेस ऑफ अमी जे तोमार गाने पर देखने को मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म मेकर्स इन दो एक्ट्रेस के बीच डांस फेस ऑफ कराने का प्लान कर रहे हैं। भूषण कुमार और उनकी टीम विद्या बालन और माधुरी दीक्षित पर फिल्माए जाने वाले अमी जे तोमार गाने की एक नई प्रस्तुति पर काम कर रही है। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक होता है, तो टीम इस डांस नंबर को आने वाले महीने में शूट करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

रिपोर्ट की मानें तो विद्या बालन का इस फिल्म में अमी जे तोमार पर डांस करना तय है। वहीं, मेकर्स माधुरी दीक्षित का विद्या बालन के साथ डांस फेस ऑफ कराने पर चर्चा कर रहे हैं। इस पर अंतिम फैसला जल्द लिया जाएगा। भूल भुलैया 3 इस साल दिवाली के समय रिलीज हो सकती है। भूल भुलैया 2 में दर्शकों का दिल जीतने के बाद, कार्तिक आर्यन भूल भुलैया 3 में भी लीड रोल में नजर आएंगे।

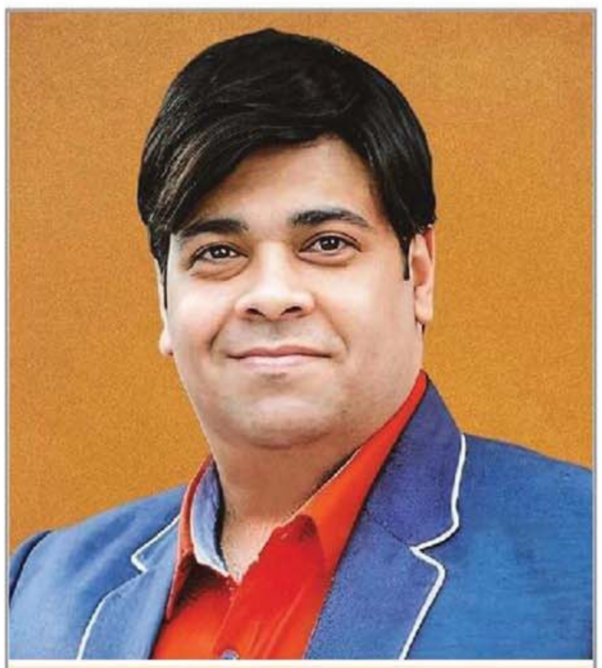

कपिल की लीडरशिप कमाल की है : कीकू शारदा

मशहूर कामेडियन कपिल शर्मा के साथ मिलकर कीकू शारदा ने लगातार जनता को कॉमेडी का सॉलिड डोज देना जारी रखा है। अब जब कपिल का शो नेटफ्लिक्स के जरिए 190 से ज्यादा देशों में जा रहा है, तब भी कीकू उनके साथ हैं और अब अलग–अलग किरदारों के साथ शो पर शेफ धनिया लाल का किरदार निभाते दिखते हैं। अब कीकू ने शो और कपिल शर्मा को लेकर बात की है।

उन्होंने कहा कि कपिल की लीडरशिप कमाल की है। वो मौका आने पर अपने टीम मेंबर्स को चमकने देते हैं और खुद पिछली सीट पर बैठ जाते हैं। एक बातचीत में कीकू से पूछा गया कि जब टीम के मेंबर्स एक दूसरे पंच मारते हैं तो कहीं पर किसी का ईगो कभी बीच में नहीं आता? तो कीकू ने कहा कि कपिल हमेशा उनके आईडिया से कंफर्टेबल रहे हैं। उन्होंने बताया, स्क्रीन पर भी जब आप मुझे कपिल पर कोई करारा जोक मारते देखते हैं तो कपिल उससे बहुत कम्फर्टेबल होते हैं। हमारा रेपो बहुत कम्फर्टेबल है। वो मुझे जानते हैं, हम कई सालों से साथ काम कर रहे हैं। मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। कीकू ने बताया कि बहुत लोग उन्हें आकर कहते हैं कि वो अपना शो शुरू कर दें, मगर उन्हें नहीं पता कि एक शो चलाने में कितना काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वो 10–15 मिनट के एक्ट के लिए कैरेक्टर्स और ह्यूमर पर बहुत मेहनत करते हैं। लेकिन कपिल को जो काम करना पड़ता है वो बहुत ज्यादा भारी है।

उन्होंने कहा, कपिल को एक पूरा एपिसोड करना पड़ता है जो एक–डेढ़ घंटे चलता है, गेस्ट से बात करते हुए। और उसमें भी एक लाइन है जो क्रॉस नहीं करनी होती। जब जरूरत हो तो आपको ह्यूमर भी लाना पड़ता है और जब जरूरत पड़ती है तो बैक सीट भी लेनी पड़ती है। कपिल ये बहुत आसानी से करते हैं। ये आसान काम नहीं है। और ये उतना आसान नहीं है जितना लगता है। कीकू ने कहा कि कपिल जो करते हैं वो एक बहुत सिक्योर आदमी ही कर सकता है। कई बार जब वो परफॉर्म कर रहे होते हैं तो कपिल सोफे के पीछे खड़े हो जाते हैं ताकि उन्हें पूरा स्टेज मिल सके। कीकू ने कहा, हमने ये फॉर्मेट 2013 में शुरू किया था और ये अभी भी कामयाब है। सबको पता होता है क्या हो रहा है और सब अपने फील्ड में अच्छा कर रहे हैं। ये एक खूबसूरत कॉम्बिनेशन है। ईगो की लड़ाई की वजह से बहुत से शोज खत्म हो जाते हैं। हम अपने 11वें साल में अभी भी बने हुए हैं इसका मतलब कुछ तो है जो काम कर रहा है। सुनील ग्रोवर, जो बीच में कपिल के शो से अलग हो गए थे, फिर से उनके साथ लौट आए हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो 6 साल बाद कपिल और सुनील को साथ लेकर आया है। कपिल से अलग रहने के दौर में सुनील ग्रोवर ने अपना शो भी शुरू किया था, जो बहुत नहीं चला। बता दें कि कपिल शर्मा को अपने शो से जनता को लगातार हंसाते एक दशक से ज्यादा समय बीत गया है। इस सफर में उन्होंने एक चैनल से दूसरे चैनल और अब टीवी से ओटीटी तक का सफर तय किया है। मगर जनता कपिल के साथ लगातार बनी रही।

एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने वोट डालने के बाद कहा ...

बिहार की 5 लोकसभा सीटों पर आज मतदान चल रहा है। इनमें किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, बांका और भागलपुर लोकसभा सीट शामिल है। दूसरे चरण में वोटिंग के लिए लोगों की लंबी लाइन लग रही है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने भागलपुर में मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट डाला। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लोगों से मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की। वीडियो को शेयर करते हुए नेहा ने कैप्शन में लिखा, 'एक जागरूक नागरिक के रूप में वोट करना हमारा अधिकार और कर्तव्य दोनों है। आज मैंने वोट कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। मैं भागलपुर के लोगों और पूरे देश में जहां जहां वोटिंग हो रही है, वहां के लोगों से अपील करती हूं, सभी लोग वोट जरूर करें।' बता दें कि नेहा शर्मा के पिता अजीत शर्मा कांग्रेस के टिकट पर भागलपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। अपने पिता का समर्थन करते हुए वह बिहार में प्रचार–प्रसार करती नजर आईं। उन्होंने भागलपुर की सड़कों पर रोड शो किया, जिसकी काफी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थी। एक्ट्रेस जनता का अभिवादन और उन्हें वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करती हुई नजर आईं।

पायनियर हलचल...

ये दारी, रेत के बारी

फाइल फोटो

शराब महंगी हो गई, जमीन की रजिस्ट्री में भी 30 प्रतिशत की छूट समाप्त कर दी गई है, कहते हैं कि ये दारी, रेत की बारी है। राज्य की महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह और किसानों को धान की अच्छी कीमत देनी है, तो जनता को मंहगाई की मार झेलनी ही पड़ेगी। आखिर राज्य सरकार राजस्व कहां से लाएगी? रास्ते तो खोजने ही पड़ेंगे। कुछ हद तक खोज भी लिए गए हैं, इंतजार है तो सिर्फ बारिस का। शराब और जमीन के बाद अब रेत के दाम में उछाल आने की पूरी सम्भावना है। जमीन खरीदना ही नहीं, बल्कि मकान बनाना भी अब महंगा हो सकता है। महानदी को छलनी करने के लिए हाइवाओं की फौज तैयार खड़ी हैं। कहते हैं कि इसके लिए एक पूर्व मंत्री को जबाबदारी भी सौंप दी गई है। पूर्व मंत्री तेजतर्रार हैं और नियमों के जानकार भी। अब देखना यह है कि रेत को लेकर कांग्रेस सरकार की तरह यहां भी हल्ला होगा की सब शांति से निपट जाएगा।

दांव पेंच काम नहीं आया, अब किसकी बारी ?

रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा का भ्रष्टाचार से पुराना नाता रहा है। पहले नान घोटाले में टुटेजा सुर्खियों में आये। अब एक बार शराब घोटाले में टुटेजा सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। हालांकि इसके पहले टुटेजा ने खूब दांव पेंच लगाया। वे हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट और न जाने कहां-कहां तक दौड़ लगाते रहे। लेकिन भला यह कैसे हो सकता है कि दांव-पेंच सिर्फ टुटेजा ही लगाना जानते हों? मैदान में और भी प्लेयर हैं जिन्हें दांव-पेंच में महारथ हासिल है। पॉवर का दांव तो तब तक चलता है जब तक सत्ता साथ हो, वरना दांव-पेंच का खेल काम नहीं आता। हुआ भी कुछ ऐसा ही, इस बार टुटेजा का नहीं बल्कि दूसरे साइड का दांव कारगर साबित होते दिख रहा है। फिलहाल टूटेजा ईओडब्ल्यू और ईडी की गिरफ्त में फंसते दिख रहे हैं। कहते हैं कि जब टुटेजा और अन्य के यहां ईओडब्ल्यू और एसीबी ने दबिश दी, तब एक और रिटायर्ड आईएएस ने वाट्सएप के एक खास ग्रुप में जमकर खिल्ली उड़ाई। यहां एसीबी की दबिश और वहां साहब रिलैक्स मोड में चैन की नींद फरमा रहे थे। छापे के बीच में रिलैक्स का मूड हो तो सभी का दिमाग घूमना तय है। खैर टुटेजा के बाद अब किसकी बारी है? इस पर इन दिनों जमकर चर्चा हो रही है।

उत्साही विकास और राजनीतिक जोखिम...

अब तक पूर्व विधायक विकास उपाध्याय की छवि एक लड़ने और जूझने वाले नेता के रुप में रही। विकास उपाध्याय 2018 के विधानसभा चुनाव के पूर्व लड़ते और जूझते नजर आते थे। शायद इसी वजह से विकास को पीसीसी ही नहीं बल्कि एआईसीसी ने भी हांथों-हांथ लिया। विकास उपाध्याय की भूपेश सरकार में भले ही पूछ-परख न रही हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें खूब तवज्जो मिली। अब तक विकास उपाध्याय को कांग्रेस ने तीन बार रायपुर पश्चिम से विधायक का प्रत्याशी बनाया। जिसमें विकास का स्कोर 03-01 रहा। यानि की विकास मूणत के सामने दो चुनाव हारे, तो वहीं एक चुनाव में उन्हें सफलता हासिल हुई। अब कांग्रेस ने विकास को एक बार फिर रायपुर से लोकसभा का प्रत्याशी घोषित कर दिया है। किन समीकरणों और हालातों को देखकर विकास को प्रत्याशी बनाया गया है, यह तो कांग्रेस के रणनीतिकार ही जानेंगे। लेकिन विकास उपाध्याय ने बड़ा राजनीतिक जोखिम ले लिया है। रायपुर लोकसभा का मूड देखेंगे तो ज्यादातर यहां का वोटर भाजपा के पक्ष में खड़ा दिखाई देता रहा है। पहले 7 बार के सांसद रमेश बैस फिर सुनील सोनी जैसा नेता यहां से रिकार्ड मतों से चुनाव जीतने में सफल हुए। अब इस बार सुनील सोनी नहीं बल्कि उनके राजनीतिक गुरु कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल चुनावी मैदान में हैं। भाजपा पांच लाख से अधिक वोटों से बृजमोहन की जीत के दावे कर रही है। वास्तव में यदि यह सच हुआ तो विकास का राजनीतिक भविष्य संकट में पड़ जाएगा। मामला 04-01 का हो जाएगा। मतलब चार बार प्रत्याशी बनाने पर सिर्फ एक बार जीत और रिकार्ड मतों से हार का दाग भी। 75 प्रतिशत चुनाव हारने का दाग विकास के माथे पर लगा तो राजनीतिक संकट खड़ा होना स्वाभाविक है। कुल मिलकार विकास उपाध्याय ने उत्साह में बड़ा राजनीतिक जोखिम मोल ले लिया है।

भ्रष्टाचार पर निकला विष्णुदेव का सुदर्शन

विधानसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद इस लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने भ्रष्टाचार को बड़ा हथियार बनाया है। अरविंद केजरीवाल जैसा नेता लोकसभा चुनाव के दौरान सलाखों के पीछे हैं। तो भला बांकी नेताओं की खैर कैसे हो सकती है। भ्रष्टाचार पर सिर्फ मोदी और अमित शाह ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य के सीएम विष्णुदेव भी काफी आक्रामक दिख रहे हैं। सीएम साय भ्रष्टाचार को लेकर भूपेश बघेल तथा उनकी सरकार में मंत्री रहे नेताओं पर जमकर बरस रहे हैं। साय ने कांग्रेस सरकार में ताकतवर मंत्री रहे डॉ. शिव डहरिया को सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बताया। वहीं विष्णुदेव साय शराब, महोदव एप, और कोल घोटाले में भी कांग्रेसियों को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। सीएम विष्णुदेव साय यह भली-भांति जानते हैं कि भ्रष्टाचार पर पलटवार करने के लिए फिलहाल कांग्रसियों के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए इन्हें घेरने में कोई कोताही नहीं करनी है। दरअसल में इसके पूर्व जैसे ही भाजपा भ्रष्टाचार के विषयों को सामने लाती थी, तो भूपेश बघेल और कांग्रेसी नेता रमन सिंह पर हमला बोलना चालू कर देते थे। लेकिन अब भूपेश बघेल समेत बाकी नेता भ्रष्टाचार पर पलटवार करने में मजबूर दिखाई दे रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह यह मानी जा रही है कि डॉ. रमन सिंह वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष हैं। संवैधानिक पद पर होने के नाते कांग्रेसी चाहकर भी अब रमन पर उंगली नहीं उठा सकते। और विष्णु सरकार ने अपने तीन माह के कार्यकाल में कांग्रेस को ऐसा कोई मौका ही नहीं दिया, जिससे कांग्रेसी नेता पलटवार कर सकें। शायद इसीलिए विष्णुदेव ने भ्रष्टाचार पर अपना सुदर्शन निकाल लिए हैं।

दाग अच्छे हैं

यदि आपका राजनीतिक कैरियर दागदार हो गया है। और जमीन के कारोबार में आप फंस सकते हैं, तो दल बदल लीजिए, दाग अच्छे हो जाएंगे। कहते हैं कि नेताओं को इन दिनों दाग धोने से बेहतर दल बदलना दिख रहा है। आप किसी भी दल के नेता हों, कोयले का काला दाग भी हो, सब धुल जाएगा। जमीन का दाग तो आसानी से उड़ जाएगा। राजनीतिक गलियों में इन दिनों चर्चा छिड़ी हुई है कि एक पूर्व मंत्री जमीन और कोयले का दाग धोने के लिए दल बदलने की तैयारी में हैं। नेताजी भली-भांति जानते हैं कि कपड़ों की धुलाई के लिए तो कई ब्रांन्ड की मशीने मार्केट में मौजूद हैं, लेकिन नेताओं के दाग धोना हो तो फिलहाल देश में एक ही पार्टी मौजूद है। जहां जाने से दाग अच्छे हो जाएंगे। कहते हैं कि नेता जी अपने क्षेत्र में चुनावी प्रचार से भी दूरी बनाए हुए हैं। जिसको देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि देश के किसी बड़े नेता की सभा यहां हुई, तो इसी दरम्यान दाग धुलाई हो सकती है।

चंदा मामा

आप और हम बचपन से ही चंदा मामा की कहानियां सुनते आये हैं। लेकिन चंदे की कहानियां कम ही सुने होंगे। यह कहानी चंदा मामा की नहीं बल्कि चंदे की है। कहते हैं कि एक नेता ने अपने क्षेत्र के व्यापारियों से चुनाव के नाम पर जमकर चंदा वसूली कर लिया। उनको मालूम है की देश तो गांरटी से चल रहा है। यह मौसम बार-बार कहां आयेगा, वसूली कर लिया जाए। चुनावी मौसम में नेता जी ने अपने क्षेत्र के एक-एक पेट्रोल पंप तक को नहीं बख्सा। अब कुछ दिन बाद फिर उनके क्षेत्र में एक बड़ा आयोजन होना था, आयोजन में बड़े-बड़े नेता शामिल होने वाले थे। जाहिर सी बात है फिर से चंदामामा के दरवाजे जाना पड़ेगा। जब आयोजन के लिए लोग चंदामामा के पास गए तो खबर चली कि नेताजी ने तो पहले ही जमकर वसूली कर ली है। यह खबर उपर तक गई, वहीं पार्टी के लिए भी यह निर्वाचन क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण है। मामला जातीय समीकरण का जो ठहरा, चुनाव कहीं जातीय समीकरण में फंस न जाए इसलिए उपर से भी खूब धन वर्षा की चर्चा है। नेताजी यह जानते हैं कि गांरटी के दौर में तो नइयां वैसे भी पार लग जाएगी। इसलिए वह चंदामामा की तो दूर पार्टी फंड को भी हांथ नहीं लगाना चाह रहे।

editor.pioneerraipur@gmail.com

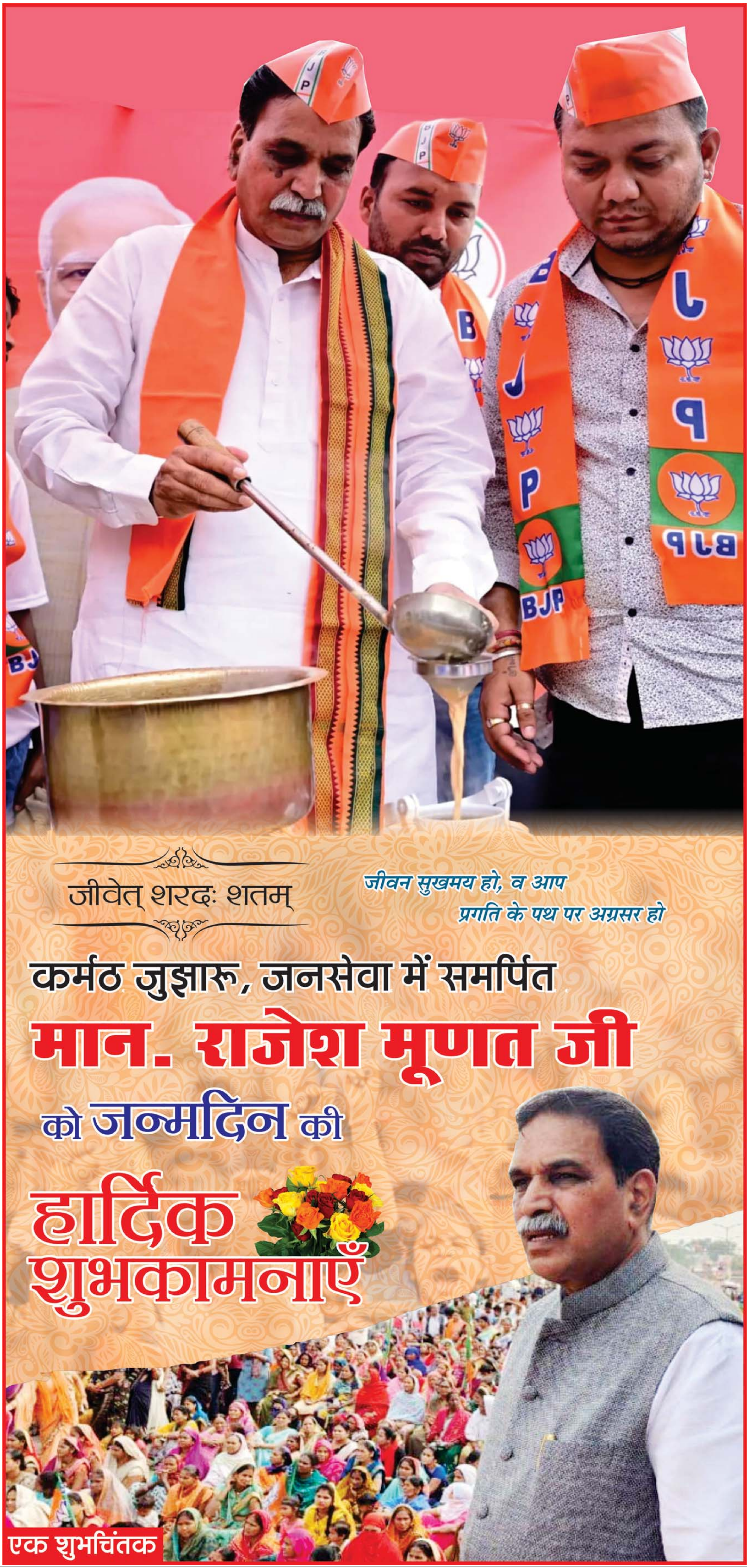

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403